Follow us on: @TheDailyPioneer facebook.com/dailypioneer instagram.com/dailypioneer/

RNI NO.UPHIN/2010/36547
वर्ष 15 अंक 107
लखनऊ, बुधवार, 5 फरवरी 2025
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
लखनऊ, नगर संस्करण

Established 1865

पायनियर

लखनऊ, नई दिल्ली और रायपुर से प्रकाशित

www.dailypioneer.com

आभ्यन्तर

राष्ट्रीय-10

गो तस्करों को देखते ही गोली मारने का आदेश दूंगा: कर्नाटक के मंत्री

चुनाव से पहले मोदी ने राहुल, केजरीवाल पर बोला हमला

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में संसद के बजट सत्र के दौरान लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का जवाब दिया। पीटीआई

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला करते हुए कहा कि कुछ लोग खुलेआम शहरी नक्सलियों की भाषा बोल रहे हैं और कहा कि जो लोग भारतीय राज्य के खिलाफ 'युद्ध की घोषणा' करते हैं, वे न तो संविधान को समझ सकते हैं और न ही संविधान के बारे में। देश की एकता. उन्होंने दिल्ली विधानसभा चुनाव से एक दिन पहले अरविंद केजरीवाल और आप पर कटाक्ष करते हुए कहा, 'कुछ पार्टियां युवाओं के भविष्य के लिए 'आप-दा' की तरह हैं।' मोदी ने दावा किया कि उनकी सरकार की योजनाओं से काफी धन की बचत हुई, लेकिन इसका उपयोग 'शीश महल' बनाने में नहीं किया गया।

लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस का जवाब देते हुए उन्होंने राहुल पर कई परोक्ष हमले किए और कहा कि जो लोग गरीबों की झोपड़ियों में फोटो सेशन करवाकर अपना मनोरंजन करते हैं, उन्हें संसद में गरीबों के बारे में बात करना उबाऊ लगेगा। मोदी ने कहा, 'जो लोग संविधान को जेब में रखकर घूमते हैं, क्या उन्हें पता है कि उन्होंने मुस्लिम महिलाओं को किस तरह से कठिनाई में रहने के लिए मजबूर किया। हमने उन्हें अधिकार देने के लिए तीन तलाक कानून लाया।' मोदी ने कहा, आज कुछ लोग खुलेआम शहरी नक्सलियों की भाषा बोल रहे हैं। शहरी नक्सलियों की भाषा बोलने वाले, भारतीय राज्य के खिलाफ युद्ध की घोषणा करने वाले ये लोग न तो संविधान को समझ सकते हैं और न ही संविधान के बारे में। मोदी ने कहा, ''यह देश की एकता के लिए है।'' यद्यपि मोदी ने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन उनकी टिप्पणी पिछले महीने राहुल की टिप्पणी का स्पष्ट संदर्भ थी जिसमें उन्होंने कहा था कि 'हम अब भाजपा, आरएसएस और इंडियन स्टेट से लड़ रहे हैं।'

आप संयोजक केजरीवाल पर परोक्ष रूप से कटाक्ष करते हुए मोदी ने कहा कि कुछ नेता जकूजी और स्टाइलिश शॉवर पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जबकि उनकी सरकार का ध्यान हर घर को पानी उपलब्ध कराने पर है। उन्होंने यह भी कहा कि 'कुछ पार्टियां युवाओं के भविष्य के लिए आप-दा की तरह हैं क्योंकि वे चुनावों के समय तरह-तरह के वादे तो करते हैं लेकिन उन्हें कभी पूरा नहीं करते।' मोदी ने कहा, 'कुछ सरकारी योजनाओं से काफी धन की बचत हुई, लेकिन हमने इसका इस्तेमाल 'शीश महल' बनाने में नहीं किया।'

मोदी ने गांधी परिवार का नाम लिए बगैर राष्ट्रपति के अभिभाषण पर उनकी प्रतिक्रिया पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जो लोग गरीबों की झोपड़ियों में फोटो सेशन करवाकर अपना मनोरंजन करते हैं, उन्हें संसद में गरीबों के बारे में बात करना उबाऊ लगेगा। 31 जनवरी को संसद के संयुक्त अधिवेशन में राष्ट्रपति के अभिभाषण के तुरंत बाद सोनिया गांधी, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा को संसद परिसर में भाषण पर चर्चा करते देखा गया। चर्चा के दौरान राहुल गांधी को सोनिया गांधी से यह पूछते हुए सुना गया कि क्या राष्ट्रपति का भाषण 'उबाऊ' था। मोदी ने कहा, 'हमने लोगों को झूठे नारे नहीं, बल्कि वास्तविक विकास दिया है।' उन्होंने कहा, 'पांच दशक तक (शेष पृष्ठ 9)

प्रधानमंत्री आज पवित्र संगम में लगाएंगे डुबकी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को प्रयागराज में महाकुंभ मेला का दौरा करेंगे और पूर्वाह्न करीब 11 बजे संगम में डुबकी लगाएंगे तथा गंगा की पूजा करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने मंगलवार को एक बयान में यह जानकारी दी। महाकुंभ 2025, पौष पूर्णिमा के दिन 13 जनवरी को शुरू हुआ और यह 26 फरवरी को महाशिवरात्रि तक चलेगा। पीएमओ ने कहा कि महाकुंभ दुनिया का सबसे बड़ा आध्यात्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम है, जो दुनिया भर के भक्तों को आकर्षित करता है। पीएमओ ने कहा कि भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने और संरक्षित करने की अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप, प्रधानमंत्री ने तीर्थ स्थलों पर बुनियादी ढांचे और सुविधाओं को बढ़ाने के लिए लगातार सक्रिय कदम उठाए हैं। बयान में कहा गया है कि इससे पहले, 13 दिसंबर, 2024 को प्रयागराज की अपनी यात्रा के दौरान, प्रधानमंत्री ने आम जनता के लिए संपर्क, सुविधाओं और सेवाओं में सुधार के लिए 5,500 करोड़ रुपए की 167 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया था।

ईसी ने केजरीवाल के पक्षपात के आरोपों को खारिज किया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा चुनाव से एक दिन पहले, चुनाव आयोग ने मंगलवार को 'ईसीआई को बदनाम करने के लिए बार-बार जानबूझकर दबाव बनाने की रणनीति' का संज्ञान लेते हुए कहा कि वह 'इस तरह के आरोपों' से प्रभावित नहीं होगा। चुनाव आयोग ने एक्स प्लेटफॉर्म पर एक बयान जारी कर अपनी विश्वसनीयता को कम करने के चल रहे प्रयासों पर चिंता व्यक्त की। यह बयान आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल द्वारा चुनाव आयोग पर चुनाव संबंधी मुद्दों को संभालने में पक्षपातपूर्ण और गैरपेशेवर व्यवहार का आरोप लगाने के बाद आया है। चुनाव आयोग ने आप या केजरीवाल का नाम लिए बिना एक्स पर लिखा, 'यह आरोप गलत है। इसमें कहा गया है, राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों द्वारा उठाए गए मुद्दों पर प्रत्येक मामले में 1.5 लाख से अधिक अधिकारियों द्वारा कार्रवाई की जाती है, जो एक स्थापित कानूनी ढांचे, मजबूत प्रक्रियाओं और एसओपी के भीतर काम कर रहे हैं, जिससे निष्पक्ष खेल और गैर-पक्षपातपूर्ण आचरण सुनिश्चित होता है।

निर्वाचन आयोग ने दिल्ली में अपने चुनाव तंत्र को भी चेतावनी दी है कि समान अवसर को बाधित करने वाले किसी भी पक्षपातपूर्ण आचरण को 'अक्षम्य' माना जाएगा। चुनाव आयोग ने अपने अधिकारियों को यह ताजा निर्देश तब दिया जब आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने चुनाव आयोग से संपर्क कर बुधवार को होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले दिल्ली में कथित तौर पर डराने-धमकाने की रणनीति के इस्तेमाल पर चिंता जताई। केजरीवाल ने दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी के साथ मंगलवार शाम को चुनाव आयोग से मुलाकात की और विधानसभा चुनावों से पहले राष्ट्रीय राजधानी में कथित तौर पर डराने-धमकाने की रणनीति के इस्तेमाल पर चिंता जताई।

बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए केजरीवाल ने पार्टी नेता राघव चड्ढा के साथ भाजपा और दिल्ली पुलिस पर मतदाताओं के बीच भय का माहौल पैदा करने के लिए गुंडागर्दी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ''हमने चुनाव आयोग को बताया कि किस तरह दिल्ली पुलिस का दुरुपयोग हिंसा और धमकी के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा, ''कई लोग डरे हुए हैं और यह संभव है कि वे डर के कारण वोट देने न आएं।'' पूर्व मुख्यमंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि मतदान प्रतिशत को दबाने के प्रयास किए जा रहे हैं, विशेषकर झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वालों के बीच। केजरीवाल ने कहा, ऐसी खबरें हैं कि लोगों को मताधिकार से वंचित करने के प्रयास में उनकी उंगलियों पर काली स्याही का निशान लगाया जा रहा है, तथा मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए धन और धमकियों का इस्तेमाल किया जा रहा है। केजरीवाल ने कहा, हमने ये चिंताएं चुनाव आयोग के समक्ष उठाईं। उन्होंने मौन अवधि के बावजूद बैठक का समय देने के लिए चुनाव आयोग को धन्यवाद दिया तथा कहा कि अधिकारियों ने उन्हें स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव का आश्वासन दिया है। चुनाव आयोग ने हमें आश्वासन दिया है कि वे इस तरह के किसी भी गलत काम को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाएंगे।

इससे पहले दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने भाजपा पर गुंडागर्दी करने का आरोप लगाया और कहा कि चुनाव आयोग और दिल्ली पुलिस भगवा पार्टी के कार्यकर्ताओं को बचा रही है, जबकि आप नेताओं और सदस्यों को निशाना बना रही है। कालकाजी निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ रहीं आतिशी (शेष पृष्ठ 9)

आतिशी पर एमसीसी उल्लंघन के लिए एफआईआर दर्ज

दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में। फोटो: रंजन डिमरी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा चुनाव से एक दिन पहले, पुलिस ने मंगलवार को कालकाजी में आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) के उल्लंघन के संबंध में तीन एफआईआर दर्ज कीं - एक मुख्यमंत्री आतिशी के खिलाफ, दूसरी आप के अन्य सदस्यों के खिलाफ और तीसरी दो भाजपा नेताओं के खिलाफ। आप नेता का नाम गोविंदपुरी थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 के तहत अवज्ञा मामले में दर्ज किया गया है। इस बीच, दिल्ली में विधानसभा चुनाव के लिए मंच तैयार हो गया है, जहां बुधवार को सुबह 7 बजे से 1.56 करोड़ से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों के 13,766 मतदान केंद्रों पर मतदान होगा, जिसमें 699 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला होगा। यह मुकाबला राजधानी के राजनीतिक परिदृश्य को नया रूप दे सकता है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी के मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए पुलिस ने कहा कि आप की कालकाजी उम्मीदवार आतिशी आप समर्थकों के साथ थीं, जिन्होंने कथित तौर पर फतेह सिंह मार्ग पर एक अधिकारी के काम में हस्तक्षेप किया। दो आप सदस्यों पर ड्यूटी पर तैनात एक पुलिस कांस्टेबल पर हमला करने का मामला दर्ज किया गया। इससे पहले दो भाजपा नेताओं - मनीष बिधूड़ी, जो भाजपा के कालकाजी उम्मीदवार रमेश बिधूड़ी के रिश्तेदार हैं, और रवि दयामा - के खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने आप की शिकायत पर भाजपा नेताओं के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की। आतिशी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि मनीष रमेश बिधूड़ी का भतीजा है (शेष पृष्ठ 9)

गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल गांधीनगर में राज्य के गृह मंत्री हर्ष संघवी और अन्य के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में। पीटीआई

गुजरात ने यूसीसी कानून का मसौदा बनाने के लिए पैनल का गठन किया

भाषा। गांधीनगर

गुजरात की भारतीय जनता पार्टी सरकार ने राज्य में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) की आवश्यकता का आकलन करने और इसका मसौदा विधेयक तैयार करने के लिए मंगलवार को उच्चतम न्यायालय की सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति रंजना देसाई की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया। विपक्ष ने कहा कि यह निर्णय आगामी स्थानीय निकाय चुनावों से पहले महत्वपूर्ण मुद्दों से ध्यान भटकाने के इरादे से लिया गया है, जबकि सरकार ने दावा किया कि यदि यूसीसी लागू किया जाता है तो आदिवासी समुदायों के अधिकारों की रक्षा होगी। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति देसाई की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय समिति 45 दिन के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपेगी, जिसके बाद यूसीसी के कार्यान्वयन के बारे में निर्णय लिया जाएगा।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि समिति रिपोर्ट तैयार करने के लिए मुस्लिम समुदाय सहित धार्मिक नेताओं से भी मुलाकात करेगी। मुख्यमंत्री पटेल ने कहा, यूसीसी की आवश्यकता का आकलन ऑर इसका मसौदा विधेयक तैयार करने के लिए, हमने उच्चतम न्यायालय की सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति के नेतृत्व में एक समिति बनाने का फैसला किया है। समिति के अन्य सदस्यों में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के सेवानिवृत्त अधिकारी सीएल मीणा, अधिवक्ता आर.सी. कोडेकर, वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति दक्षेश ठाकर और सामाजिक कार्यकर्ता गीता श्रॉफ शामिल हैं। भाजपा शासित उत्तराखंड ने पहले ही यूसीसी लागू कर दिया है।

मुख्यमंत्री पटेल ने कहा कि गुजरात सरकार देशभर में समान नागरिक संहिता लागू करने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि पांच सदस्यीय समिति यूसीसी से संबंधित विभिन्न पहलुओं की समीक्षा करेगी और अपनी रिपोर्ट तैयार करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों के लोगों की राय लेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि रिपोर्ट देखने के बाद उचित निर्णय लिया जाएगा। गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने कहा कि यूसीसी लागू हुआ तो यह आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा करेगा। संघवी ने कहा, उत्तराखंड सरकार द्वारा लागू किया गया यूसीसी देश के सामने एक आदर्श प्रस्तुत करता है क्योंकि यह आदिवासियों के रीति-रिवाजों और परंपराओं की रक्षा करता है। हमारे (केंद्रीय) गृह मंत्री अमित शाह ने भी झारखंड में स्पष्ट किया है कि यूसीसी आदिवासियों द्वारा अपनाई जाने वाली परंपराओं की रक्षा करेगा। उन्होंने कहा कि समिति रिपोर्ट तैयार करने के (शेष पृष्ठ 9)

अमेरिका ने 205 अवैध भारतीयों को वतन भेजा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

इन खबरों के बीच कि एक अमेरिकी सैन्य विमान 205 अवैध भारतीय प्रवासियों को वापस देश ला रहा है, अमेरिका ने मंगलवार को कहा कि वह आव्रजन कानूनों को और सख्त कर रहा है। इसके दूतावास ने यह भी कहा कि 'इन कार्रवाइयों से स्पष्ट संदेश जाता है, अवैध प्रवासन जोखिम के लायक नहीं है।'अवैध प्रवासियों के एक समूह को भारत वापस लाने वाली निर्वासन उड़ान के बारे में पूछे जाने पर यहां अमेरिकी दूतावास के प्रवक्ता ने विस्तृत जानकारी नहीं दी, लेकिन जोर देकर कहा कि वाशिंगटन अवैध प्रवासियों को वापस भेज रहा है। अधिकारी ने कहा, 'मैं इन पूछताछों के बारे में कोई विवरण साझा नहीं कर सकता, लेकिन मैं रिकॉर्ड पर यह बता सकता हूं कि संयुक्त राज्य अमेरिका अपनी सीमा पर सख्ती से निगरानी कर रहा है, आव्रजन कानूनों को कड़ा कर रहा है, तथा अवैध प्रवासियों को हटा रहा है।' उन्होंने कहा, 'इन कार्रवाइयों से स्पष्ट संदेश जाता है, अवैध प्रवासन जोखिम उठाने लायक नहीं है।' संयोग से, यह कार्रवाई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगले सप्ताह संभावित अमेरिका यात्रा से कुछ दिन पहले हुई है।

सूत्रों ने बताया कि 205 भारतीय नागरिकों को लेकर एक सी-17 विमान टेक्सास के सैन एंटोनियो से भारतीय समयानुसार सुबह करीब तीन बजे रवाना हुआ। उन्होंने बताया कि पंजाब के अमृतसर जा रहे इस विमान के ईंधन भरने के लिए जर्मनी के रामस्टीन में रुकने की संभावना है। उन्होंने बताया कि वापस भेजे जाने से पहले प्रत्येक विमान की जांच की गई। यह निर्वासन संभवत: कई नियोजित उड़ानों में से पहली है, क्योंकि आने वाले सप्ताहों में अवैध भारतीय अप्रवासियों के और अधिक जत्थों के वापस भेजे जाने की उम्मीद है। अमेरिका से अवैध भारतीय नागरिकों के निर्वासन का पहला (शेष पृष्ठ 9)

उच्चतम न्यायालय ने निर्वासन में देरी पर असम से सवाल किया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को असम सरकार से पूछा, 'क्या आप किसी मुहूर्त का इंतजार कर रहे हैं', जिसकी 63 विदेशी घोषित लोगों को अनिश्चित काल तक हिरासत केंद्रों में रखने और उन्हें वापस न भेजने के लिए आलोचना की गई। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने कहा कि असम सरकार तथ्यों को दबा रही है और जब हिरासत में लिए गए लोगों की पहचान विदेशियों के रूप में हो जाए तो उन्हें तत्काल निर्वासित किया जाना चाहिए। पीठ ने पूछा, आपने यह कहते हुए निर्वासन शुरू करने से इनकार कर दिया है कि उनके पते ज्ञात नहीं हैं। यह हमारी चिंता क्यों होनी चाहिए? आप उन्हें उनके विदेशी देश में निर्वासित करते हैं। क्या आप किसी मुहूर्त का इंतजार कर रहे हैं? शीर्ष अदालत ने असम सरकार के इस स्पष्टीकरण पर आश्चर्य व्यक्त किया कि वह विदेश मंत्रालय को राष्ट्रीयता सत्यापन फार्म नहीं भेज रही है, क्योंकि विदेश में बंदियों के पते अज्ञात हैं। पीठ ने कहा, आपने यह कहकर निर्वासन की प्रक्रिया शुरू करने से इनकार कर दिया कि उनके पते ज्ञात नहीं हैं। यह हमारी चिंता क्यों होनी चाहिए? आप उन्हें उनके देश भेज दें। क्या आप किसी मुहूर्त का इंतजार कर रहे हैं? शीर्ष अदालत ने असम सरकार के इस स्पष्टीकरण पर आश्चर्य जताया कि वह विदेश मंत्रालय को राष्ट्रीयता सत्यापन फॉर्म इसलिए नहीं भेज रही है, क्योंकि विदेश में बंदियों का पता ज्ञात नहीं है। पीठ ने असम सरकार की ओर से पेश वकील से कहा, जब आप किसी व्यक्ति को विदेशी घोषित करते हैं, तो आपको इसके बाद अगला तार्किक कदम उठाना पड़ता है। आप उन्हें अनिश्चितकाल तक निरुद्ध केंद्र में नहीं रख सकते। संविधान का अनुच्छेद-21 मौजूद है। असम में विदेशियों के लिए कई निरुद्ध केंद्र हैं। आपने कितने लोगों को निर्वासित किया है? शीर्ष अदालत ने असम सरकार को निर्देश दिया कि वह निरुद्ध केंद्रों में रखे गए उन 63 लोगों को निर्वासित करने की प्रक्रिया शुरू करे, जिनकी राष्ट्रीयता ज्ञात है और दो सप्ताह के भीतर वस्तुस्थिति रिपोर्ट दाखिल करे। न्यायालय ने कहा, हम राज्य सरकार को इस (शेष पृष्ठ 9)

दिल्ली में अक्टूबर-नवंबर में प्रदूषण स्थानीय कारणों से

भाषा। नई दिल्ली

अक्टूबर-नवंबर के दौरान दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) का ज्यादातर प्रदूषण काफी हद तक स्थानीय कारणों से उत्पन्न होता है। एक अध्ययन में यह दावा किया गया है। अध्ययन में यह भी कहा गया है कि 2022 में पीएम 2.5 के समग्र स्तर में 14 प्रतिशत का योगदान पराली जलाने के मामलों का था। आकाश परियोजना के तहत जापान के रिसर्च इंस्टीट्यूट फॉर ह्यूमैनिटी एंड नेचर के नेतृत्व में किए गए अध्ययन में कहा गया है कि दिल्ली की वायु गुणवत्ता में परिवर्तन चरणबद्ध प्रतिक्रिया कार्ययोजना (जीआरएपी) के अंतर्गत प्रदूषण रोधी उपायों को बढ़ाए जाने या घटाए जाने से संबंधित हो सकता है।

शोध पत्रिका एनपीजे क्लाइमेट एंड एटमॉस्फेरिक साइंस में प्रकाशित अध्ययन में 2022 और 2023 के सितंबर-नवंबर महीनों के दौरान दर्ज किए गए अति सूक्ष्म कण (पीएम 2.5) के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया। अध्ययन के लिए पंजाब, हरियाणा और दिल्ली-एनसीआर में 30 सेंसर लगाए गए। धान की कटाई के बाद खेत को तैयार करने के लिए पराली जलाने का चलन है, जिसे अक्टूबर-नवंबर के महीनों के दौरान राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में पीएम 2.5 के स्तर में तेज और निरंतर वृद्धि के लिए जिम्मेदार ठहराया जाता है।

शोधकर्ताओं के मुताबिक, 2015-2023 के दौरान दिल्ली में पीएम 2.5 का स्तर स्थिर रहा, जबकि पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने की घटनाओं में (जैसा कि उपग्रहों द्वारा दर्ज किया गया) कम से कम 50 प्रतिशत की कमी आई। शोधकर्ताओं ने कहा, इससे पता चलता है कि दिल्ली-एनसीआर में पीएम 2.5 घनत्व और पंजाब में पराली जलाने के बीच बहुत कमजोर संबंध है, जो इस क्षेत्र में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने में जीआरएपी की प्रभावशीलता को उजागर करता है। जीआरएपी वायु गुणवत्ता स्तर के अनुरूप चरणबद्ध तरीके से लागू किए जाने वाले प्रदूषण रोधी उपायों को संदर्भित करता है। जीआरएपी-4 सबसे सख्त उपाय है, जिसे तब लागू किया जाता है, जब वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 450 को पार कर जाता है और अत्यधिक गंभीर श्रेणी में पहुंच जाता है।

● जापान के रिसर्च इंस्टीट्यूट फॉर ह्यूमैनिटी एंड नेचर के नेतृत्व में हुए अध्ययन में दावा

शोधकर्ताओं ने पाया कि पीएम 2.5 का स्तर जीआरएपी चरणों के बढ़ने या घटने के अनुरूप भिन्न-भिन्न था। उन्होंने कहा, दिल्ली-एनसीआर में पीएम 2.5 के स्तर में कमी मुख्य रूप से जीआरएपी के चौथे चरण के कारण हुई, जब सड़क यातायात और निर्माण गतिविधियों सहित अन्य स्रोतों से होने वाले प्रमुख पीएम 2.5 उत्सर्जन में कमी आई। हालांकि, 2022 और 2023 में जीआरएपी की पाबंदियां वापस लेने के बाद पीएम 2.5 के स्तर में वृद्धि दर्ज की गई। अध्ययन के लेखक, आकाश परियोजना से संबद्ध और जापान एजेंसी फॉर मरीन-अर्थ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के प्रमुख वैज्ञानिक प्रबीर पात्रा ने कहा, पंजाब, हरियाणा और दिल्ली-एनसीआर के लगभग 30 स्थानों पर विश्लेषण के साथ, हम दिल्ली के पीएम 2.5 स्तर में पराली जलाने के योगदान को विशिष्ट घटनाओं और सप्ताह-मासिक औसत के आधार पर अलग करने में सक्षम हुए। रिसर्च इंस्टीट्यूट फॉर ह्यूमैनिटी एंड नेचर की प्रमुख शोधकर्ता पूनम मंगराज ने कहा कि अध्ययन में वायु प्रदूषण को कम करने के लिए स्रोत (पंजाब), रिसेप्टर (दिल्ली-एनसीआर) और मध्यवर्ती (हरियाणा) सभी क्षेत्रों में वायु प्रदूषण की निरंतर निगरानी के महत्व को रेखांकित किया गया है। एक अप्रैल 2020 को शुरू की गई आकाश परियोजना का उद्देश्य उत्तर भारत में स्वच्छ वायु, बेहतर सार्वजनिक स्वास्थ्य और टिकाऊ कृषि के लिए सामाजिक परिवर्तनों को प्रोत्साहित करना है।

कांग्रेस और सपा दोनों दल चाहते थे महाकुंभ में बड़ा हादसा हो जाए: मुख्यमंत्री

● मल्लिकार्जुन खड़गे और अखिलेश यादव पर भड़के सीएम

● बोले, 29 जनवरी के हादसे की तह में जाएंगे और षडयंत्रकारियों को बेनकाब करेंगे

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ महाकुम्भ नगर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को कांग्रेस व समाजवादी पार्टी पर बरसे। मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि एक तरफ सनातन धर्म के इस सबसे बड़े आयोजन का साक्षी बनकर देश व दुनिया गौरव की अनुभूति कर रही है तो वहीं दूसरी ओर सनातन धर्म के खिलाफ सुपारी लेकर षडयंत्र करने वाले तत्वों के द्वारा लगातार शरारत पर शरारत करते हुए झूठ व असत्य के नित नए प्रतिमान गढ़े जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संसद में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे व सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के वक्तव्य न इनके सनातन धर्म विरोधी चरित्र को उजागर कराता है, बल्कि इनकी उस गिद्ध दृष्टि की ओर भी सबका ध्यान आकर्षित करता है, जो लगातार पहले दिन से महाकुम्भ के खिलाफ दुष्प्रचार कर रहे हैं। इनका यह बयान न केवल सनातन धर्म पर प्रहार है, बल्कि निंदनीय व शर्मनाक है। कांग्रेस अध्यक्ष का कहना कि मौनी अमावस्या में हजारों लोग मर गए, यह अफसोसजनक है। कांग्रेस के अध्यक्ष से अपेक्षा की जाती है कि संसद में मर्यादित बयान रखें। दोनों नेता झूठ पर झूठ बोल रहे हैं। इनका बयान गुमराह करने वाला है। दोनों दलों में प्रतिस्पर्धा है कि कौन कितना सनातन धर्म विरोधी वक्तव्य दे सके। सीएम ने कहा कि यह कहना कि कोई आंकड़े नहीं दिए गए, गलत है। प्रशासन ने भी आंकड़े दिए गए और मैंने भी उन्हें सबके सामने रखा। घटना दुखद थी। इससे हर कोई दुखी थी। मेला प्रशासन, पुलिस, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सिविल डिफेंस ने मिलकर क्विक रिस्पांस से घायलों को हॉस्पिटल पहुंचाया। सीएम ने कहा कि उस दिन करोड़ों लोग प्रयागराज में थे। सनातन धर्म विरोधी और यह दोनों दल चाहते थे कि बड़ा हादसा हो जाए। हमारी पहली प्राथमिकता थी कि किसी भी स्थिति में जीरो हादसे तक लेकर जाएं, लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से यह घटना घटित हुई। प्रशासन व संबंधित संस्थाओं ने क्विक रिस्पांस से कार्य किया और उन्हें हॉस्पिटलाइज किया। इसमें कुछ लोग हादसे का शिकार हुए, यह दुखद है।

घायलों का समुचित उपचार कराया गया। कुछ घायल प्रयागराज मेडिकल कॉलेज में हैं, शेष अपने परिवार में जा चुके हैं। मैंने, मंत्रियों, मुख्य सचिव, डीजीपी, प्रशासन ने भी सभी से मुलाकात की। प्रयागराज मेडिकल कॉलेज में भर्ती लोगों से मेरी बात हुई। वे सभी कह रहे थे कि व्यवस्था में खामी नहीं थी। हमने तत्काल न्यायिक कमीशन गठित किया। सरकार सभी पहलुओं को लेकर जांच करा रही है। प्रयागराज में लगभग 8-9 करोड़ लोग थे, उन्हें सुरक्षित घरों तक वापस भेजना हमारी पहली प्राथमिकता थी।

सीएम ने कहा कि यह दोनों दल व सनातन धर्म विरोधी जो लोग कह रहे हैं कि लाखों लोगों ने स्नान नहीं किया। अमृत व शाही स्नान नहीं हुआ, यह गुमराह करने वाला है। सनातन धर्म की अवमानना ही नहीं, बल्कि बदनाम करने की साजिश का हिस्सा है। सीएम योगी ने कहा कि कोई भी परंपरा बाधित नहीं हुई। मौनी अमावस्या का स्नान पहले दिन शाम साढ़े सात बजे से प्रारंभ हो गया था, अगले दिन देर शाम तक मुहूर्त था। हादसे के तत्काल बाद अखाड़ों ने मेला प्राधिकरण से बात कर अपना स्नान कुछ देर के लिए स्थगित किया था। फिर मेरी बातचीत हुई, दोपहर बाद सभी अखाड़े, संतजन, आचार्य महामंडलेश्वर स्नान का हिस्सा बने। सभी स्नान परंपरागत तरीके से हुए। मकर संक्रांति, मौनी अमावस्या, बसंत पंचमी के तीनों अमृत स्नान में सभी अखाड़े भागीदार बने।

सीएम योगी ने बौद्ध महाकुम्भ यात्रा का किया शुभारंभ

● कहा, हिंदू और बौद्ध एक ही वटवृक्ष की शाखाएं

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ महाकुम्भ नगर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को प्रयागराज दौरे पर बौद्ध महाकुम्भ यात्रा का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी उपासना विधियों का एक मंच पर आना अभिनंदनीय है। हिंदू और बौद्ध एक ही वटवृक्ष की शाखाएं हैं। यदि ये एक ही मंच पर आ जाएं तो यह दुनिया में सबसे शक्तिशाली वटवृक्ष बनेगा जो उन्हें छांव भी देगा और उनकी सुरक्षा भी सुनिश्चित करेगा। कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री ने बौद्ध संतों और विद्वानों पर पुष्प वर्षा भी की। इससे पहले मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री ने कहा, भगवान बुद्ध ने दुनिया को करुणा और मैत्री का संदेश दिया। आज यदि भारत रहेगा तो भगवान बुद्ध का संदेश भी रहेगा। कुछ लोग आज भारत को बांटने का षड्यंत्र कर रहे हैं, लेकिन इस तरह के आयोजनों से भारत विरोधी तत्वों की नींद हराम हो चुकी है। वह अलग-अलग माध्यमों से दुष्प्रचार कर रहे हैं, लेकिन सांच को आंच कहां। सत्य तो सत्य होगा। भगवान बुद्ध ने कहा था कि सत्य की अनुभूति की जाती है, सत्य को शब्दों में बयां करना मुश्किल होता है। इसी सत्य की अनुभूति आज यहां कोटि-कोटि संतों और श्रद्धालुओं को हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां एक तरफ यह महाकुम्भ एकता का संदेश दे रहा है तो वही बहुत सारे लोगों को यह कार्यक्रम अच्छे नहीं लग रहे। 38 करोड़ श्रद्धालु कैसे प्रयागराज महाकुम्भ में आकर आस्था की डुबकी लगा लिए हैं। भारत का डंका दुनिया में बजा दिया है। इसने भारत विरोधी तत्वों की नींद हराम कर दी हैं। महाकुम्भ का आयोजन एकता का संदेश देने का सबसे बड़ा माध्यम है।

पायनियर वर्गीकृत

सूचना

मैंने अपना नाम मोहम्मद सिद्दीक से बदलकर सिद्दीक अहमद पुत्र इकबाल अहमद कर लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाए। गांव पइन्सा सिराथु कौशाम्बी।

सूचना

सर्व विदित हो कि मेरा शुद्ध नाम ANMOL PRATAP SINGH है परन्तु LIC सख्या 214742884 में त्रुटिवश LAVI हो गया है। अतः आज के बाद मुझे मेरे शुद्धनाम ANMOL PRATAP SINGH के नाम से पढ़ा लिखा एवं समझा जाय Anmol Pratap Singh S/O Ajay Pratap Singh Add-83 Sonahuli Dhanapur,Torwan Chandauli UP-232105

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं भारतीय जीवन बीमा निगम का पॉलिसी बांड धारक हूं । पॉलिसी बांड व हाईस्कूल के अंक पत्र मे मेरा नाम त्रुटिवश नीलन मिश्रा (NEELAN MISHRA) लिखा है जबकि आधार कार्ड नम्बर 764284310917 में सही नाम नीलम मिश्रा (NEELAM MISHRA) है, जो लिखा पढ़ा व दर्ज किया जाए। दोनों नाम एक ही व्यक्ति का यानी कि मेरा ही है। नीलम मिश्रा पत्नी देवेन्द्र कुमार मिश्रा पता 1271/1 पशु चिकित्सालय रोड गोलाघाट, तहसील सदर जिला सुल्तानपुर

सूचना

मनकि विशाल कुमार दिवाकर पुत्र श्री पातीराम दिवाकर निवासी 36 आदिलनगर, वसुंधराविहार, विकासनगर, लखनऊ यह बयान करता हूं कि मेरा बड़ा पुत्र वंश दिवाकर पुत्रवधू सोनम सिंह को गलत आचरण व परिवार से दुर्व्यवहार के कारण इनको अपनी समस्त चल व अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं। भविष्य में उनके किसी भी कृत्यों से मेरा व मेरे परिवार का कोई वास्ता नहीं होगा।

सूचना

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि हम वी के मिश्रा एवं वंदना मिश्रा हाउस प्रॉपर्टी 1/335, सेक्टर-1, जानकीपुरम एक्सटेंशन लखनऊ, प्रॉपर्टी आईडी 247243, रजिस्ट्रेशन संख्या 2418352 दिनांक 07.06.1999 के स्वामी हैं, जो हमें लखनऊ विकास प्राधिकरण द्वारा दिनांक 08.06.1999 को आवंटित की गई थी, दिनांक 01.11.2022 को आवंटन पत्र की मूल प्रति कहीं खो गई है। अतः यदि किसी को उक्त आवंटन प्रति प्राप्त हो तो वह उपरोक्त पते पर सूचित करें।

सूचना

सूचना

मैं आरती त्रिपाठी पत्नी दिनेश चंद्र त्रिपाठी निवासी मकान संख्या 14/780 सेक्टर 14 इंदिरा नगर लखनऊ, आम जनता को सूचित करना चाहती हूँ कि मैं आवासीय मकान संख्या 14/780 सेक्टर 14 इंदिरा नगर लखनऊ की एकमात्र और पूर्ण स्वामिनी हूँ। मैंने अपना मूल आवंटन पत्र संख्या 18191 दिनांक 22/11/1990 और मूल विक्रय विलेख दिनांक 06.11.2001 को बही संख्या 1 ज़िल्द संख्या 3469 पृष्ठ 293-320 पर क्रमांक 7438 पर पंजीकृत खो दिया है। वर्तमान में मेरा गृह ऋण पीएनबीएचएफएल के साथ चल रहा है। अब, मैं अपना गृह ऋण पीएनबीएचएफएल से एसबीआई एचएलसी गोमती नगर लखनऊ को लेना चाहती हूं और उपरोक्त संपत्ति एसबीआई एचएलसी गोमती नगर लखनऊ के साथ समान रूप से बंधक होगी। इस मामले में कोई भी आपत्ति मुख्य प्रबंधक एसबीआई होम लोन सेंटर गोमतीनगर लखनऊ के नीचे दिए गए मो. नंबर 8545007971 पर की जा सकती है।

सूचना

सार्वजनिक सूचना

मेरे मुअक्किल पीरामल कैपिटल एण्ड हाउसिंग फाइनेन्स लि० निर्देशानुसार सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, स्व० श्रीमती मायावती पत्नी मेवालाल एक सम्पत्ति भूखण्ड सं०- ई-31, क्षेत्रफल 1250 वर्ग फीट जो खसरा सं०- 216, 215स व 215स का भाग है स्थित- पपनामऊ, परगना, तहसील व जनपद- लखनऊ की पूर्णतया स्वामिनी थी तथा स्व० श्रीमती मायावती की मृत्यु के पश्चात् उनके पुत्रगण सूरज कनौजिया व स्व० शिवम कनौजिया व चार पुत्रीगण रेखा देवी, गीता देवी व शिमला व पूनम कनौजिया उक्त सम्पत्ति के वरासतन सहस्वामींगण हैं। इस सम्पत्ति के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति का कोई पूर्व अधिकार या हिता या किसी प्रकार का दावा है या किसी व्यक्ति / बैंक / निगम /वित्तीय को उपरोक्त विक्री विलेख जमा करके ऋण उठाया है। संस्थान सार्वजनिक सचूना की तारीख में 14 दिनों के भीतर लिखित आपत्तियां प्रस्तुत कर सकता है। इस नोटिस की अवधि समाप्त होने के बाद, किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जायेगा और ऐसे दावे का कानून की नज़र में कोई मूल्य नहीं होगा।

(तरुण प्रकाश श्रीवास्तव)
एडवोकेट, मो०- 9335914262
कार्यालय: कक्ष सं०-111, सिटी होटल, 24, बी०एन० रोड, लालबाग, लखनऊ।

कई योजनाओं की टेंडर प्रक्रिया धीमी पाए जाने पर पर्यटन मंत्री नाराज

● जिम्मेदारी तय कर लापरवाही अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने के दिए निर्देश

लखनऊ। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण के लिए प्रस्तावित सभी परियोजनाओं की डीपीआर तथा अन्य वित्तीय मामलों को विधिवत जांच करने के बाद ही निर्माण कार्य शुरू कराया जाय। उन्होंने यह भी कहा जाय संबंधित भूमि का स्वामित्व आदि की जांच एवं आवश्यक अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त किए जाएं। उन्होंने कहा कि किसी भी विवादित जमीन का प्रस्ताव तैयार न किया जाए। उन्होंने कई योजनाओं की टेण्डर प्रक्रिया की गति धीमी पाये जाने पर नराजगी जाहिर करते हुए कहा कि विलम्ब के लिए दोषी अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। एक प्रकरण में जिलाधिकारी मिर्जापुर को निर्देश दिए कि एक विवादित मामले को यथाशीघ्र हल करायें, जिससे निर्माण कार्य शुरू किया जा सके। पर्यटन मंत्री मंगलवार को गोमती नगर स्थित पर्यटन भवन में पर्यटन तथा संस्कृति विभाग की विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कई परियोजनाओं की स्वीकृति मिलने के बाद भी टेण्डर न किए जाने पर कड़ी आपत्ति व्यक्त की। उन्होंने कहा कि डीपीआर को पूरी सावधानी से के साथ तैयार किया जाए। किसी भी दशा में डीपीआर को शंसोधित अथवा पुनर्शसोधित न किया जाए। उन्होंने उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद द्वारा बार-बार डीपीआर की धनराशि बढ़ाने एवं केन्द्र सरकार द्वारा कराये गये 5.5 करोड़ रुपये की परियोजना को स्टीमेट में शामिल करने पर जांच के निर्देश दिए और कहा कि जिम्मेदार अधिकारी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। जयवीर सिंह ने यह भी निर्देश दिए कि निर्माणाधीन परियोजनाओं का स्थलीय निरीक्षण किया जाए यदि निर्माण कार्य अधोमानक है या घटिया सामग्री का उपयोग पाया गया है, तो संबंधित कार्यदायी संस्था एवं पीएम/एपीएम के खिलाफ कार्रवाई की जाए। उन्होंने यह निर्देश दिए कि कार्यदायी संस्थाओं के भुगतान में किसी भी कीमत पर विलम्ब न किया जाए और यह भी निर्देशित किया कि ठेकेदारों के भुगतान भी समय से किया जाए। अन्यथा कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता प्रभावित होगी।

भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव आज से, साझा संस्कृति के रंग बिखेरेंगे दोनों देशों के कलाकार

लखनऊ। संस्कृति विभाग उप्र इस वर्ष भी भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव का आयोजन कर रहा है। भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव सांस्कृतिक यात्रा कल 5 फरवरी को सिद्धार्थनगर से प्रारंभ होकर महाराजगंज, कुशीनगर, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी होते हुए 23 फरवरी को पीलीभीत में समाप्त होगी। दोनों देशों के कलाकार प्रदेश के तराई के जनपदों की सांस्कृतिक एवं गौरवशाली विरासत को सुदृढ़ बनाने का भी संदेश देंगे। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव, भारत और नेपाल के बीच द्विपक्षीय रिश्तों को मजबूत करने और दोनों देशों के

सांस्कृतिक, सामाजिक, और कूटनीतिक संबंधों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया जाता है। नेपाल और उत्तर प्रदेश के कलाकार संगीत, लोकगीत, और नृत्य प्रस्तुत करेंगे। मैत्री महोत्सव सांस्कृतिक यात्रा 5-7 फरवरी को सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, सिद्धार्थनगर, 11 फरवरी को जवाहर लाल नेहरू पी.जी कॉलेज, महराजगंज, 13 फरवरी को बुद्ध पी.जी महाविद्यालय, कुशीनगर, 15 फरवरी को एस.एस.बी. ग्राउंड, बलरामपुर, 17 फरवरी को जगजीत इंटर कॉलेज, श्रावस्ती, 19 फरवरी को लार्ड बुद्धा इंटर कॉलेज, बहराइच, 21 फरवरी को राजकीय एकलव्य आश्रम पद्धति इंटर कॉलेज/एकीकृत जनजातीय विकास परियोजना परिसर, लखीमपुर खीरी और 22-23 फरवरी को गांधी स्टेडियम प्रेक्षागृह ड्रमण्ड इंटर कॉलेज, पीलीभीत में समाप्त होगी।

भूटान नरेश संग सीएम ने संगम में लगाई पावन डुबकी

● महाकुम्भ का वैभव देख अभिभूत हुए जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ महाकुम्भ नगर

भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक ने मंगलवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ संग त्रिवेणी संगम पर पवित्र डुबकी लगाई। भूटान नरेश नामग्याल वांगचुक सोमवार को ही लखनऊ पहुंचे थे, जहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका स्वागत किया। वहीं मंगलवार को नामग्याल वांगचुक के साथ मुख्यमंत्री प्रयागराज पहुंचे और संगम में आस्था की डुबकी लगाई। भूटान नरेश संगम में आस?था की डुबकी लगाने के बाद अक्षय वट और बड़े हनुमान मंदिर में भी दर्शन के लिए गये। दोनों नेताओं ने डिजिटल महाकुंभ अनुभूति केंद्र का भी दौरा किया।

सदी के सबसे बड़े आयोजन महाकुम्भ 2025 में स्नान के लिए पूरी दुनिया लालायित है। इसी क्रम में भूटान के नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक भी गंगा, यमुना और सरस्वती के पावन संगम में पुण्य की डुबकी लगाने प्रयागराज पहुंचे। यहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्हें त्रिवेणी संगम पर विधिवत स्नान और पूजा-अर्चना कराई। जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक सोमवार को ही थिम्फू से लखनऊ पहुंचे थे, जहां सीएम योगी ने उनका स्वागत किया।

संगम में स्नान-ध्यान के उपरांत भूटान नरेश और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अक्षयवट का दर्शन करने पहुंचे। इसके बाद दोनों नेताओं ने बड़े हनुमान जी के मंदिर में मत्था टेका। इसके बाद दोनों नेताओं ने बड़े हनुमान मंदिर के नजदीक बने डिजिटल महाकुंभ अनुभूति केंद्र पहुंचकर महाकुम्भ के दिव्य-भव्य और डिजिटल स्वरूप का भी अवलोकन किया। भूटान नरेश का यह दौरा भारत-भूटान मित्रता एवं सांस्कृतिक संबंधों को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। महाकुम्भ नगर में भूटान नरेश की आध्यात्मिक यात्रा के दौरान प्रदेश के कैबिनेट मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह, नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी' और विष्णुस्वामी संप्रदाय की सतुआ बाबा पीठ के महंत जगद्गुरू संतोष दास (सतुआ बाबा) सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव के लिए मतदान आज

● कड़ी सुरक्षा के बीच 414 मतदेय स्थलों पर 10 प्रत्याशियों के लिए 371578 मतदाता करेंगे मतदान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि जनपद अयोध्या की मिल्कीपुर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के उप निर्वाचन 2025 के लिए बुधवार 5 फरवरी को मतदान होगा। मतदान प्रातः 7 बजे से शुरू होकर सायं 5 बजे तक चलेगा। सायं 5 बजे मतदान हेतु बनी मतदाताओं की पंक्ति में खड़े समस्त मतदाताओं का मत पड़ने तक मतदान की प्रक्रिया जारी रहेगी। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण चुनाव हेतु व्यापक इंतजाम एवं सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित कराई गई है। मिल्कीपुर विधान सभा में उप निर्वाचन के लिए 414 मतदेय स्थल बनाये गये हैं, कुल 371578 मतदाता अपने मतदान का प्रयोग करेंगे, 193417 पुरूष, 178153 महिला व 08 तृतीय लिंग मतदाता हैं। कुल 10 प्रत्याशी मैदान में हैं, जिनमें 02 महिला प्रत्याशी भी हैं। उक्त उप निर्वाचन में कुल 414 मतदेय स्थल तथा 255 मतदान केन्द्र हैं, जिसमें से 71 मतदेय स्थल क्रिटिकल हैं। मतदान पर सतर्क दृष्टि रखने के लिए 01 सामान्य प्रेक्षक, 1 पुलिस प्रेक्षक तथा 1 व्यय प्रेक्षक के साथ 41 सेक्टर मजिस्ट्रेट, 4 जोनल मजिस्ट्रेट तथा 71 माइक्रो ऑब्जर्वर भी तैनात किये गये हैं। चुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने हेतु पर्याप्त मात्रा में अर्द्ध सैनिक बलों की तैनाती की गई है। स्ट्रांग रूम की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी अर्द्ध सैनिक बलों को दी गयी है। 210 मतदेय स्थल पर लाइव वेबकास्टिंग की व्यवस्था की गयी है, पर्यवेक्षण जिला निर्वाचन अधिकारी, मुख्य निर्वाचन अधिकारी एवं भारत निर्वाचन आयोग द्वारा किया जायेगा। 25 मतदेय स्थलों पर वीडियोग्राफी की भी व्यवस्था की गई है। मतदाता के लिए किसी मतदेय स्थल पर वोट डालने हेतु उस मतदेय स्थल की मतदाता सूची में नाम होना अनिवार्य है।

महाकुम्भ भगदड़ में सभी मृत व घायल श्रद्धालुओं की सूची जारी करे सरकार

● प्रदेशभर में डीएम के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन प्रेषित कर कांग्रेस ने की मांग

लखनऊ। महाकुंभ में हुई भगदड़ में मृतक तथा घायल श्रद्धालुओं के परिजनों की पीड़ा को देखते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय के निर्देश पर प्रदेश के सभी जनपद मुख्यालयों पर कांग्रेसजनों द्वारा जिलाधिकारी के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन प्रेषित किया गया। ज्ञापन में प्रदेश सरकार से अविलम्ब उक्त घटना में मृतक एवं घायल हुए श्रद्धालुओं की सूची जारी करने के निर्देश देने की मांग की गई।

राजधानी लखनऊ में शहर कांग्रेस कमेटी के निवर्तमान अध्यक्षगण अमित श्रीवास्तव 'त्यागी' एवं डॉक्टर शहजाद आलम के नेतृत्व में बेगम हजरत महल पार्क मकबरा रोड के पास सैकड़ो कांग्रेस जन एकत्र होकर जिला अधिकारी लखनऊ के कार्यालय तक गए और राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन डीएम लखनऊ के माध्यम से सौंपा। ज्ञापन को एसीएम 7 अंकित शुक्ला ने प्राप्त किया। कांग्रेसजनों ने ज्ञापन में मांग की कि राज्यपाल उत्तर प्रदेश सरकार को निर्देशित करें कि इलाहाबाद (प्रयागराज) में मची भगदड़ में जिन लोगों की मृत्यु हो गई है और जो लोग घायल हुए हैं उनका आंकड़ा सरकार अभिलंब घोषित करें, सही जानकारी न मिलने की वजह से बहुत से परिवारों को बड़ी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

मिल्कीपुर उपचुनाव में धांधली करना चाहती है भाजपा सरकार: श्याम लाल पाल

● सपा ने निर्वाचन आयोग से की मांग मान्यता प्राप्त दलों के पोलिंग एजेंट को मतदान कक्ष में बिठाया जाए

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने कहा कि मिल्कीपुर में बूथ स्तर तक पुलिस का आतंक है। भाजपा सरकार अलोकतांत्रिक तरीके से चुनाव में धांधली करना चाहती है। पहले उपचुनावों में उसके कारनामे उजागर हो चुके हैं। भारत निर्वाचन आयोग व मुख्य निर्वाचन आयोग से मांग की है कि मान्यता प्राप्त दलों के पोलिंग एजेंट के मतदान कक्ष में बिठाया जाए। अनुपस्थित, शिफ्टेड, मृतक की सूची

पोलिंग एजेंट द्वारा पीठासीन अधिकारी को दी जाएगी। ऐसे फर्जी वोट नहीं पड़ने दे। पोलिंग एजेंट को 17 ग भाग 1 अनिवार्य रूप से दिया जाए। सपा प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने यह बात मंगलवार को पार्टी मुख्यालय में पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी के साथ आयोजित पत्रकार वार्ता में कही। इस मौके पर राजेन्द्र चौधरी ने कहा कि कल मिल्कीपुर में विधानसभा उपचुनाव के लिए मतदान होना है। यह जनता बनाम प्रशासन के बीच चुनाव है। भाजपा का लोकतांत्रिक प्रणाली की निष्पक्षता पर भरोसा नहीं है। ऐसे में निर्वाचन आयोग जो संवैधानिक संस्था है, की संवैधानिक जिम्मेदारी है कि चुनाव में निर्भय होकर मतदान की व्यवस्था करें। मतदाताओं से अपील है कि वे किसी दबाव में आए बिना स्वतंत्रतापूर्वक मतदान करें और सपा के प्रत्याशी अजीत प्रसाद को विजयी बनाएं। राजेन्द्र चौधरी ने कहा कि भाजपा लोकतंत्र को तबाह करने पर लगी है। कल अखिलेश यादव की मिल्कीपुर में चुनावी सभा को परमीशन देने में आनाकानी की गई। उनका हैलीकाप्टर उतरने की सही जानकारी न देकर उनकी सुरक्षा से खिलवाड़ किया गया। मैनपुरी की सांसद डिम्पल यादव के रोड शो में भी व्यवधान डाले गए और पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। प्रशासन की जिम्मेदारी व्यवस्था करने की होती है पर यहां उल्टा प्रशासन का दुरुपयोग भाजपा सरकार मतदान की निष्पक्षता को भंग करने और मतदाताओं में आतंक फैलाने में कर रही है। यह लोकतंत्र की हत्या है।

डिजिटल होगी प्रदेश की आठवीं आर्थिक गणना

● योगी सरकार ने सटीक आंकड़े जुटाने के लिए वेब बेस्ड मोबाइल एप्लिकेशन विकसित करने के दिए निर्देश

● गणना के लिए 17 हजार गणनाकार और 6 हजार पर्यवेक्षक किए जाएंगे तैनात महिलाएं भी होंगी शामिल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

योगी सरकार के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश पिछले साढ़े सात वर्ष में न केवल कानून व्यवस्था और बुनियादी ढांचे के विकास में बढ़ा है, बल्कि आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में भी अपनी अहम भूमिका निभा रहा है। सीएम योगी द्वारा प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनाने का लक्ष्य सशक्त उदाहरण है। इसी क्रम में योगी सरकार ने प्रदेश में आठवीं आर्थिक गणना 2025-26 के जरिये प्रदेश के हर तबके तक विकास की रोशनी पहुंचाने का निर्णय लिया है। इसके सटीक आंकड़ों के माध्यम से लोगों का सामाजिक स्तर सुधारने के लिए विभिन्न योजनाएं बनायी जाएंगी, जिसका लाभ जरूरतमंद तक पहुंचाया जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी ने अधिकारियों को आठवीं आर्थिक गणना 2025-26 की विस्तृत योजना तैयार करने के निर्देश दिये हैं, ताकि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों पर ले जाया जा सके। योगी सरकार आर्थिक गणना को केवल डाटा संग्रहण के रूप में नहीं देख रही है, बल्कि इसे ट्रांसफॉर्मेटिव टूल के रूप में विकसित करने की योजना बना रही है। सीएम योगी के निर्देश पर यह गणना डिजिटल माध्यमों से की जाएगी, जिससे सटीक आंकड़े जुटाए जा सकें। एक वेब-बेस्ड मोबाइल एप्लिकेशन विकसित किया जा रहा है, जो वास्तविक समय में डेटा सत्यापन, निगरानी और विश्लेषण की सुविधा प्रदान करेगा। इससे योगी सरकार को प्रदेश के उद्यमों, स्वरोजगार से जुड़े व्यक्तियों, श्रमिकों और छोटे व्यापारियों की सही स्थिति का आंकलन करने में मदद मिलेगी, जिससे नीति निर्माण और योजनाओं में पारदर्शिता आएगी। आठवीं आर्थिक गणना के लिए लगभग 17,000 गणनाकारों और 6,000 पर्यवेक्षकों को तैनात किया जाएगा। इसके लिए सरकार स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षित कर उन्हें इस अभियान का हिस्सा बनाएगी। इससे जहां योगी सरकार को सटीक आर्थिक डेटा मिलेगा, वहीं दूसरी ओर युवाओं को रोजगार और कौशल विकास का अवसर भी प्राप्त होगा। मुख्यमंत्री योगी ने आर्थिक गणना में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए महिला गणनाकारों की नियुक्ति का भी फैसला लिया है। योगी सरकार महिलाओं को डाटा संग्रहण, तकनीकी प्रशिक्षण और डिजिटल प्लेटफार्म पर काम करने की सुविधा प्रदान कर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कदम बढ़ा रही है। योगी सरकार के आर्थिक गणना से उत्तर प्रदेश के छोटे उद्यमी और व्यापारियों को भी आर्थिक पहचान मिलेगी। यह गणना प्रदेश के सूक्ष्म, लघु, मध्यम-उद्यम (एसएसएमई) को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने का महत्वपूर्ण प्रयास है। योगी सरकार गणना से प्राप्त डेटा का उपयोग कर सही नीति निर्माण करेगी, जिससे छोटे उद्यमों को वित्तीय सहायता, नए बाजारों तक पहुंच, व्यापार प्रशिक्षण और तकनीकी सहयोग मिल सके।

15 छात्रावासों का होगा कायाकल्प, 8 करोड़ रुपए का बजट आवंटित

● गरीब व वंचित छात्रों को गुणवत्तापूर्ण आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराने पर योगी सरकार का जोर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

योगी सरकार प्रदेश में छात्रावासों के आधुनिकीकरण और सुधार के लिए बड़े कदम उठा रही है। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित प्रदेशभर के छात्रावासों में बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने, स्वच्छता और सुरक्षा को प्राथमिकता देने के साथ ही आधुनिक सुविधाओं को जोड़ रही है। इसी कड़ी में प्रदेश के 8 जिलों के 15 छात्रावासों के कायाकल्प के लिए सरकार ने करीब 8 करोड़ की धनराशि जारी की है। इस छात्रावासों की बिल्डिंग का कायाकल्प के साथ इसमें गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं मुहैया कराई जा रही हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मंशानुरूप आर्थिक रूप से कमजोर और वंचित वर्ग के छात्रों को गुणवत्तापूर्ण आवासीय सुविधाएं मुहैया कराई जा रही हैं, जिससे वे शिक्षा पर बेहतर ध्यान केंद्रित कर सकें। इसी को ध्यान में रखते हुए, छात्रावासों में भोजन, स्वच्छ जल आपूर्ति, पुस्तकालय, वाई-फाई और खेलकूद जैसी सुविधाओं को अपग्रेड किया जा रहा है।

योगी सरकार छात्रावासों में साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था, बेहतर खानपान और मूलभूत ढांचे के विस्तार पर जोर दे रही है। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित राज्य में 15 छात्रावास पुराने और जर्जर अवस्था में हैं, जिन्हें नए रूप में विकसित करने के लिए विशेष बजट के रूप में 8 करोड़ रुपये की धनराशि आवंटित की गई है। सभी छात्रावासों में सीसीटीवी कैमरे, फर्नीचर, स्वच्छ शौचालय और नियमित मेंटेनेंस की व्यवस्था की जाएगी। छात्रों की शिकायतों के निवारण के लिए हेल्पलाइन भी शुरू करने की योजना है, ताकि किसी भी समस्या का तुरंत समाधान हो सके।

योगी सरकार प्रदेश के 8 जिलों में जर्जर 15 छात्रावासों के भवनों और यहां मिलने वाली सुविधाओं को अपग्रेट कर रही हैं। इसमें गाजीपुर के 04 छात्रावास, कानपुर नगर के 03, अयोध्या के 02 और सुलतानपुर के 02 छात्रावास शामिल हैं। संतकबीर नगर, चंदौली, कन्नौज, कौशाम्बी के एक-एक छात्रावासों का कायाकल्प किया जा रह है। प्रदेश में सरकार 261 छात्रावासों का संचालन कर रही है, जिनमें 178 छात्रावास बालकों के लिए और 83 बालिकाओं के लिए आरक्षित हैं। इन छात्रावासों में नि:शुल्क सुविधाओं का लाभ पाकर हजारों विद्यार्थी अपने भविष्य को संवारने की ओर अग्रसर हैं। यह पहल वंचित और गरीब वर्ग के विद्यार्थियों को शिक्षा के माध्यम से समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का एक सराहनीय प्रयास है।

समाज कल्याण विभाग के आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 में इन छात्रावासों से 8,000 से अधिक विद्यार्थी लाभान्वित हो रहे हैं। इनके संचालन पर अब तक सरकार लगभग 25 करोड़ रुपये खर्च कर चुकी है। पिछली वित्तीय वर्षों में भी सरकार ने विद्यार्थियों की जरूरतों को प्राथमिकता दी है। वर्ष 2022-23 में 9,000 विद्यार्थियों के लिए करीब 27 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे, जबकि 2023-24 में 8,500 विद्यार्थियों पर यह आंकड़ा 38 करोड़ रुपये से अधिक था। योगी सरकार शिक्षा और छात्र कल्याण को लेकर पूरी तरह संकल्पित है। छात्रों को उत्तम शिक्षा और बेहतरीन वातावरण देना योगी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। छात्रावासों के सुधार की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। सरकार के इस फैसले से हजारों छात्रों को लाभ मिलेगा, जो दूर-दराज से आकर इन छात्रावासों में रहकर पढ़ाई करते हैं।

आवासीय भूखंडों पर संचालित वर्कशॉप व कार वॉशिंग सेंटर पर होगी कार्रवाई

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

एलडीए की आवासीय योजनाओं में अवैध संचालित मोटर वर्कशॉप व कार वॉशिंग सेंटर आदि के खिलाफ कार्यवाही होगी। प्राधिकरण के उपाध्यक्ष द्वारा लोगों को मोटर वर्कशॉप के कारण होने वाली असुविधा को देखते हुए इस बाबत आदेश जारी किये हैं। सभी जोनल अधिकारी टीम के साथ अपने-अपने क्षेत्र में अभियान चलाकर अवैध रूप से संचालित मोटर गैराज के खिलाफ कार्यवाही सुनिश्चित कराएंगे। एलडीए उपाध्यक्ष ने बताया कि प्राधिकरण की विभिन्न आवासीय योजनाओं में लोगों ने खाली भूखण्डों पर अवैध तरीके से मोटर वर्कशॉप, कार डेकोर, कार वॉशिंग सेंटर खोल रखे हैं। रोजाना कई लोग गाड़ियों की मरम्मत, डेन्टिंग पेन्टिग व वॉशिंग आदि कराने के लिए आते हैं। पर्याप्त जगह व पार्किंग न होने की वजह से वर्कशॉप संचालक गाड़ियों को सड़क पर बेतरतीब ढंग से खड़ा कर देते हैं। इससे आसपास रहने वाले लोगों को तो कठिनाई का सामना करना पड़ता ही है, साथ ही मार्ग पर वाहनों का आवागमन भी बाधित होता है। कार वॉशिंग सेंटर में गाड़ियों की धुलाई से निकलने वाला गंदा पानी सड़क पर भरता है, जिससे क्षेत्रीय लोगों को दिक्कत होती है। गोमती नगर, अलीगंज, जानकीपुरम, महानगर व आशियाना आदि क्षेत्र के कई ऐसे प्रकरण सामने आए। आवंटियों ने आवासीय भू.उपयोग में अवैध सांचालित मोटर गैराज व कार स्पा से होने वाली परेशानी के सम्बंध में शिकायत करते हुए प्रार्थना पत्र दिया है। प्राधिकरण की योजनाओं में अवैध रूप से संचालित मोटर वर्कशॉप व कार वॉशिंग सेंटर के खिलाफअभियान चलाकर कार्यवाही किये जाने के आदेश दिये गये हैं। सचिव विवेक ने बताया कि उपाध्यक्ष के आदेशानुसार सभी जोनल अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वह प्रवर्तन टीम के साथ अपने क्षेत्र में भ्रमण करके ऐसे अवैध मोटर वर्कशॉप को चिन्हित करते हुए इनके खिलाफ नियमानुसार कार्यवाही सुनिश्चित कराएं।

खाली भूखंडों से अवैध झुग्गी-झोपड़ी हटाई जाएंगी

एलडीए की योजनाओं में खाली भूखण्डों पर अवैध रूप से बनी झुग्गी.झोपड़ी के खिलाफ भी अभियान चलेगा। प्राधिकरण के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि जन सुनवाई के दौरान आवंटियों द्वारा घर के पास खाली भूखण्डों पर अवैध रूप से बनी झुग्गियों के खिलाफ लगातार शिकायत की जाती है। इसे ध्यान में रखते हुए इनके खिलाफ कार्यवाही के निर्देश दिये गये हैं। जोनल अधिकारियों के साथ ही अधिशासी अभियंताओं को भी जिम्मेदारी सौंपी गयी है।

कल्ली पश्चिम में एलडीए ने अवैध प्लाटिंग पर चलाया बुलडोजर

लखनऊ। पीजीआई के कल्ली पश्चिम क्षेत्र में एलडीए द्वार अवैध प्लाटिंग पर कार्रवाई कीगयी। विहित प्राधिकारी द्वारा 16 बीघे जमीन पर अवैध प्लाटिंग पर नोटिस जारी कर ध्वस्तीकरण का आदेश दिया था। आदेश पर एलडीए प्रवर्तन टीम द्वारा प्लाटिंग को ध्वस्त कर दिया गया। प्रवर्तन जोन-2 के जोनल अधिकारी अतुल कृष्ण सिंह ने बताया कि सीडी यादव, गया प्रसाद, संतोष कुमार, धर्मेन्द्र, दीपक व अन्य द्वारा पीजीआई के कल्ली पश्चिम में प्रस्तावित बस स्टैंड के पास भूमि खसरा संख्या.2627क, 2635 पर लगभग 16 बीघा क्षेत्रफल में अनाधिकृत रूप से प्लाटिंग का कार्य करते हुए अवैध कालोनी विकसित की जा रही थी। प्राधिकरण से ले.आउट स्वीकृत कराये बिना की जा रही इस अवैध प्लाटिंग के विरूद्ध विहित न्यायालय द्वारा वाद दर्ज करते हुए ध्वस्तीकरण के आदेश पारित किये गये थे। आदेश पर सहायक अभियंता राम सागर वर्मा, अवर अभियंता भरत पाण्डेय व विवेक कुमार द्वारा प्राधिकरण पुलिस व स्थानीय थाने के पुलिस बल के सहयोग से अवैध प्लाटिंग के ध्वस्तीकरण की कार्यवाही करायी गयी। डेवलपर द्वारा स्थल पर विकसित की गयी सड़क, नाली, बाउन्ड्रीवॉल व भूखंडों के डिमार्केशन के लिए ईंट से किये गये चिनाई आदि के कार्य को ध्वस्त कर दिया गया।

सीएम योगी ने पीजीआई पहुंचकर जाना आचार्य सत्येंद्र दास का कुशलक्षेम

● पक्षाघात के कारण गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराए गए हैं राम मंदिर के मुख्य पुजारी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार शाम एसजीपीजीआई पहुंचकर आचार्य सत्येंद्र दास का कुशलक्षेम जाना। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास को रविवार को पक्षाघात (स्ट्रोक) के चलते पहले अयोध्या के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां से उन्हें चिकित्सकों ने एसजीपीजीआई के लिए रेफर कर दिया। एसजीपीजीआई अस्पताल प्रशासन द्वारा जारी हेल्थ बुलेटिन के अनुसार वे मधुमेह और उच्च रक्तचाप जैसी गंभीर बीमारियों से भी ग्रस्त हैं। फिलहाल उन्हें न्यूरोलॉजी आईसीयू में रखा गया है और डॉक्टरों की गहन निगरानी में उनका इलाज जारी है।

मंगलवार शाम को प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं अस्पताल पहुंचे और आचार्य सत्येंद्र दास के स्वास्थ्य की जानकारी ली। उन्होंने डॉक्टरों से इलाज की प्रगति पर चर्चा की और आवश्यक दिशानिर्देश दिए। चिकित्सकों के अनुसार आचार्य जी की हालत गंभीर बनी हुई है, लेकिन फिलहाल उनकी स्थिति स्थिर है। उनकी उम्र और अन्य बीमारियों को देखते हुए डॉक्टर विशेष सावधानी बरत रहे हैं। मुख्यमंत्री ने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। सीएम योगी इसके बाद लिवर ट्रांसप्लांट यूनिट में भर्ती गोरखपुर के पीपीगंज निवासी महेंद्र मिश्र से भी मुलाकात कर उनका हाल जाना।

प्रदेश की 507 स्वास्थ्य इकाइयों को अब तक मिल चुका है एनक्वास प्रमाण पत्र

● प्रमुख सचिव चिकित्सा-स्वास्थ्य ने सभी सीएमओ के साथ की वर्चुअल मीटिंग

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रमुख सचिव स्वास्थ्य पार्थ सारथी सेन शर्मा ने इस साल के अंत तक प्रदेश की 50 प्रतिशत स्वास्थ्य इकाइयों को नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस एसेसमेंट (एनक्वास) प्रमाण पत्र दिलाने के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए सभी मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को ज्यादा से ज्यादा स्वास्थ्य इकाइयों को इसके लिए तैयार करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने विशेष रूप से आकांक्षात्मक विकासखंडों में सभी 105 स्वास्थ्य इकाइयों को एनक्वास प्रमाणित कराने के लिए कहा है।

प्रमुख सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य, परिवार कल्याण एवं चिकित्सा शिक्षा पार्थ सारथी ने बताया कि प्रदेश में अभी तक 507 स्वास्थ्य इकाइयों को एनक्वास मिल चुका है। इनमें अयोध्या एवं प्रयागराज मंडल में बेहतर काम हुआ है। उन्होंने आगरा, अलीगढ़, बरेली व सहारनपुर मंडल में गति बढ़ाने के निर्देश दिए। जनपदों में बदायूं, एटा, गौतमबुद्धनगर, कासगंज, लखीमपुर खीरी व पीलीभीत को तेजी से एनक्वास लायक स्वास्थ्य इकाइयां तैयार करने के निर्देश दिए हैं। प्रदेश के सभी सीएमओ के साथ वर्चुअल मीटिंग में उन्होंने निर्देश दिए कि जिन फर्स्ट रेफरल यूनिट (एफआरयू) में स्टाफ है और वहां आपरेशन से प्रसव नही हो रहे हैं, वहां आपरेशन से प्रसव सुनिश्चित किया जाए। 42 एफआरयू के नाम प्रस्तुत भी किए। प्रमुख सचिव ने 66 ब्लाक स्तर के स्थापित किए गए मिनी पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) को पूर्ण रूप से क्रियाशील करने के निर्देश सीएमओ को दिए। यह प्रत्येक सीएमओ की व्यक्तिगत जिम्मेदारी है कि उनके जनपद के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केद्र (सीएचसी) में रात्रिकालीन सेवाएं दी जाएं। रात में डाक्टर व स्टाफ की उपलब्धता सुनिश्चित करना जरूरी है।

यूपीएसआईएफएस और कस्टम इनडायरेक्ट टैक्स व नारकोटिक्स के मध्य एमओयू हस्ताक्षरित

● दोनों संस्थान प्रशिक्षण बौद्धिक और शोध क्षमता निर्माण पर कार्य करेंगेः डॉ. गोस्वामी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ़ फॉरेंसिक साइंस, लखनऊ तथा नेशनल एकेडमी ऑफ़ कस्टम इनडायरेक्ट टैक्स एवं नारकोटिक्स (भारत सरकार) के मध्य एमओयू हस्ताक्षरित किया गया। यह एमओयू संस्थान के संस्थापक निदेशक, अपर पुलिस महानिदेशक डॉ जी.के. गोस्वामी तथा वेद प्रकाश शुक्ला (आईआरएस) प्रधान एडिशनल डायरेक्टर जनरल लखनऊ के बीच यूपीएसआईएफएस, लखनऊ में हस्ताक्षरित किया गया।

यूपीएसआईएफएस, लखनऊ के संस्थापक निदेशक डॉ. गोस्वामी ने कहा कि नेशनल एकेडमी ऑफ़ कस्टम इनडायरेक्ट टैक्स एवं नारकोटिक्स लखनऊ के साथ हमारा यह एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन है। समझौता कि शर्तो को स्वीकार कर दोनों संसथान अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रशिक्षण, बौद्धिक और शोध क्षमता निर्माण पर कार्य करेंगे इस दिशा में किया गया कार्य राष्ट्र के उन्नति में सहयोगी होगा।

वेद प्रकाश शुक्ला (आईआरएस) प्रधान एडिशनल डायरेक्टर जनरल ने इस एमओयू से दोनों संस्थाएं मिलकर प्रधानमंत्री की सोच, सबका साथ सबका विकास के सपने को साकार करने कि दिशा में एक बेहतर पहल होगी। उन्होंने कहा कि हमें भारतीय होने पर गर्व है और भारत को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर कार्य करते रहना चाहिए।

नेशनल डिफेंस कॉलेज में प्रशिक्षणरत 16 अफसरों ने किया भ्रमण

लखनऊ। नेशनल डिफेंस कॉलेज नई दिल्ली मे नेशनल सिक्योरिटी एंड स्ट्रैटेजिक कोर्स में सम्मिलित भारतीय सेना, भारतीय प्रशासनिक सेवा भारतीय रेवेन्यू सेवा के 10 अधिकारियों तथा अन्य देश बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका, म्यांमार, जांबिया तथा जापान के 6 प्रशासनिक तथा सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने उप्र स्टेट इंस्टीट्यूट आफ फॉरेंसिक साइंस लखनऊ में कैंपस का भ्रमण किया। उप्र स्टेट इंस्टिट्यूट ऑफ़ फॉरेंसिक साइंस लखनऊ के संस्थापक निदेशक डॉ जीके गोस्वामी ने विशेष प्रशिक्षण सत्र में सम्मिलित देश एवं विदेश के अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह संस्थान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी के ड्रीम प्रोजेक्ट का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। जिसे लगातार प्रयासों के साथ विश्व स्तरीय संस्थान का रूप दिया जा रहा है वर्तमान में यहां साइबर सिक्योरिटी, फॉरेंसिक साइंस से संबंधित अत्यधिक कोर्सों को डिजाइन किया गया है ताकि यहां से शिक्षा प्राप्त कर छात्र-छात्राएं अथवा विभिन्न विभागों के प्रशिक्षणर्थी देश के विभिन्न हिस्सों में अपना अद्वितीय योगदान दे सकें। फॉरेंसिक साइंस के माध्यम से सच्चाई को वैज्ञानिक रूप से कानून के समक्ष ला कर न्याय दिलाने में सहयोग करना ही हमारा कार्य है। नए कानून के सदर्भ में तीन विषयों न्याय, सत्य एवं साक्ष्य पर प्रकाश डाला तथा न्याय, तार्किकता एवं पारदर्शिता का प्रमुख रूप से उल्लेख करते हुए इसके महत्व को परिभाषित किया।

स्वस्थ जीवनशैली के लिए आवश्यक है संतुलित आहार : राज्यपाल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● राजभवन में 'श्रीअन्न' प्रतियोगिता का आयोजन

प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा से मंगलवार को राजभवन में 'श्री अन्न' प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विभिन्न विश्वविद्यालयों और राजभवन के प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता को वृद्धावस्था, बाल्यावस्था और गर्भावस्था इन तीन श्रेणियों में विभाजित किया गया था। प्रतिभागियों को इन वर्गों के अनुसार मिलेट आधारित पौष्टिक और संतुलित आहार तैयार करने का अवसर दिया गया। राज्यपाल ने सभी प्रतिभागियों से संवाद किया, उनके द्वारा तैयार किए गए मिलेट आधारित व्यंजनों का अवलोकन किया तथा उनके पोषक तत्वों की जानकारी ली। प्रतिभागियों की सराहना करते हुए कहा कि स्वस्थ जीवनशैली के लिए संतुलित आहार आवश्यक है, इस तरह की प्रतियोगिताएं मिलेट जैसे पारंपरिक अनाजों को आहार में पुनः शामिल करने के प्रति जागरूकता बढ़ाने का एक प्रभावी माध्यम हैं। बाल्यावस्था, गर्भावस्था और वृद्धावस्था इन तीनों अवस्थाओं में पोषण की अलग-अलग आवश्यकताएं होती हैं, जिन्हें समझना और उसके अनुसार आहार निर्धारित करना आवश्यक है। विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत छात्राओं को जागरूक किया जाना चाहिए ताकि वे न केवल अपने परिवार में बल्कि समाज में भी इस ज्ञान का प्रसार कर सकें। गर्भावस्था के दौरान महिलाओं को आयरन, फोलिक एसिड और कैल्शियम से भरपूर आहार लेना चाहिए, जबकि बच्चों के लिए प्रोटीन और ऊर्जा युक्त भोजन तथा वृद्धजनों के लिए हल्का, सुपाच्य और पोषक तत्वों से युक्त भोजन आवश्यक होता है।

बेसिक के विद्यालयों में अधिकतम तीन वर्ष होगा एआरपी का कार्यकाल

लखनऊ। बेसिक शिक्षा विभाग के अधीन संचालित परिषदीय प्राथमिक व उच्च प्राथमिक स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए कार्य करने वाले एकेडमिक रिसोर्स पर्सन (एआरपी) का अधिकतम कार्यकाल तीन वर्ष का होगा। तीन वर्ष का कार्यकाल पूरा करने वाले एआरपी का दोबारा चयन नहीं होगा। इस बावत आदेश जारी करते हुए स्कूली शिक्षा महानिदेशक कंचन वर्मा ने कहा है कि शिक्षा में गुणवत्ता में सुधार के लिए एआरपी का चयन 15 मार्च तक पूरा किया जाएगा। प्रत्येक ब्लाक में पांच एआरपी का चयन किया जाएगा। कुल 4,425 एआरपी चयनित किए जाएंगे। स्कूली शिक्षा महानिदेशालय की ओर से सभी जिलों को निर्देश दिए गए हैं कि पारदर्शी चयन प्रक्रिया अपना कर निर्धारित समय सीमा में यह कार्य पूरा किया जाए।

सेमिनार में ग्रिड से जुड़े सौर पीवी संयंत्रों की दक्षता और विश्वसनीयता पर हुई चर्चा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स इंडिया, (आईईआई) यूपी स्टेट सेंटर, लखनऊ, एवं इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी लखनऊ द्वारा परिसर में ग्रीन रिनेवल इलेक्ट्रानिक्स फार एनवायरमेंटल नर्चर एंड सस्टेनाबिलिटी को (ग्रींस) शीर्षक पर आयोजित दो दिवसीय अखिल भारतीय सेमिनार के पहले दिन मंगलवार को उद्घाटन समारोह में विभिन्न विभागों के संकाय सदस्य और लखनऊ के विभिन्न तकनिकी संस्थानों के छात्र/छात्राएं शामिल हुए। कार्यक्रम के प्रथम दिन के आयोजन में अमितोष वर्मा ने ग्रिड से जुड़े सौर पीवी संयंत्रों की दक्षता और विश्वसनीयता पर चर्चा की, जबकि वीरेंद्र मौर्य ने हरित दूरसंचार और ई-कचरा प्रबंधन पर सरकारी पहलों पर प्रकाश डाला। डॉ. रितु सोरयान ने वास्तविक दुनिया की स्थिरता प्रथाओं के लिए शिक्षा में नीति कार्यान्वयन की भूमिका पर जोर दिया। डॉ. वाणी भार्गव ने ऊर्जा दक्षता बढ़ाने के लिए मल्टीलेवल इन्वर्टर तकनीक में प्रगति की खोज की। गौरव दीक्षित ने हरित आईटी अवसंरचना और ऊर्जा-कुशल कंप्यूटिंग समाधानों के बारे में बात की। डॉ. रमेश पुडाले ने हरित करियर और संधारणीय इंजीनियरिंग में उभरते अवसरों के बारे में जानकारी दी, जबकि डॉ. अदिति शर्मा ने पर्यावरण के अनुकूल शहरी स्थानों को बनाने के लिए संधारणीय ढ्रश्यञ्ज-आधारित स्मार्ट सिटी अवसंरचना की वकालत की। मुख्य सत्रों के बाद, छात्र/छात्राओं, शोध विद्वानों और संकाय सदस्यों द्वारा 30 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए।

जल्दी ही ग्रीन कॉरिडोर पर सीधे फर्राटा भरेंगे वाहन

● द्वितीय चरण के कार्यों ने पकड़ी रफ्तार, कुकरैल नदी व निशातगंज पर 4-लेन ब्रिज का निर्माण कार्य 60 प्रतिशत पूरा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

एलडीए के ग्रीन कॉरिडोर परियोजना के द्वितीय चरण के अंतर्गत किये जा रहे कार्यों ने रफ्तार पकड़ ली है। इसके पूरे होने से आईआईएम रोड से समतामूलक चौराहे तक वाहन सीधे दौडेंगे। आवास आयुक्त डॉ बलकार सिंह ने मंगलवार को ग्रीन कॉरिडोर परियोजना का निरीक्षण करके निर्माण कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान कार्य की प्रगति संतोषजनक मिलने पर उन्होंने एलडीए उपाध्यक्ष सहित अधिकारियों की सराहना की। ग्रीन कॉरिडोर के प्रथम चरण में आईआईएम रोड से पक्का पुल तक बंधा चौड़ीकरण, 4-लेन सड़क व गऊ घाट ब्रिज के निर्माण का कार्य पूरा हो चुका है। आवास आयुक्त ने सर्वप्रथम इस रूट का निरीक्षण किया। पक्का पुल से डालीगंज तक 1.8 किमी लंबाई में निर्मित किये जा रहे फ्लाईओवर एवं आरओबी का निरीक्षण किया। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि फ्लाईओवर का निर्माण 210 करोड़ रूपये की लागत से कराया जा रहा है, जिसका कार्य 30 प्रतिशत तक पूर्ण हो चुका है। वहीं, हनुमान सेतु पर लगभग 27 करोड़ रूपये की लागत से 240 मीटर लंबाई में बनाये जा रहे 2.लेन ब्रिज का कार्य 50 प्रतिशत तक पूरा हो गया है। इसमें हनुमान सेतु से निशातगंज तक 1.8 किलोमीटर लंबाई में बंधा चौड़ीकरण व 4.लेन सड़क का निर्माण कार्य शुरू करा दिया गया है। इसी तरह निशातगंज में 210 मीटर लंबे 4.लेन ब्रिज का निर्माण भी तेजी से कराया जा रहा है। यह काम लगभग 49 करोड़ रूपये की लागत से कराया जा रहा है, जिसका कार्य 65 प्रतिशत पूर्ण हो गया है। वहीं, निशातगंज से कुकरैल पुल के मध्य लगभग एक किलोमीटर लंबाई में बंधा चौड़ीकरण व 4.लेन सड़क का निर्माण कार्य 35 प्रतिशत पूर्ण हो गया है। इसी तरह कुकरैल नदी पर 50 करोड़ रूपये की लागत से 240 मीटर लंबाई में निर्मित किये जा रहे 4.लेन ब्रिज का कार्य 60 प्रतिशत तक पूरा हो गया है। इसके अलावा कुकरैल पुल से बैकुण्ठ धाम के मध्य 330 मीटर लंबे 4.लेन ब्रिज के निर्माण कार्य के लिए टेंडर जारी कर दिया गया है। आवास आयुक्त ने निर्देशित किया कि परियोजना के किये जा रहे समस्त कार्यों को निर्धारित अवधि में पूर्ण करा लिया जाए, जिससे कि शहरवासी जल्द से जल्द इसका लाभ उठा सकें।

राष्ट्र प्रेरणा स्थल में प्रदर्शित होंगे आर्मी टैंक

आवास आयुक्त डॉ बलकार सिंह ने बसंत कुंज योजना के सेक्टर.जे में 65 एकड़ क्षेत्रफल में निर्मित किये जा रहे राष्ट्र प्रेरणा स्थल का निरीक्षण किया। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने अवगत कराया कि परियोजना के लिए शासन द्वारा 165 करोड़ रूपये स्वीकृत किये गये हैं। जिसके अंतर्गत महापुरूषों की मूर्तियां स्थापित करने समेत 90 प्रतिशत कार्य पूरा हो गया है। इसके अलावा म्यूजियम क्यूरेशन, सिंथेटिक ट्रैक व हॉर्टीकल्चर आदि के कुछ कार्य अलग से कराये जाने हैं, जिसके लिए संशोधित डीपीआर शासन को स्वीकृति के लिए भेजा गया है। राष्ट्र प्रेरणा स्थल में 2 आर्मी टैंक भी प्रदर्शित किये जाएंगे। आवास आयुक्त ने निर्देशित किया कि टैंक प्रदर्शित करने के लिए उपयुक्त स्थान चयनित किया जाए, जिससे कि यहां आने वाले आम जन इन्हें देख सकें। आवास आयुक्त ने बताया कि मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप इस कार्य को मार्च 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य है। यहां म्यूजियम, हेलीपैड और लगभग 03 किलोमीटर लंबा वॉक.वे भी बनाया जाएगा।

प्रशिक्षु आरक्षियों को उच्च कोटि का प्रशिक्षण प्रदान करने की सभी व्यवस्थाएं की जाएंः डीजीपी

● तीन नए कानूनों के बारे में गहनता से जानकारी उपलब्ध कराने के पुलिस प्रमुख ने दिए निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

डीजीपी प्रशांत कुमार ने मंगलवार को पुलिस मुख्यालय सिग्नेचर बिल्डिंग में पुलिस महानिदेशक प्रशिक्षण, अपर पुलिस महानिदेशक उप्र पुलिस मुख्यालय, पुलिस महानिरीक्षक कार्मिक/ स्थापना, पुलिस महानिरीक्षक भवन एवं कल्याण के साथ उप्र पुलिस में आरक्षी नागरिक पुलिस के पदों पर सीधी भर्ती-2023 के अन्तर्गत भर्ती होने वाले 60,244 अभ्यर्थियों का 9 माह का आधारभूत प्रशिक्षण एक साथ कराए जाने के सम्बन्ध में समीक्षा बैठक की गई।

आरक्षी नागरिक पुलिस के 60,244 पदों की सीधी भर्ती प्रदेश की अब तक की सबसे बड़े सेवायोजन से सम्बन्धित ऐतिहासिक एवं अत्यन्त महत्वपूर्ण भर्ती है। अन्तिम रूप से चयनित होने वाले अभ्यर्थियों का परीक्षाफल घोषित होने के उपरान्त उनका चिकित्सीय परीक्षण एवं परीक्षण में उपयुक्त पाये गये अभ्यर्थियों का चरित्र-सत्यापन उनके गृह जनपदों से कराया जायेगा। इसमें उपयुक्त पाये गये अभ्यर्थियों का एक माह का प्रारम्भिक प्रशिक्षण (जेटीसी) प्रदेश के 75 जनपदों में कराया जायेगा तत्पश्चात 9 माह का आधारभूत प्रशिक्षण, प्रशिक्षण केन्द्रों पर कराया जायेगा। प्रशिक्षण के लिए सभी प्रकार के संसाधन और सभी अधिकारियों एवं कर्मियों का योगदान अत्यन्त महत्वपूर्ण है। पुलिस महानिदेशक उप्र द्वारा समीक्षा गोष्ठी के दौरान निर्देश दिए गए कि प्रशिक्षण हेतु समस्त आधार भूत सुविधाओं एवं संसाधनो की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उच्च कोटि का प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु विभिन्न तकनीकी यथा वीडियो कान्फ्रेसिंग इत्यादि माध्यमों से प्रशिक्षण दिया जाना है।

आधुनिकतम टेक्नोलॉजी के बावजूद रक्त का कोई अन्य विकल्प नहींः प्रो. भट्ट

लखनऊ। विश्व कैंसर दिवस के उपलक्ष्य में मंगलवार को कल्याण सिंह सुपर स्पेशियलिटी कैंसर संस्थान, लखनऊ में नर्सिंग एवं पैरामेडिकल स्टाफ के सहयोग से रक्त दान शिविर का आयोजन किया गया। संस्थान के निदेशक प्रोफेसर एम एल बी भट्ट ने इस शिविर के उद्घाटन के उपरांत अपने संबोधन में सभी प्रतिभागी रक्तदाताओं की प्रशंसा करते हुए युवाओं से नियमित रूप से रक्तदान करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आधुनिकतम टेक्नोलॉजी के होते हुए भी रक्त का कोई अन्य विकल्प अब तक मौजूद नहीं है और रक्तदान की महत्ता अंग दान जैसी ही है। इसी क्रम में संस्थान के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक एवं रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ शरद सिंह ने कैंसर रोगियों की चिकित्सा में रक्त यूनिट्स और इसके सभी अवयवों की महत्वपूर्ण आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि कैंसर रोगियों के लिए रक्त की पर्याप्त मांग को पूरा करने हेतु समाज से सभी लोगों को स्वैच्छिक रूप से रक्त दान हेतु प्रस्तुत होना चाहिए। इस रक्तदान शिविर की आयोजक संस्थान के ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन की विभागाध्यक्ष डॉ अंजू दुबे ने कैंसर रोगियों के लिए रक्त यूनिट्स की आवश्यकता की अविलंब पूर्ति हेतु, क्रमिक रूप में रक्तदान शिविरों के आयोजन के लिए अपनी प्रतिबद्धता बताई। संस्थान में विश्वस्तरीय अफ्रेसिस मशीन के जरिए 26 तरह के रक्त अवयव कैंसर के मरीजों के उपचार के लिए उपलब्ध हैं। इस शिविर में जन कल्याण के लिए प्रेरित 40 डॉक्टरों और कर्मचारियों ने रक्तदान कर मरीजों की सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई।

रियल टाइम खतौनी में गड़बड़ियों की भरमार शिकायत लेकर भटक रहे पीड़ित लाचार

संवाददाता। मोहनलालगंज

रियल टाइम खतौनी बनाते समय की गईं गड़बड़ियों की वजह से किसानों को भूमि के हिस्से की गलतियां दुरुस्त कराने के लिए महीनों से तहसील के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। पीड़ित किसानों का आरोप है कि राजस्व निरीक्षक और लेखपाल शिकायत का समाधान करने के बजाए बेवजह दौड़ा रहे हैं। आईजीआरएस और सम्पूर्ण समाधान दिवस में शिकायत के बाद भी किसानों की समस्या का समाधान नही किया जा रहा है।

मोहनलालगंज तहसील के डिघारी निवासी रामकुमार शुक्ल ने अपनी पत्नी सरोजनी देवी शुक्ला के नाम 12 वर्ष पूर्व रामपुर गढ़ी जमुनी में कुछ जमीन खरीदी थी। जिसकी दाखिल खारिज भी उसी समय हो गई थी। सिविल कोर्ट में अधिवक्ता बेटे जितेन्द्र कुमार शुक्ल ने बताया रियल टाइम खतौनी बनाते समय तहसील कर्मियों ने खतौनी में उनके पिता का नाम गलत दर्ज कर दिया। यही नही खतौनी में मां का हिस्सा भी गलत अंकित कर दिया। खतौनी की दोनों गलतियां दुरुस्त कराने के लिए वह साल भर से तहसील के चक्कर काट रहे हैं।

आदेश पर अमल किए बिना ही बना डालीं खतौनियां

मोहनलालगंज तहसील में रियल टाइम खतौनी बनाते समय हर गांव की खतौनी में गड़बड़ी की गई है। सर्वाधिक शिकायतें हिस्से और खतौनी पर अंकित आदेश पर अमल नही किए जाने की हैं। अनगिनत शिकायतें सामने आने के बाद भी तहसील के आरके दफ्तर में कोई सुनवाई नही हो रही है। बीतमपुर निवासी किसान सत्यनारायण की भूमि के दाखिल खारिज का आदेश खतौनी पर कई वर्षों से अंकित है। फिर भी रियल टाइम खतौनी बनाते समय आदेश पर अमल नही किया गया। जिससे उनकी फार्मर रजिस्ट्री नही हो पा रही है। लिहाजा पीड़ित किसान फरियाद लेकर अफसरों के दफ्तर में चक्कर काट रहे हैं।

भूमि संक्रमणीय कराने के लिए भटक रहे पट्टेदार

मोहनलालगंज तहसील में पट्टे में दी गई जमीनों को संक्रमणीय घोषित कराने के लिए पट्टेदारों को तहसील के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। आरके दफ्तर की लापरवाही से पट्टेदारों को निर्धारित समय सीमा बीतने के बाद भी जमीन का मालिकाना हक देने में सुस्ती बरती जा रही है। पतौना के जगदीश समेत अनगिनत पट्टाधारक रजिस्ट्रार कानूनगो और एसडीएम दफ्तर के चक्कर काट रहे हैं। समस्या का निराकरण नही किया जा रहा है। शिकायतें आईजीआरएस और सम्पूर्ण समाधान दिवस तक पहुंच चुकी है। जिम्मेदारों की नींद नही टूट रही है।

दिल्ली की जनता आज तय करेगी सत्ता किसके हाथ होगी

विधानसभा चुनाव

- दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए 1.56 करोड़ से अधिक मतदाता आज करेंगे मताधिकार का प्रयोग
- 70 विधानसभा क्षेत्रों के लिए 699 उम्मीदवार आजमा रहे किस्मत, 13,766 मतदान केंद्रों पर मतदान होगा
- चुनाव में भाजपा, आप और कांग्रेस के बीच त्रिकोणीय मुकाबले के आसार

गोल मार्केट में पोलिंग पार्टी ईवीएम ले जाती हुई। फोटो: रंजन डिमरी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए मतदान बुधवार को होगा। इस दौरान, सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) की नजर तीसरे कार्यकाल पर है, जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस दिल्ली में फिर से उभरने की उम्मीद लगाए हुए हैं।

बुधवार को सुबह सात बजे से 1.56 करोड़ से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में 13,766 मतदान केंद्रों पर मतदान होगा, जिसमें 699 उम्मीदवारों की चुनावी किस्मत का फैसला होगा। यह मुकाबला राष्ट्रीय राजधानी के राजनीतिक परिदृश्य को नया रूप दे सकता है।

आठ फरवरी को आने वाले चुनाव परिणामों से साफ होगा कि क्या आप अपनी सरकार बरकरार रख पाती है, भाजपा अपनी हार का सिलसिला तोड़ पाती है या कांग्रेस कोई चौंकाने वाला नतीजा दे पाती है।

सत्ता कायम रखने और सरकार बनाने की कोशिश

अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में आप अपनी कल्याणकारी योजनाओं के दम पर लगातार तीसरी बार सत्ता में आने की कोशिश कर रही है। दूसरी ओर, भाजपा 25 वर्षों से अधिक समय के बाद राजधानी में फिर से सरकार बनाने का प्रयास कर रही है। दिल्ली में 2013 तक 15 साल तक शासन करने वाली कांग्रेस पिछले दो विधानसभा चुनाव में एक भी सीट जीतने में विफल रहने के बाद वापसी की कोशिश कर रही है। मतदान बुधवार को सुबह सात बजे शुरू होगा और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शाम छह बजे तक वोट डाले जाएंगे।

अर्धसैनिक बलों की 220 कंपनियां लगीं

निर्वाचन आयोग ने शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिए अर्धसैनिक बलों की 220 कंपनियां, दिल्ली पुलिस के 35,626 जवान और 19,000 होमगार्ड तैनात किए हैं। लगभग तीन हजार मतदान केंद्रों को संवेदनशील के रूप में चिह्नित किया गया है और इनमें से कुछ स्थानों पर ड्रोन निगरानी समेत विशेष सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

कानून व्यवस्था के लिए क्यूआरटी तैनात

दिल्ली पुलिस के अनुसार, संवेदनशील मतदान केंद्रों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किए जाएंगे। उसने बताया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए त्वरित प्रतिक्रिया दल (क्यूआरटी) भी तैनात रहेंगे। वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांग व्यक्तियों के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं तथा 733 मतदान केंद्र खास उनकी जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाए गए हैं। प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के प्रयास में निर्वाचन आयोग ने एक कतार प्रबंधन प्रणाली (क्यूएमएस) ऐप पेश किया है, जिससे मतदाता भीड़ के स्तर की जानकारी हासिल कर सकेंगे।

मुफ्त सुविधाएं देने का मुद्दा छाया रहा

चुनाव प्रचार के दौरान शीश महल विवाद, यमुना के पानी की गुणवत्ता, शासन, कानून-व्यवस्था, महिला कल्याण और मतदाता सूची से छेड़छाड़ के आरोप जैसे मुद्दों को जोरदार ढंग से उठाया गया। चुनाव पूर्व वादों में मुफ्त में सुविधाएं उपलब्ध कराए जाने का मुद्दा भी हावी रहा। आप ने छात्रों के लिए मुफ्त बस यात्रा, ऑटो और टैक्सी चालकों के लिए बीमा और मंदिर के पुजारियों तथा गुरुद्वारों के ग्रंथियों को 18,000 रुपए की वित्तीय सहायता देने का वादा किया है। भाजपा ने गर्भवती महिलाओं के लिए 21,000 रुपए की वित्तीय सहायता और 500 रुपए में सब्सिडी वाले रसोई गैस सिलेंडर देने का वादा किया है, जबकि कांग्रेस ने 8,500 रुपए का मासिक बेरोजगारी भत्ता देने की प्रतिबद्धता जताई है।

6,980 मतदाता पहले ही डाल चुके हैं वोट

घर से मतदान सुविधा के तहत 7,553 पात्र मतदाताओं में से 6,980 मतदाता पहले ही अपने वोट डाल चुके हैं। सोमवार शाम छह बजे आधिकारिक रूप से समाप्त हुए चुनाव प्रचार में तीन मुख्य दावेदारों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। आप ने अपने शासन मॉडल पर ध्यान केंद्रित किया और अरविंद केजरीवाल तथा मुख्यमंत्री आतिशी ने पूरे शहर में रैलियां कीं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने राष्ट्रपति मुर्मू को मतदाता सूचना पर्ची सौंपी

- वोट डालने में सहायता के लिए विवरण दिया गया है

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा चुनाव से एक दिन पहले मुख्य निर्वाचन अधिकारी आर. एलिस वाज ने मतदाता सूचना पर्ची यहां राष्ट्रपति मुर्मू को सौंप दी। एक बयान में कहा गया है कि यह बैठक निर्वाचन आयोग के जारी मतदाता जागरूकता व सुविधा प्रयासों के तहत आयोजित की गई थी। बयान में कहा गया है कि मतदाता सूचना पर्ची में सुचारू रूप से वोट डालने में सहायता के लिए विवरण दिया गया है। इसमें कहा गया है कि जिला निर्वाचन अधिकारी (नई दिल्ली) सनी के. सिंह और बूथ स्तर के अधिकारी सुरेश गिरि ने सीईओ के साथ राष्ट्रपति मुर्मू से मुलाकात की। दिल्ली की 70 सदस्यीय विधानसभा के लिए बुधवार को मतदान होना है, जबकि परिणाम आठ को घोषित किए जाएंगे।

दिल्ली चुनाव में 60 सीटें जीतकर आप प्रमुख फिर मुख्यमंत्री बनेंगे : संजय

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी (आप) नेता संजय सिंह ने मंगलवार को राज्यसभा में आरोप लगाया कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में धांधली की जा रही है और मतदाताओं को प्रभावित करने की कोशिश की जा रही है।

साथ ही उन्होंने कहा कि दिल्ली चुनाव में 60 सीटें जीतकर अरविंद केजरीवाल एक बार फिर मुख्यमंत्री बनेंगे। सिंह उच्च सदन में राष्ट्रपति अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में भाग रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि मतदाताओं के बीच जूते, चादर और अन्य वस्तुओं का वितरण किया गया है। उन्होंने दावा किया कि दिल्ली के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में मतदाता सूची से नाम हटाने के लिए हजारों आवेदन जमा किए हैं।

कुछ भाजपा नेताओं के घरों में मतदाताओं की संख्या में अप्रत्याशित रूप से वृद्धि हुई है। उन्होंने सवाल किया कि ऐसे माहौल में स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव कैसे संभव है। सिंह ने विभिन्न आंकड़े पेश किए, जिस पर आसन ने उन्हें अपने आंकड़े सत्यापित करने का निर्देश दिया। सिंह ने आरोप लगाया कि गलवान घाटी में 20 भारतीय सैनिकों के शहीद होने के बाद भी केंद्र सरकार ने चीन के साथ व्यापार में खासी वृद्धि की।

पक्षपातपूर्ण आचरण अक्षम्य : निर्वाचन आयोग

- आयोग ने दिल्ली के चुनाव अधिकारियों को दी चेतावनी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को दिल्ली में चुनाव अधिकारियों को चेतावनी दी कि समान अवसर को प्रभावित करने वाले किसी भी पक्षपातपूर्ण आचरण को अक्षम्य माना जाएगा। बुधवार को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में कथित तौर पर डराने-धमकाने की रणनीति पर चिंता जताने के लिए निर्वाचन आयोग से संपर्क किया, जिसके बाद चुनाव निकाय ने अपने अधिकारियों को नए निर्देश दिए। निर्वाचन आयोग से संपर्क करने के बाद केजरीवाल ने संवाददाताओं के साथ बातचीत में भाजपा और दिल्ली पुलिस पर मतदाताओं को डराने के लिए गुंडागर्दी करने का आरोप लगाया। केजरीवाल के साथ इस दौरान पार्टी नेता राघव चड्ढा भी थे।निर्वाचन आयोग ने बैठक के बाद कहा कि उसने अधिकारियों को अपने निर्देश दोहराए हैं। चुनाव निकाय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि आप प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के बाद, निर्वाचन आयोग ने दोहराया कि सभी चुनाव अधिकारियों को निष्पक्ष रूप से काम करना जारी रखना चाहिए और समान अवसर को प्रभावित करने वाले किसी भी पक्षपातपूर्ण आचरण को अक्षम्य माना जाएगा।

आचार संहिता उल्लंघन के 1000 केस दर्ज

- पुलिस ने इन मामलों के सिलसिले में 34,250 लोगों को गिरफ्तार किया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के 1,076 मामले दर्ज किए हैं। एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि पुलिस ने इन मामलों के सिलसिले में 34,250 लोगों को गिरफ्तार किया है या हिरासत में लिया है। अधिकारी के मुताबिक, ये मामले सात जनवरी को आदर्श आचार संहिता लागू होने से लेकर तीन फरवरी को दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार थमने के बीच दर्ज किए गए। दिल्ली की 70 सदस्यीय विधानसभा के लिए मतदान बुधवार को होगा, जबकि नतीजे शनिवार को आएंगे। चुनाव से पहले पुलिस ने सीमा चौकियों पर सतर्कता बढ़ा दी है और हथियारों, शराब एवं नशीले पदार्थों की तस्करी सहित अन्य अवैध गतिविधियों के खिलाफ कठोर कार्वाई की है। अधिकारी के अनुसार, दिल्ली पुलिस ने अब तक 469 अवैध हथियार और 513 कारतूस जब्त किए हैं, जबकि 491 लोगों को आर्म्स एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया है।

अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने 1,10,093 लीटर अवैध शराब जब्त की है और 1,381 लोगों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय राजधानी में 77.9 करोड़ रुपए से अधिक कीमत के 196.602 किलोग्राम मादक पदार्थ और 1,200 से ज्यादा प्रतिबंधित इंजेक्शन जब्त किए गए हैं तथा इनके सिलसिले में 177 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

अधिकारी के मुताबिक, कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने अब तक 11.36 करोड़ रुपए नकद और 37.39 किलोग्राम चांदी जब्त की है।

24 उम्मीदवारों ने नियमों का किया उल्लंघन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा चुनाव लड़ रहे आपराधिक रिकॉर्ड वाले 118 उम्मीदवारों में से 24 उम्मीदवारों (20 प्रतिशत) ने अपने रिकॉर्ड का खुलासा नहीं किया है या उनके संबंधित दलों द्वारा इसका स्पष्ट कारण नहीं बताया गया है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने मंगलवार को यह जानकारी दी। दिल्ली में विधानसभा चुनाव में कुल 699 उम्मीदवार मुकाबले में हैं।

चुनाव सुधारों के लिए काम करने वाले संगठन एडीआर ने दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 का विस्तृत विश्लेषण जारी किया है। प्रारूप सी7 डेटा पर आधारित रिपोर्ट से पता चला है कि कई राजनीतिक दल उम्मीदवारों के चयन के कारणों का खुलासा करने में विफल रहे। उच्चतम न्यायालय के निर्देशानुसार लंबित आपराधिक मामलों वाले उम्मीदवारों के चयन के लिए कारण का खुलासा करना होता है। चुनाव लड़ रहे 699 उम्मीदवारों में से 118 ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए हैं और उनमें से 71 उम्मीदवारों पर भ्रष्टाचार, दंगा और हिंसक अपराधों सहित गंभीर आपराधिक आरोप हैं। विधानसभा चुनाव लड़ रहे 94 उम्मीदवारों के आपराधिक रिकॉर्ड अनिवार्य रूप से प्रकाशित किए गए, 24 उम्मीदवारों (20) ने अपने रिकॉर्ड का खुलासा नहीं किया या उनके संबंधित दलों द्वारा इसका औचित्य सिद्ध नहीं किया। उच्चतम न्यायालय ने अनिवार्य किया था कि राजनीतिक दल ऐसे उम्मीदवारों को चुनाव में उनकी जीतने की क्षमता के अलावा मैदान में उतारने के लिए वैध कारण भी बताएंगे। हालांकि, अधिकतर पार्टियों ने अस्पष्ट या भ्रमित करने वाले कारण बताए हैं।

विश्लेषण में 22 राजनीतिक दलों को शामिल किया गया, जिन्होंने आपराधिक मामलों वाले उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है। आम आदमी पार्टी (आप), कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जैसे प्रमुख दलों ने अपने अधिकतर उम्मीदवारों के लिए प्रारूप सी7 प्रकाशित किया। हालांकि, पीपुल्स पार्टी ऑफ इंडिया (डेमोक्रेटिक) और भारतीय राष्ट्रवादी पार्टी सहित छोटी पार्टियां इसका पालन करने में विफल रहीं।

मतदाताओं को दुकान व सैलून में मिलेगी छूट

- रेस्तरां, होटल, मॉल, कॉफी शॉप और ढाबों में 10 प्रतिशत से 50 प्रतिशत तक का मिला लाभ

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए मतदान से महज एक दिन पहले चैंबर ऑफ ट्रेड्स एंड इंडस्ट्रीज (सीटीआई) ने घोषणा की है कि शहर भर के सैलून और ब्यूटी पार्लर मतदान करने वाले लोगों को 20 से 50 प्रतिशत तक की छूट देंगे। सैलून के अलावा, दुकानें, रेस्तरां, होटल, मॉल, कॉफी शॉप और ढाबे सहित विभिन्न व्यवसाय भी मतदान करने वाले ग्राहकों को 10 प्रतिशत से 50 प्रतिशत तक की छूट प्रदान करेंगे।

सीटीआई ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि लगभग 500 सैलून और ब्यूटी पार्लर मतदान के अगले दिन 6 फरवरी को ये छूट प्रदान करेंगे। उसने कहा, इस पहल का उद्देश्य दिल्ली में मतदान को बढ़ावा देना है, जहां 70 विधानसभा सीट के लिए पांच फरवरी को चुनाव होने हैं। सीटीआई अध्यक्ष बृजेश गोयल ने कहा कि यह प्रयास अधिक मतदान प्रतिशत सुनिश्चित करने के लिए है। गोयल ने कहा, यह पहल पांच फरवरी को अधिक लोगों को अपना वोट डालने के लिए प्रोत्साहित करेगी और मतदान प्रतिशत बढ़ेगा।

उन्होंने कहा कि सीटीआई से जुड़े 500 से अधिक सैलून मालिक और मेकअप कलाकार इस पहल में शामिल हुए हैं। उन्होंने कहा, जो मतदाता 6 फरवरी को फेशियल, शेव, हेयरकट, मसाज और डी-टैन ट्रीटमेंट जैसी सौंदर्य सेवाओं का लाभ उठाते हैं, उन्हें 20 से 50 प्रतिशत की अतिरिक्त छूट मिलेगी। यह ऑफर उन पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए खुला है, जो वोट डालने के सबूत के तौर पर अपनी उंगली पर लगी वोटिंग स्याही दिखाते हैं। विधानसभा को लेकर दिल्ली के कई मॉल ने भी विशेष तैयारी की है।

संक्षिप्त समाचार

त्रिलोकपुरी में शव मिला, नाबालिग को हिरासत में लिया

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली जिले के त्रिलोकपुरी में एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला है, जिस पर चाकू से कई बार वार किए जाने के निशान हैं। यह जानकारी पुलिस ने मंगलवार को दी। पुलिस ने बताया कि सोमवार देर रात 12.45 बजे सूचना मिलने पर पुलिस दल मौके पर पहुंचा और उसे त्रिलोकपुरी में एक घर के पास खून से लथपथ शव पड़ा मिला। पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान अभी नहीं हो पाई है और उसकी उम्र 40 साल के आसपास बताई जा रही है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया, स्थानीय लोगों से पूछताछ और इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालने के बाद पुलिस ने एक आरोपी की पहचान कर उसे हिरासत में लिया है, जो नाबालिग है। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि व्यक्ति की हत्या उकसावे के अचानक बढ़कर हिंसक होने की वजह से हो सकती है। अधिकारी के अनुसार, अपराध में इस्तेमाल किया गया चाकू आरोपी से बरामद कर लिया गया है और मृतक की पहचान करने के प्रयास जारी हैं।

जयपुर में बैंक धोखाधड़ी मामले में इंजीनियर गिरफ्तार

नई दिल्ली। राजस्थान के जयपुर से फर्जी बैंक गारंटी के आधार पर मोबाइल फोन की डिलीवरी करने के लिए एक संगठन से दो करोड़ रुपए से अधिक की ठगी करने के आरोपी 52 वर्षीय इंजीनियर को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान बीकानेर निवासी कार्तिगुयाने गोपाल के रूप में की गई है। पुलिस ने बताया कि शिकायतकर्ता फर्म ने आरोप लगाया है कि उन्होंने 18 नवंबर 2016 को अपने उत्पादों के वितरक के रूप में नियुक्ति के लिए मेसर्स टीएसएन इकोटेक इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड नामक एक कथित कंपनी के साथ समझौता किया था। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि विश्वास जीतने के लिए, कथित कंपनी और उसके निदेशकों ने शिकायतकर्ता फर्म के पक्ष में तीन करोड़ रुपए मूल्य की छह बैंक गारंटी प्रदान की।अधिकारी ने कहा, शिकायतकर्ता फर्म ने 18 नवंबर 2016 से 5 जनवरी 2017 के बीच कथित कंपनी को 4.84 करोड़ रुपए मूल्य का माल सप्लाई किया, जिसमें से कंपनी ने कुछ का भुगतान किया।

पेशी में विफलता पर आरोपी को फटकारा

नई दिल्ली। दिल्ली दंगों के दौरान पुलिस हेड कांस्टेबल रतन लाल की मौत से संबंधित मामले की सुनवाई कर रही यहां की एक अदालत ने पेशी में विफलता को लेकर फटकार लगाते हुए आरोपी के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश पुलस्त्य प्रमाचला दयालपुर थाने द्वारा दंगा, हत्या और अन्य आरोपों के लिए दर्ज मामले में सुनवाई कर रहे थे। तीन फरवरी को अदालत ने कहा कि सुनवाई के दौरान न तो आरोपी शाहनवाज और न ही उसका वकील पेश हुआ। एक अन्य आरोपी का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि वह कहां है। न्यायाधीश ने कहा, हर दिन, मैं सभी आरोपी व्यक्तियों से नियमित रूप से बात कर रहा था।

मतदान के दौरान कई मार्गों पर पुलिस का पहरा

- दिल्ली पुलिस ने जारी की एडवाइजरी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली में कल यानी 5 फरवरी को दिल्ली विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की गई है। किसी भी काम से निकलने पहले इसे जरूर देख लें। देश की राजधानी दिल्ली में 5 फरवरी को दिल्ली विधानसभा चुनाव है। 5 फरवरी को दिल्ली की सभी 70 विधानसभा सीटों पर एक ही चरण में वोट डाले जाएंगे और 8 फरवरी को गिनती है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 वोट सुबह 5 बजे से लेकर शाम 6:30 बजे तक तक डाले जाएंगे। दिल्ली चुनाव को लेकर दिल्ली प्रशासन द्वारा ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की गई है। ट्रैफिक एडवाइजरी के तहत दिल्ली के स्कूल से लेकर कॉलेज तक बंद रहने वाले हैं। चुनाव में कोई दिक्कत न हो, इसके लिए दिल्ली की कई रूट्स भी बंद रहने वाली हैं।

5 फरवरी को होने वाले दिल्ली चुनाव को देखते हुए दिल्ली की कई रूट्स को बंद कर दिया गया है। प्रशासन के द्वारा जारी ट्रैफिक एडवाइजरी के अनुसार 4 फरवरी की सुबह 7 बजे से लेकर शाम 7 बजे तक और 5 फरवरी को सुबह 5 बजे से लेकर शाम 6 बजे तक दिल्ली के कंझावला से घेवरा मार्ग पर यातायात को बंद रखा जाएगा। इसके अलावा, दिल्ली पुलिस ट्रैफिक एडवाइजरी के अनुसार, रोहतक रोड से लेकर घेवरा मोड़ तक जाने के लिए आउटर रिंग रोड मार्ग का इस्तेमाल करने को कहा गया है। वहीं कंझावला चौक तक जाने के लिए कराला और निजामपुर गांवों से होकर जाने वाली सड़कों के इस्तेमाल के लिए कहा गया है। ट्रैफिक एडवाइजरी के अनुसार मेट्रो सुबह 4 बजे से भी चलने लगेगी ताकि लोग बढ़-चढ़कर वोल डाल सकें। इसके अलावा, डीटीटीसी बस सेवाएं भी सुबह 6 बजे से चालू हो जायेंगी। कहा जा रहा है कि मेट्रो नियमित समय से पहले इसलिए शुरू हो रही, क्योंकि बस सेवा 6 बजे शुरू होती है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव के दिन सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। इस दिन लगभग सभी सरकारी ऑफिस, स्कूल और कॉलेज बंद रहने वाले हैं। इसके अलावा, चुनाव के दिन कुछ बड़े बाजार भी बंद रहने वाले हैं।

खबरों के मुताबिक ऑफिस, स्कूल और कॉलेज के अलावा सिनेमा घर और 5 फरवरी को शाम 6 बजे तक शराब की दुकाने भी बंद रहने वाली हैं। हालांकि, कुछ जरूरी सामान, जैसे-दवाई की दुकान, फल और सब्जी की दुकान खुली रहेंगी।

सुशासन, शिक्षा और नवाचार से बेहतर दिल्ली बना सकते हैं: एलजी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने मंगलवार को कहा कि स्मार्ट गवर्नेंस केवल नीतियों और प्रशासन तक सीमित नहीं है, यह उन विचारों के बारे में है जो धरातल पर वास्तविक परिवर्तन लाते हैं। दिल्ली के आईपी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'स्मार्ट दिल्ली आइडियाथॉन 2025' के समापन समारोह में उपराजयपाल ने यह बात कही।

उपराज्यापाल ने कहा प्रतियोगिता में जीत हासिल करना सराहनीय है, लेकिन दिल्ली की प्रगति में योगदान देना ही वास्तविक उपलब्धि है। यह एक बड़े बदलाव की शुरुआत है—जहां शासन, शिक्षा और नवाचार एक साथ मिलकर एक बेहतर दिल्ली बनाने के लिए कार्य करेंगे। हमें संकल्प के साथ आगे बढ़ना होगा, नवाचार को अपनाना होगा और विचारों को कार्यान्वित करने के संकल्प के साथ काम करना होगा। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के कुलपति पद्मश्री प्रो. (डॉ.) महेश वर्मा ने दिल्ली के छात्रों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने इस प्रतियोगिता को केवल एक प्रतिस्पर्धा के रूप में नहीं, बल्कि एक सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में लिया।

किसानों को लाभ पहुंचाना सुनिश्चित करें: डीएम

●डीएम ने किया नव निर्मित प्रशिक्षण हाल का निरीक्षण

संवाददाता। सोनभद्र

जिलाधिकारी बीएन सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेक्ट सभागार में 03 फरवरी, 2025 को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 सहकार से समृद्धि योजना को सफल बनाने के लिए बैठक की गयी। बैठक में जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह ने बताया कि अन्तर्राष्ट्रीय वर्ष 2025 सहकार से समृद्धि, सहकारिता आन्दोलन को जमीनी स्तर पर सुदृढ़ कर मजबूत करने के उद्देश्य से सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दिशा निर्देशों के अनुरूप जिला स्तरीय डिस्ट्रिक्ट को-आपरेटिव कमेटी की निगरानी की जानी है। डीसीडीसी की बैठक में सभी संबंधित विभागों ने अपनी अपनी वर्ष भर की कार्य योजनाएं अन्तर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के तहत प्रस्तुत किया गया।

इस दौरान को आपरेटिव ने बताया कि इसके कार्यान्वयन के क्रम में सहकारिता विभाग की एक समिति एवं मत्स्य विभाग की दो समितियां का गठन जनवरी माह तक कर लिया गया है। जिलाधिकारी ने इस योजना से जुड़े सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि डीसीडीसी एवं अर्न्तराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के सफल बनाने के लिए सम्बन्धित विभाग आपसी समन्वय स्थापित करते हुए आई0वाई0सी0,2025 के 01 जनवरी से 31 दिसम्बर 2025 तक रूपरेखा तैयार कर, चलाये जा रहे सहकारिता आंदोलन में जन भागीदारी बढ़ाते हुए किसानों को अधिकाधिक लाभ पहुंचाना सुनिश्चित करेंगें। बैठक में अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे राहित यादव सहायक आयुक्त सहायक निबन्धक सहकारिता देवेन्द्र कुमार डीडीएम नाबार्ड सहायक निदेशक मत्स्य सोनभद्र जिला सहकारी बैंक के सचिव महाप्रबन्धक सहित अन्य सम्बन्धित उपस्थित रहे।

सोनभद्र। जिलाधिकारी बीएन सिंह ने मंगलवार को जिला शिक्षा एंव प्रशिक्षण संस्थान में स्थापित नव निर्मित प्रशिक्षण हाल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने बनकर तैयार भवन की स्थिति का जायजा लिया, निरीक्षण में पाया गया कि भवन का मरम्मत, देख-रेख समय-समय पर नहीं किया जाता है, जिससे भवन के दीवार में दरार आ गया है, जिसे ठीक करने के लिए सम्बन्धित कार्यदायी संस्था यू0पी0 पी0सी0एल0 को सूचित करते हुए भवन के मरम्मत व अन्य आवश्यक व्यवस्था को दुरूस्त करने के निर्देश प्रभारी प्रचार्य डायट जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को दिया।

जिलाधिकारी ने कहा कि भवन मरम्मत के कार्य में जो भी सामग्री उपयोग किया जाये, वह गुणवत्तायुक्त हो, जिससे भविष्य मे भी भवन की मजबूती बनी रहें। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने प्रभारी प्रचार्य डायट जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रशिक्षण हाल के दीवार में आयी दरार को तत्काल मरम्मत करते हुए दुरूस्त किया जाये, परिसर में साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था की जाये, भवन के छत पर पत्तों के ढेर को हटाया जाये, छत पर अनावश्यक सामानों को एकत्रित न होने दें।

साप्ताहिक शिविर में दस लोगों ने किया रक्तदान

फतेहपुर। विश्व कैंसर दिवस मौ में चल रहे साप्ताहिक रक्तदान शिविर में चार रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। अयांश जन्मदिन उपलक्ष्य में लगे रक्तदान शिविर में छह कुल 10 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। बतातें चले कि सर्व फॉर ह्यूमैनिटी द्वारा लगातार जरूरतमंदों कैंसर, डायलिसिस, थैलीसीमिया पीड़ित मरीजों को नि:शुल्क रक्त की उपलब्धता करवाई जाती है। जरूरतमंदों लिए समय-समय पर रक्तदान शिविरो का आयोजन किया जाता है। वहीं आज अयांश जन्मदिन उपलक्ष्य में बच्चे पिता शुभम साथ पांच रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। रक्तदान करने वालो में शुभम वर्मा, सौरभ, सुरेश कुमार गौतम, विनय, शनि, मन्नू, जगत नारायण, अफ्ताब, सुयश, प्रशांत शुक्ला ने रक्तदान किया।

विचार गोष्ठी एवं काव्य संध्या के साथ मनाई गई महाकवि निराला की जयंती

संवाददाता। बीजपुर, सोनभद्र

साहित्यिक व सामाजिक संस्था सोन संगम शक्ति नगर के तत्वावधान में सूर्यकांत त्रिपाठी निराला जी की जयंती विचार गोष्ठी एवं काव्य संध्या के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ बृजेंद्र कुमार शुक्ला ने किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सरस्वती शिशु मंदिर शक्तिनगर के प्रधानाचार्य गोपाल तिवारी व विशिष्ट वक्ता के रूप में विवेकानंद इंटर कॉलेज शक्तिनगर के प्रधानाध्यापक अनिल कुमार चतुर्वेदी उपस्थित रहे, कार्यक्रम का श्री गणेश रविंद्र कुमार मिश्रा एवं डॉ बृजेंद्र शुक्ल के द्वारा सरस्वती वंदना से किया गया।

अतिथियों का स्वागत सोन संगम के कार्यकारी अध्यक्ष विजय कुमार दुबे के द्वारा किया गया, विषय की स्थापना करते हुए डॉ मानिक चंद पांडेय ने कहा कि महाप्राण सूर्यकांत त्रिपाठी निराला का साहित्य संपूर्ण विश्व में प्रसिद्ध है। इन्होंने कविता से लेकर गद्य साहित्य तक में अपनी जो पहचान बनाई वह आज भी इतिहास में अमिट पत्थर है। निराला की कविताएं दबे, कुचले शोषित समाज के मुक्ति की वकालत करती है। कार्यक्रम के मुख्यवक्ता गोपाल तिवारी ने निराला के व्यक्तित्व तथा कृतित्व पर प्रकाश डाला। विशिष्ट वक्ता अनिल कुमार चतुर्वेदी ने निराला की प्रमुख कविताएं राम की शक्ति पूजा एवं सरोज स्मृति का वर्णन किया।

कार्यक्रम के अध्यक्षता कर रहे डॉ विजेंद्र शुक्ला ने निराला से जुड़ी अनेक संस्मरणों का उल्लेख किया। अन्य वक्ताओं में सरस सिंह ज्योति कुमारी ने भी निराला जी के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला। उपस्थित कवियों में जाने माने कवि माहिर मिर्जापुरी बहर बनारसी डॉ विजेंद्र शुक्ला रमाकांत पांडे प्रज्ञा चक्षु रविंद्र मिश्रा कवियों ने एक से बढ़कर एक कविता सुनाकर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिया। संचालन डॉ मानिक चंद पांडेय तथा धन्यवाद ज्ञापन गुलाब सिंह ने किया।

रास्ते के विवाद में जमकर चले लाठी डंडे, आधा दर्जन घायल

सकलडीहा, चन्दौली। कोतवाली क्षेत्र के बथावर गांव में रास्ते के विवाद को लेकर मंगलवार को सुबह जमकर लाठी-डंडे चले। जिसमे कई लोगो का सिर फट गया। इस मारपीट में 6 लोगों को गंभीर चोटें आई है। सूचना पर पहुची पुलिस ने सभी घायलों को अस्पताल पहुचाया। मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

मारपीट की घटना से गांव में हड़कंप मच गया। बथावर गांव में बीच रास्ते में भैस बाधने को लेकर पहले कहासुनी हुई। इस बाद मारपीट हो गई। जिसमें जमकर लाठी-डंडे चले। दो परिवार के बीच सामूहिक मारपीट से चीख-पुकार और अफरा-तफरी मच गई। कोई भी पक्ष मानने को तैयार नही था। इसी बीच किसी ने 112 पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुची पुलिस ने सभी घायलों को अस्पताल पहुचाया। सूचना पर कोतवाल हरिनारायण पटेल भी पहुच गए। कोतवाल ने बताया कि मारपीट में एक पक्ष 50 वर्षीय श्यामनारायण यादव, 24 वर्षीय गोबिंद यादव ,बिंदु देवी वही दूसरे पक्ष भी तीन लोग जिसमे 25 वर्षीय अरबिंद यादव ,17 वर्षीय मानसी यादव , 40 वर्षीय सुरेश यादव घायल है। पुलिस सभी का उपचार कराने बाद आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

मंदिर में हुआ सन्त प्रसाद वितरण, लगी भीड़

फतेहपुर। जी.टी. रोड बिलंदा स्थित मां आनंदी देवी मंदिर धाम में 8वां वार्षिकोत्सव एवं संत भोजन प्रसाद वितरण हुआ। आयोजक अमित विभूति ब्रह्मावेता श्री देवराहा हंस बाबा कृपा पात्र रमेश चंद्र ओमर, रामजी ओमर, प्रवेश ओमर, प्रियांशु ओमर द्वारा मंदिर में सुंदरकांड का पाठ कराया गया, तत्पश्चात संत भोजन प्रसाद का वितरण किया गया। मंदिर में दूर-दूर से तमाम संतों ने पहुंचकर प्रसाद का आनंद लिया जिसमें ओम घाट भिटौरा से स्वामी विज्ञानानंद सरस्वती, श्री शोभन सरकार की कृपा पात्र संत महाराज स्वामी स्वरूपानंद एवं परमहंस बाई जी की मौजूदगी में संत प्रसाद का वितरण किया गया। इस मौ पर ग्राम प्रधान बिलंदा रज्जू सिंह यादव, सर्वेश गुप्ता, गिरधारी लाल गुप्ता, घुमानंद महाराज, अशोक कुमार फौजी आदि मौजूद रहे।

विश्व कैंसर दिवस पर जागरूकता व स्क्रीनिंग शिविर का आयोजन

संवाददाता। सोनभद्र

विश्व कैंसर दिवस के मौके पर एनटीपीसी विंध्याचल ने अपनी कर्मचारी कल्याण नीति के तहत एक व्यापक मौखिक और गर्भाशय ग्रीवा कैंसर जागरूकता एवं जांच शिविर का आयोजन किया। यह आयोजन विंध्या अस्पताल में आह्वान कार्यक्रम के तहत किया गया, जिसमें कॉन्ट्रैक्ट श्रमिकों और लेडीज क्लब की सदस्यों को लाभान्वित किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. प्रतिभा महेन्द्र द्वारा महिलाओं के लिए गर्भाशय ग्रीवा कैंसर के बारे में जागरूकता सत्र से की गई, जबकि डॉ. मंजू रावत ने सभी प्रतिभागियों को तम्बाकू के सेवन से होने वाले मौखिक कैंसर के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर सभी महिला श्रमिकों की गर्भाशय ग्रीवा कैंसर स्क्रीनिंग डॉ. प्रतिभा महेन्द्र और डॉ. हेमा उराव ने की, जबकि सभी श्रमिकों का मौखिक कैंसर स्क्रीनिंग डॉ. मंजू रावत ने किया। एनटीपीसी विंध्याचल के मुख्य महाप्रबंधक चिकित्सा डॉ. बी.सी. चतुर्वेदी ने तम्बाकू मुक्त कार्यस्थल की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि नो तम्बाकू पॉलिसी का पालन किया जा रहा है और तम्बाकू के सेवन और कैंसर के बीच के संबंध को स्पष्ट किया। उन्होंने सभी से तम्बाकू से बचने और स्वस्थ जीवन शैली अपनाने का आह्वान किया। शिविर में डॉ. आर.पी. सिंह डॉ. ब्रिजेश जैन डॉ. दीपक डे डॉ. वर्तिका कुलश्रेष्ठ डॉ. प्रतिश राज डॉ. तनमय पटेल सुरजन सिंह राजपूत ने सक्रिय रूप से भाग लिया और स्क्रीनिंग तथा परामर्श प्रदान किया। साथ ही, सुहासिनी संघ की मुस्कान अरोड़ा ने इस आयोजन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए लाभार्थियों को स्क्रीनिंग में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। कुल 72 श्रमिकों ने इस स्वास्थ्य अभियान का लाभ उठाया, जो एनटीपीसी विंध्याचल की स्वास्थ्य सुरक्षा और निवारक देखभाल के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस अवसर पर वरिष्ठ चिकित्सक, सुहासिनी संघ की वरिष्ठ पदाधिकारी एवं सदस्याएं स्टाफसफाईकर्मी के साथ विंध्य हॉस्पिटल की समस्त पैरामेडिकल स्टाफ उपस्थित रहा।

क्विक न्यूज

डीएम ने रामघाट का अतिक्रमण हटाए जाने के दिए निर्देश

चित्रकूट। महाकुंभ मेला-2025 को देखते हुए जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने रामघाट पर आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारी कर्वी को निर्देशित किया कि रामघाट पर साफ-सफाई बनी रहनी चाहिए, एवं सीसीटीवी कैमरा संचालित रहनी चाहिए। जिलाधिकारी ने कहा कि रामघाट पर पॉलिथीन का प्रयोग न करें, यह सुनिश्चित कराए। उन्होंने कहा कि जो अवैध अतिक्रमण किए हैं उसे पुलिस प्रशासन के साथ संयुक्त रूप से अतिक्रमण हटाए। श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की समस्या नहीं होनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि नविको का जो किराया निर्धारित है, वही किराया लेंगे। तत्पश्चात उन्होंने रामघाट पर ही जिला प्रशासन द्वारा पांच दिवसीय प्रसाद वितरण के क्रम में आज चतुर्थ दिन प्रसाद वितरण किया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व उमेश चंद्र निगम, अधिशासी अधिकारी कर्वी लालजी यादव सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित है।

महाकुंभ भगदड़ को लेकर कांग्रेसियों में नाराजगी, मांगी मृतकों की सूची

फतेहपुर। प्रयागराज जनपद में चल रहे महाकुंभ में मौनी अमावस्या दिन हुई भगदड़ में मारे गए व घायल श्रद्धालुओं की सूची सरकार द्वारा जारी न किए जाने पर कांग्रेसियों ने गहरी नाराजगी का इजहार किया। जिलाधिकारी माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन भेजकर भगदड़ में मारे गए व घायल श्रद्धालुओं की सूची जारी किए जाने लिए सरकार को निर्देशित किए जाने की आवाज उठाई। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष बीरेन्द्र सिंह चौहान की अगुवई में कांग्रेसी कलेक्ट्रेट पहुंचे और राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपकर बताया कि प्रयागराज जनपद में महाकुंभ को लेकर प्रदेश की योगी सरकार ने पानी की तरह पैसा बहाया और महाकुंभ का आयोजन किया, लेकिन व्यवस्थाएं बेहतर नही की, जिस चलते मौनी अमावस्या दिन भारी भीड़ चलते भगदड़ मच गई। जिसमें कई श्रद्धालुओं को जहां अपनी जान गंवानी पड़ी वहीं तमाम श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना में मारे गए श्रद्धालुओं व घायलों की सूची सरकार द्वारा जारी न किए जाने से परिवारीजनों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कांग्रेसियों ने राज्यपाल से मांग किया कि प्रदेश सरकार को अविलंब इस घटना में मारे गए व घायल श्रद्धालुओं की सूची जारी किए जाने निर्देश देने की मांग की। इस मौ पर शहर अध्यक्ष मो. आरिफगुड्डू, शेख एजाज अहमद, चौ. मोईन राईन, बृजेश मिश्रा, संतोष कुमारी शुक्ला, आशीष गौड़ एड., धनंजय सिंह एड., हम्माद हुसैन, रवि प्रताप सिंह, ओम प्रकाश, सै0 शहाब अली, चन्द्र प्रकाश लोधी भी मौजूद रहे।

प्रधान व बीडीसी के रिक्त पदों के लिए होगा 19 फरवरी को मतदान: जिला निर्वाचन अधिकारी

संवाददाता। चित्रकूट

जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी (पं0) शिवशरणप्पा जीएन ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग के द्वारा निर्देश के क्रम में ग्राम पंचायतों की प्रधानों तथा सदस्यों की उप निर्वाचन की निर्गत सूचना के आधार पर प्रधान, ग्राम पंचायत सदस्यों के वैधानिक रुप से रिक्त पदों पर उप निर्वाचन संपन्न कराने के लिए समय सारणी निर्धारित की गई है।

जिसमें नाम निर्देशन पत्र को जमा करने का अंतिम तिथि 8 फरवरी को पूर्वाह्न 10 बजे से अपराह्न 4 बजे तक, नाम निर्देशन पत्रों की जांच 10 फरवरी को पूर्वाह्न 10 बजे से कार्य की समाप्ति तक, उम्मीदवारी वापस लेने की तिथि 11 फरवरी को पूर्वाह्न 10 बजे से अपराह्न 3बजे तक, प्रतीक आवंटन 11 फरवरी को अपराह्न 3 बजे से कार्य की समाप्ति तक, मतदान 19 फरवरी को प्रात: 7 बजे से सायं 5 बजे तक एवं मतगणना 21 फरवरी को प्रात: 8 बजे से कार्य की समाप्ति तक। बताया कि विकासखंड रामनगर की ग्राम पंचायत बल्हौरा में प्रधान पद हेतु अनुसूचितजाति महिला, विकासखंड चित्रकूट धाम कर्वी के ग्राम पंचायत दहिनी के वार्ड संख्या 6 में सदस्य पद हेतु अनारक्षित, ग्राम पंचायत शिवरामपुर के वार्ड संख्या एक सदस्य पद हेतु अनारक्षित, ग्राम पंचायत बराछ के वार्ड संख्या 9 के सदस्य पद हेतु अनारक्षित, विकासखंड पहाड़ी की ग्राम पंचायत पहाड़ी बुजुर्ग के बार्ड संख्या 5 सदस्य पद हेतु अनुसूचित जाति, ग्राम पंचायत बालापुर खालसा के बार्ड संख्या 3 सदस्य पद हेतु अनुसूचित जाति महिला, तथा विकासखंड मानिकपुर के अंतर्गत ग्राम पंचायत अरवारा के वार्ड संख्या 5 में सदस्य पद हेतु अनुसूचित जाति, ग्राम पंचायत रामपुर तरौंहा के वार्ड संख्या 7 में सदस्य पद हेतु अनारक्षित, ग्राम पंचायत चंद्रामारा के वार्ड संख्या नौ के सदस्य पद हेतु अनारक्षित एवं ग्राम पंचायत कोठिलिहाई के वार्ड संख्या 7 में सदस्य पद हेतु अनुसूचित जाति महिला है।

उन्होंने कहा कि प्रधान, ग्राम पंचायत सदस्यों के रिक्त स्थानों ,पदों पर उप निर्वाचन हेतु प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्र का पूर्ण विवरण देते हुए विकास खंडवार नियुक्त निर्वाचन अधिकारी पंचायत द्वारा 5 फरवरी को सार्वजनिक सूचना निर्गत की जाएगी। बताया कि जनपद चित्रकूट में रिक्त ग्राम पंचायत प्रधान, सदस्य ग्राम पंचायत पदों के उप निर्वाचन हेतु निर्वाचन अधिकारी, सहायक निर्वाचन अधिकारी एवं आरक्षित निर्वाचन अधिकारी, सहायक निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किए गए हैं।

खंड स्तरीय बैंकर्स समिति की मार्च त्रैमास बैठक संपन्न

अंबेडकरनगर। खंड स्तरीय बैंकर्स समिति मार्च त्रैमास 2024-2025 की बैठक जलालपुर विकास खण्ड में संपन्न हुई। अग्रणी जिला प्रबंधक कमलेश भास्कर, विकास खंड अधिकारी, जलालपुर, एनआरएलएम डीएमएम अतुल सहित क्षेत्र के विभिन्न बैंकों शाखा प्रबंधक और ब्लॉक कर्मचारी मौजूद रहे। बैठक दौरान अग्रणी जिला प्रबंधक ने वार्षिक ऋण योजना 2025-2026 , वित्तीय समावेशन समेत शासकीय योजनाओं की प्रगति, बैंकों में एनपीए, सीसीएल पेंडिंग फाइलों की समीक्षा साथ-साथ आत्मनिर्भर भारत अभियान तहत प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग योजना (पीएमएफएमई) में लंबित आवेदनों के जल्द से जल्द निस्तारण करने के निर्देश दिये। सभी सरकारी योजनाओं की पत्रावलियों को लंबित न रखने एवम गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने हेतु निर्देश दिये। किसी भी ऋण को अगर रिजेक्ट किया जाता है तो उसका वैध कारण इंगित करना सुनिश्चित करें। शाखा में सभी उपभोक्ताओं से सम्मानजनक, तत्परता पूर्वक व्यवहार करना सुनिश्चित करें।

बैठक में वित्तीय साक्षरता केंद्र संचालकों द्वारा भी प्रतिभाग किया गया जिन्होंने विकास खंडों में चल रहे वित्तीय साक्षरता अभियान बारे में जानकारी प्रदान की।

लोकसभा चुनाव में उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ हुए सम्मानित

अंबेडकर नगर। मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश लखनऊ निर्देश के क्रम में लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 में उत्कृष्ट कार्य करने वाले दो बीएलओ विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 278 टांडा बी0एल0ओ0 श्री निर्मल कुमार रोजगार सेवक तथा 280 जलालपुर बी0एल0ओ0 श्रीमती रेखा दुबे शिक्षामित्र को जिला निर्वाचन अधिकारी,जिलाधिकारी अविनाश सिंह द्वारा प्रशस्ति पत्र तथा मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित एवं प्रेरित किया गया। अवगत कराना है कि इन द्वारा मतदाताओं को विशेष रूप से महिला मतदाता, दिव्यांग को जागरूक करने लिए नुक्कड़ नाटक, रंगोली, गीत आदि माध्यम से मतदाताओं को जागरूक किया गया तथा मतदान से पूर्व मतदाताओं को हस्तलिखित आमंत्रण पत्र वितरित कर मतदान करने के लिए प्रेरित किया गया। इन द्वारा शतप्रतिशत मतदाताओं को मतदाता सूचना पर्ची का वितरण किया गया। जिस परिणाम स्वरूप श्री निर्मल कुमार बूथ लेवल ऑफिसर बूथ 126 प्राथमिक विद्यालय पैकोलिया पर 80.48 प्रतिशत तथा श्रीमती रेखा देव दुबे बूथ लेवल ऑफिसर बूथ 208 प्राथमिक विद्यालय महमदपुर हमजा पर 77.26 प्रतिशत रिकॉर्ड मतदान हुआ।

महिला महाविद्यालय की प्रतियोगिताओं में छात्राओं ने दिखाया जौहर

फतेहपुर। डॉ. भीमराव अंबेडकर राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में गृह विज्ञान परिषद में महाविद्यालय प्राचार्या गुलशन सक्सेना नेतृत्व में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। जिसमें प्रथम वर्ष की छात्राओं ने रंगोली प्रतियोगिता, द्वितीय वर्ष की छात्राओं ने हेल्दी रेसिपी प्रतियोगिता व तृतीय वर्ष की छात्राओं ने मॉडल प्रतियोगिता का आयोजन किया। महाविद्यालय में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन एक विशेष सांस्कृतिक और रचनात्मक कार्यक्रम रूप में किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्राओं में कला की भावना को प्रोत्साहित करना और उन रचनात्मक विचारों को प्रकट करने का एक मंच प्रदान करना था। प्रतियोगिता में भाग लेने वाली सभी छात्राओं ने अपनी पूरी मेहनत और ध्यान से रंगोली बनाई, जिससे वातावरण रंग बिरंगी और खुशहाल हो गया। निर्णायक मंडल ने रंगोली की सृजनात्मक विषय पर आधारित और रंगों चुनाव आधार पर विजेताओं का चयन किया। रंगोली में अनुसूइया को प्रथम स्थान, अंकिता देवी को द्वितीय स्थान, शिफा को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। हेल्दी रेसिपी प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्राओं को स्वस्थ आहार और जीवन शैली प्रति जागरूक करना था। प्रतियोगिता निर्णायक मंडल ने स्वाद पौष्टिकता, रचनात्मक और प्रस्तुति आधार पर विजेताओं का चयन किया। जिसमें कहकशा परवीन ने प्रथम स्थान, राबिया मंसूरी ने द्वितीय स्थान, खुशनुदा बानो ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। महाविद्यालय में आयोजित की गई। मॉडल प्रतियोगिता अत्यंत रोचक और शैक्षिक कार्यक्रम था जिसका उद्देश्य छात्राओं में रचनात्मक नवाचार और विज्ञान प्रति रुचि को प्रोत्साहित करना था।

मॉडल प्रतियोगिता का मुख्य विषय छात्राओं को अपने विचारों को व्यावहारिक रूप में प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करना था। प्रतियोगिता का विषय विज्ञान और प्रौद्योगिकी था। छात्राओं ने इस विषय पर अपनी कल्पना अनुसार विभिन्न मॉडल तैयार किए मॉडल में छात्र विभिन्न तकनीकी उपकरणों सर्किट और अन्य विज्ञान संबंधी वस्तुओं का उपयोग कर अपने विचारों को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करने में सफल रहे।

पुलिस अधीक्षक ने कार्यालय में की जन सुनवाई, दिए निर्देश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने मंगलवार को पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई कर अधिनस्थ अधिकारियों को शिकायतों के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिये। साथ ही सभी थाना प्रभारियों को स्थानीय स्तर पर गुणवत्तापूर्ण ढंग से जनता की शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण निदान करने के लिए निर्देशित किया। जनता की शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण निदान करने की वजह से पूरे उत्तर प्रदेश में अलग साख बनाने वाले चित्रकूट के पुलिस अधीक्षक अरूण कुमार सिंह ने मंगलवार को अपने कार्यालय में जनसुनवाई कर जिले के कोने कोने से आये फरियादियों की समस्याओं का निदान किया। साथ ही अधीनस्थ पुलिस अधिकारियों को शासन की मंशानुरूप कार्य करते हुए दुखी-पीडित जनता की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर संतुष्टिपूर्ण निदान करने के निर्देश दिये। उन्होने कहा कि यदि क्षेत्रीय स्तर ही जनता की समस्याओं का समाधान हो जाये तो मुख्यालय तक आने की जरूरत ही नही पड़ेगी।

पीडीए की एकजुटता के दम पर 2027 में यूपी में सरकार बनायेगी सपा: महेश

चित्रकूट। पीडीए संवाद यात्रा लेकर चित्रकूट पहुंचे समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव महेश कश्यप ने भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी पीडीए की राजनीति करती है और उनके हकों की लड़ाई लड़ रही है। उन्होंने कहा कि यही पीडीए उनको 2027 में जीत दिलाएगी इसलिए वह पीडीए के लोगो के बीच जा जाकर उनको जागरूक कर रहे है। महेश कश्यप ने कहा कि मिल्कीपुर का उपचुनाव भी वहां के डीएम एसपी लड़ रहे है। सपा के वोटरों की मत पर्चियां नही दी जा रही है किंतु सपा वहाँ संघर्ष करेगी। कुम्भ की भगदड़ को लेकर भी सपा प्रदेश सचिव ने सरकार को घेरा है। उन्होंने कहा जो सरकार लोगो के स्नान के आंकड़े हर घण्टे जारी करती थी वह वहां भगदड़ में जान गवाने वाले श्रद्धालुओं के आकडे नही दे पा रही है। उन्होंने कहा पत्रकारों को कवरेज से रोका जा रहा है । कहा अगर भाजपा सरकार कुंभ कराने में असफल है तो समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता एक एक श्रद्धालु को कुंभ स्नान कराएंगे और सुरक्षित घर तक भेजेंगे। सपा प्रदेश सचिव व बुंदेलखंड के पीडीए प्रभारी महेश कश्यप ने यह बात चित्रकूट के समाजवादी पार्टी कार्यालय में पत्रकार वार्ता में कही है। इस दौरान सपा जिलाध्यक्ष शिवशंकर यादव, जिला महासचिव सत्यनारायण पटेल, उपाध्यक्ष गुलाब खा, उपाध्यक्ष नरेंद्र यादव, वरिष्ठ सपा नेता सूरज पटेल, पिछड़ावर्ग जिलाध्यक्ष सीताराम कश्यप समेत बड़ी संख्या में सपा नेता रहे मौजूद।

नाभिकीय ऊर्जा
वित्तीय समर्थन

नाभिकीय ऊर्जा को मजबूत वित्तीय समर्थन दे कर देश इसे ऊर्जा पैकेज में महत्वपूर्ण स्थान दिलाना चाहता है। भारत लगातार ऊर्जा परिवर्तन तथा टिकाऊ विकास के रास्ते पर चल रहा है जिसमें नाभिकीय ऊर्जा की भूमिका महत्वपूर्ण होती जा रही है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश केन्द्रीय बजट 2025-26 में 'नाभिकीय ऊर्जा मिशन' के लिए 20,000 करोड़ रुपये की धनराशि रखी गई है जिसका उद्देश्य भारत की नाभिकीय ऊर्जा क्षमता का विस्तार करना है। इस महत्वाकांक्षी पहल का लक्ष्य भारत को कम से कम 2047 तक 100 गीगावाट नाभिकीय ऊर्जा क्षमता दिलाना है। यह वर्तमान 8 गीगावाट क्षमता को देखते हुए महत्वपूर्ण उछाल होगा। वर्तमान समय में भारत के कुल ऊर्जा उत्पादन में नाभिकीय ऊर्जा का हिस्सा 2 प्रतिशत से भी कम है। 8 गीगावाट की स्थापित क्षमता के साथ भारत का नाभिकीय ऊर्जा क्षेत्र अन्य ऊर्जा स्रोतों, जैसे कोयला, सोलर व पवन से बहुत पीछे है। मोदी सरकार नाभिकीय ऊर्जा को स्थिर व स्वच्छ ऊर्जा स्रोत के रूप में प्राथमिकता दे रही है। जुलाई, 2024 के बजट में ही आणविक ऊर्जा की आवश्यकता को रेखांकित कर नाभिकीय विस्तार पर जोर दिया गया था। इसके लिए आणविक ऊर्जा कानून, 1962 में संशोधन कर नाभिकीय ऊर्जा उत्पादन में निजी क्षेत्र सहभागिता का रास्ता खोला गया था। 2025-26 के बजट में लघु माड्यूलर रिएक्टरों-एसएमआर को महत्व दे कर इसकी नीत मजबूत करने की बात कही गई है। भारत के महत्वाकांक्षी नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्य में 2030 तक 500 गीगावाट गैर-फॉसिल ईंधन ऊर्जा प्राप्त करने का लक्ष्य शामिल है। जहां इस पैकेज में सोलर और पवन ऊर्जा का महत्वपूर्ण स्थान है, वही वे मौसम की स्थितियों पर निर्भर करती हैं और उनके लिए बड़े पैमाने पर ऊर्जा भंडारण समाधान निकालने होते हैं। दूसरी ओर नाभिकीय ऊर्जा बिना सामग्रियों में परिवर्तन की बाधा के लगातार कम-कार्बन वाली ऊर्जा प्रदान करती है। लगभग 300 मेगावाट की क्षमता वाले एसएमआर परंपरागत नाभिकीय रिएक्टरों की तुलना में बहुत लाभदायक हैं। उनकी माड्यूलर डिजाइन जल्दी से लगाने, खर्च घटाने तथा बेहतर सुरक्षा उपायों का रास्ता खोलती है।

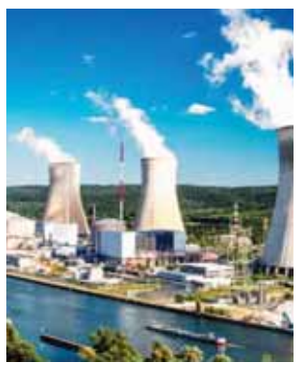

स्वदेश में विकसित एसएमआर को प्रोत्साहन दे कर भारत नाभिकीय तकनीक में आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहन दे कर विदेशों पर अपनी निर्भरता घटाना चाहता है। नाभिकीय ऊर्जा मिशन के लिए 20,000 करोड़ रुपये आबंटित कर नाभिकीय ऊर्जा उत्पादन बढ़ाने का स्पष्ट संकेत दिया गया है। इस फंडिंग से स्वदेशी नाभिकीय तकनीकों, खासकर एसएमआर के शोध एवं विकास में सहायता मिलेगी। 2033 तक दीर्घकालीन नाभिकीय विस्तार योजना के अंतर्गत कम से कम पांच एसएमआर स्थापित करने की योजना ढांचागत विकास के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है। लेकिन अपने लाभों के बावजूद भारत में नाभिकीय ऊर्जा को अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। आणविक ऊर्जा कानून तथा 'सिविल लायबेलिटी फार न्यूक्लियर डैमेज एक्ट' के कारण नियामकीय बाधायें बनी हुई हैं। इससे निजी क्षेत्र की सहभागिता प्रभावित होती है जिसे दूर करने के लिए संशोधनों की आवश्यकता है। जनता की सुरक्षा की चिन्ता एक महत्वपूर्ण मुद्दा है क्योंकि दुनिया भर में नाभिकीय दुर्घटनाओं ने संदेह पैदा कर दिया है जिससे कठोरतम सुरक्षा प्रोटोकालों का प्रयोग जरूरी हो गया है। तकनीकी एकाधिकार वाली कंपनियां एक और चुनौती हैं क्योंकि नाभिकीय तकनीक कुछ वैश्विक संस्थाओं के कब्जे में है। ऐसे में स्वदेशी क्षमता-निर्माण पहल आवश्यक हो जाती है। लेकिन इन बाधाओं के बावजूद नाभिकीय ऊर्जा समय की आवश्यकता है। इसके प्रयोग से देश का 'कार्बन फुटप्रिंट' घटेगा, ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी तथा टिकाऊ रूप से इसकी बढ़ती बिजली की जरूरतें पूरी होंगी।

एमएसएमई व स्टार्टअप को प्रोत्साहन

वित्तीय पहुंच, तकनीक तथा बाजार संपर्कों पर जोर देकर बजट ने भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत करने के साथ रोजगार को बढ़ावा दिया है।

मनीष सिंघल
(लेखक, एसोचैम के महासचिव हैं)

सूक्ष्म, लघु व मझोले उद्यम-एमएसएमई भारत के आर्थिक ढांचे में रीढ़ की हड्डी की तरह हैं। इनका जीडीपी में योगदान लगभग 30 प्रतिशत और निर्यातों में लगभग 45 प्रतिशत योगदान है तथा ये 200 मिलियन से अधिक रोजगारों का सृजन करते हैं। 2025-26 के बजट में भारत के 5.7 करोड़ एमएसएमई को बहुत कुछ दिया गया है। 'विकसित भारत' के रास्ते पर चलने वाले देश में कृषि, एमएसएमई, निवेश व निर्यात को आर्थिक वृद्धि की प्रमुख संचालक शक्तियों के रूप में पहचाना गया है। भारत के सकल घरेलू उत्पाद-जीडीपी में एमएसएमई का हिस्सा लगभग 27 प्रतिशत है और इस प्रकार वह आर्थिक गतिविधियों तथा आर्थिक प्रगति में रीढ़ की हड्डी की तरह है।

इस क्षेत्र में छोटे पैमाने के कारीगर और स्थानीय सेवा प्रदाताओं से लेकर ग्रामीण व शहरी भारत में बढ़ते बिजनेस तक शामिल हैं। एमएसएमई विविधतापूर्ण हैं तथा भारत के औद्योगिक उत्पादन व खोज में उनका महत्वपूर्ण योगदान है। सरकार ने एमएसएमई को आर्थिक विस्तार का 'दूसरा इंजन' माना है और इसी रास्ते पर चलते हुए 2025-26 के बजट ने इस क्षेत्र की वित्तीय पहुंच, तकनीकी समेकन तथा बाजार संपर्कों को बढ़ावा देने के लिए प्रमुख सुधारों की घोषणा की है। इस दिशा में उल्लेखनीय कदम एमएसएमई को कर्ज गारंटी बढ़ा कर 5 करोड़ से 10 करोड़ करना है। इससे उनको अगले पांच साल में 1.5 लाख करोड़ रुपये का अतिरिक्त कर्ज मिल जाएगा। निवेश एवं टर्नओवर सीमाओं का विस्तार कर 20.09 मिलियन पंजीकृत एमएसएमई को अब तकनीकी उच्चीकरण तथा क्षमताओं के निर्माण के लिए पूंजी तक आसान पहुंच सुनिश्चित होगी। इनमें 19.4 मिलियन सूक्ष्म उद्यम, 5,54,000 लघु उद्यम तथा 52,000 मझोले उद्यम शामिल हैं।

परंपरागत रूप से एमएसएमई को सस्ते और समय पर कर्ज तक सीमित पहुंच, अनुपयुक्त ढांचागत संरचना तथा जटिल विनियमनों के कारण संघर्ष करना पड़ता था। बेहतरीन गारंटी कवर एमएसएमई और स्टार्टअप के लिए बहुत बड़ी समस्या रही है। बजट ने इसे संबोधित करने का प्रयास किया है तथा लगातार कुशल श्रम की निरंतर सप्लाई पर भी जोर दिया है।

जनवरी, 2025 में भारत में 159,000 से अधिक स्वीकृत स्टार्टअप थे और इस प्रकार उसने दुनिया में तीसरे सबसे बड़े स्टार्टअप इकोसिस्टम के रूप में अपना स्थान सुरक्षित कर लिया था। बजट में स्टार्टअप तथा पहली बार उद्यमिता के लिए विशेष फंडिंग विकल्प दिए गए हैं। इनसे ज्यादा से ज्यादा लोगों को अपने बिजनेस शुरू करने, खोज व रोजगार सृजन के लिए प्रोत्साहन मिलेगा। इस संबंध में 10,000 करोड़ रुपये की 'फंड आफ फंड्स स्कीम'-एफटीएस तथा प्रस्तावित 'डीप टेक् फंड' स्टार्टअप व खासकर एआई, जलवायु टेक् व एग्रीटेक् को महत्वपूर्ण पूंजी प्रदान करेंगे। एमएसएमई को ज्याद समर्थन तथा नीतियों में सुधार से बिजनेस सुगमता मजबूत होगी तथा भावी उद्यमियों के लिए तेज प्रगति का रास्ता खुलेगा।

नया सरलीकृत कराधान एवं नियामक ढांचा निजी पूंजी को आकर्षित करेगा जो आर्थिक वृद्धि तेज करने में अपनी भूमिका अदा करेगी। अनेक एमएसएमई श्रम-बहुल हैं जिनमें चमड़ा व कपड़ा उद्योग बड़े पैमाने पर रोजगारों का सृजन करते हैं। चमड़ा उद्योग में उत्पादकता में सुधार तथा निर्मित वस्तुओं की गुणवत्ता में बेहतरी में सरकारी योजनाओं से सहायता मिलेगी। इनका लक्ष्य डिजाइन व मशीनरी में सहायता के साथ ही क्षेत्र की निर्यात संभावनाओं में सकारात्मक योगदान देना है। इससे रोजगार सृजन में भी बढ़ोत्तरी होगी। सरकार का उद्देश्य भारत को खिलौनों का केन्द्र बनाना है। इसमें एमएसएमई की पहचान क्लस्टरों के रूप में कर एक ऐसे इकोसिस्टम का निर्माण किया जा सकता है जो दुनिया भर में भारतीय खिलौना निर्माताओं के लिए विनिर्माण का आधार प्रदान कर सकता है। इन क्लस्टरों का प्रयोग कर भारतीय खिलौना निर्माता दुनिया भर में अपने खिलौनों के निर्यात की संभावनायें खोज सकते हैं। वित्त मंत्री सुश्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश बजट में खाद्य प्रसंस्करण पर भी खास ध्यान दिया गया है। खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण उपस्थिति और मजबूत कर एमएसएमई देश की तेज आर्थिक प्रगति का रास्ता खोल सकते हैं। इससे स्वयं एमएसएमई क्षेत्र भी और मजबूत होगा। खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को मजबूती मिलने से किसानों को भी अपने उत्पाद बेचने का और अवसर मिलेगा। इससे उनको अपने कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन का अवसर मिलेगा तथा खासकर देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र में रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलेगा। इस क्षेत्र में आर्थिक अवसरों के विस्तार की आवश्यकता है जिसमें एमएसएमई व खाद्य प्रसंस्करण महत्वपूर्ण योगदान कर सकते हैं। बजट में प्रस्तावित प्रत्यक्ष कर लाभों से उपभोग-आधारित मांग बढ़ेगी। कर छूट की सीमा बढ़ा कर 12 लाख करने से करदाताओं के हाथ में ज्यादा पैसा बचेगा जिसे वे उदारतापूर्वक खर्च कर सकेंगे। इससे अर्थव्यवस्था मजबूत होगी तथा जीवनशैली में भी सुधार आएगा। इससे एमएसएमई उत्पादन को गति मिलेगी तथा उनकी समग्र वृद्धि एवं विकास को प्रोत्साहन मिलेगा। कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ की हड्डी है और उसे उचित ही बजट में महत्वपूर्ण स्थान मिला है।

हमारे अधिकांश किसान छोटी व मझोली जोतों वाले हैं और इस प्रकार वे भी एमएसएमई की श्रेणी में आते हैं। कम उत्पादकता, कम फसल गहनता तथा औसत से भी कम कर्ज लेने वाले 100 जिलों पर ध्यान केन्द्रित कर कृषि उत्पादन बढ़ाने का लक्ष्य बजट में रखा गया है। केन्द्रीय बजट में दालों तथा फलों और सब्जियों की खेती को प्रोत्साहन देने के लिए मिशनों की घोषणा की गई है। इसके साथ ही खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के लिए कर्ज तथा प्रोत्साहन की अनेक योजनायें बजट में शामिल की गई हैं। इससे ग्रामीण भारत के पिछड़े क्षेत्रों के विकास में सहायता मिलेगी तथा शहरों को पलायन में काफी सीमा तक कमी आएगी। 'किसान क्रेडिट कार्ड' की कर्ज सीमा में काफी वृद्धि स्वागत योग्य है।

भारत के परंपरागत टेक्सटाइल को कपास उत्पादन में टिकाऊ व्यवहारों के प्रयोग से वृद्धि तथा तकनीकी सहायता के माध्यम से मिशन मोड में बढ़ाने का प्रयास किया गया है। इससे न केवल कपास पैदा करने वाले किसानों, बल्कि भारतीय टेक्सटाइल उद्योग को भी लाभ होगा और वह अपनी अतीत की गरिमा पुन: प्राप्त करने का प्रयास कर सकेगा। पड़ोसी बांग्लादेश में राजनीतिक उथलपुथल के बाद वहां अनेक टेक्सटाइल इकाइयां गंभीर संकट में फंस गई हैं। इससे भारतीय टेक्सटाइल कंपनियों के समक्ष नए अवसर पैदा हुए हैं।

ग्रामीण भारत में विशाल सप्लाई श्रृंखला वाली 'भारतीय डाक' में परिवर्तन के प्रस्ताव से ग्रामीण कारीगरों को उद्यमियों व बाजारों से जोड़ने में सहायता मिलेगी। इन कदमों से एमएसएमई तथा स्टार्टअप की वृद्धि तेज होगी, भारतीय अर्थव्यवस्था के प्रमुख संचालक के रूप में उनकी भूमिका मजबूत होगी तथा सरल सीमापार भुगतानों की आवश्यकता उजागर होगी। इससे विश्व व्यापार को सहज बनाने में सहायता मिलेगी जिसमें सेवाओं का निर्यात भी शामिल है। 'ब्याज समानीकरण योजनाओं' से आपरेशनल बाधायें दूर होंगी तथा एमएसएमई व स्टार्टअप की ज्यादा से ज्यादा इकाइयों का गठन होगा।

अस्मिताओं के विविध रंग

पहचान के कई पहलुओं में से, त्वचा का रंग अंतर के सबसे प्रमुख लेकिन विभाजनकारी चिह्नों में से एक है।

एलीना हुसैन
(लेखिका, विधि छात्रा हैं)

विविधता, एक विलक्षण शब्द जो गहराई रखता है, हमारी परिधि के भीतर हर क्षितिज तक फैला हुआ है। हर चीज़, चाहे मूर्त हो या अमूर्त, विविधता की एक लकीर रखती है, जो सिर्फ़ एक से ज़्यादा रूपों में मौजूद होती है। मानव जाति इस सिद्धांत का सबसे बेहतरीन प्रमाण है, जो बेजोड़ तरीके से विविधता के व्यापक उतार-चढ़ाव को दर्शाता है। कोई भी दो इंसान बिल्कुल एक जैसे नहीं होते, चाहे उनमें कितनी भी समानता क्यों न हो। स्पष्ट रूप से लिंग, जातीयता, राष्ट्रीयता से लेकर डीएनए के सूक्ष्म तंतुओं तक, विविधता अस्तित्व को परिभाषित करती है। मानव विविधता के कई आयामों में से, त्वचा का रंग सबसे ज़्यादा दिखाई देने वाला लेकिन सबसे ज़्यादा विभाजनकारी है। मानव त्वचा का स्पेक्ट्रम काले, भूरे, सफ़ेद और यहाँ तक कि पीले रंग के रंगों में भी फैला हुआ है, जो एक ऐसा पैलेट बनाता है जो सह-अस्तित्व का प्रतीक होना चाहिए। हालाँकि, विविधता की एक प्राकृतिक अभिव्यक्ति के रूप में स्वीकार किए जाने के बजाय, इस स्पेक्ट्रम को ऐतिहासिक रूप से एक पदानुक्रम में विकृत कर दिया गया है। गहरे रंग, जिन्हें गलत तरीके से सबसे नीचे रखा गया है, ऊपर के हल्के रंगों को दिए जाने वाले विशेषाधिकारों के बिल्कुल विपरीत हैं। रंगों के इस स्तरीकरण ने जीवन के अनुभवों को आकार दिया है, जो अक्सर अवसरों, व्यवहार और सामाजिक धारणाओं को निर्धारित करता है। भारत, अपनी समृद्ध सांस्कृतिक और आनुवंशिक विविधता के साथ, इस पैमाने की लगभग पूरी श्रृंखला को समाहित करता है। वैश्विक नज़रिए से, भारतीय और उनके दक्षिण एशियाई पड़ोसी बीच में आते हैं - भूरा।

भूरे रंग का यह दाग राष्ट्रीय सीमाओं से परे, उन महाद्वीपों में दिखाई देता है जहाँ दक्षिण एशियाई लोग प्रवास करके बस गए हैं। हालांकि, एक चित्रकार के पैलेट पर रंगों के विपरीत, जो नए रंगों को बनाने के लिए मिश्रित होते हैं, मानव समाज सहज एकीकरण का विरोध करते हैं। इसके बजाय, नस्लीय पहचान असंगत रहती है, कभी-कभी तो अमिश्रणीय भी। सफेद-धुले होने की अवधारणा इस प्रतिरोध की एक ऐसी अभिव्यक्ति है - एक अवलोकन जो उन लोगों पर लक्षित है जो पश्चिमी रीति-रिवाजों को अपनाते हैं, जिसका अर्थ है कि गोरेपन के प्रभाव में उनकी मूल संस्कृति कमजोर हो रही है। हालांकि, दक्षिण एशियाई लोगों का अपनी सांस्कृतिक जड़ों से गहरा जुड़ाव रहा है। विदेशी धरती पर भी, भूरे रंग के व्यक्तियों के समुदाय एक साथ रहते हैं, तथा अपने लोगों के बीच आराम और अपनापन पाते हैं। एकता का यह स्वाभाविक कार्य राष्ट्रीय पहचान से परे है, जो भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश और श्रीलंका के लोगों को मुख्य रूप से श्वेत समाजों में केवल भूरे रंग के रूप में पहचान करने की अनुमति देता है। प्रवास राजनीतिक सीमाओं को समाप्त कर देता है, राष्ट्रीयता के बजाय साझा अनुभवों में निहित रिश्तेदारी की भावना को बढ़ावा देता है।

दक्षिण एशियाई लोगों के पश्चिम की ओर प्रवास का प्राथमिक कारण ऐतिहासिक रूप से बेहतर आजीविका की खोज रहा है। इस आंदोलन की जड़ें 19वीं सदी के उपनिवेशीकरण में देखी जा सकती हैं, जहाँ गोरे यूरोपीय लोगों ने खुद को श्रेष्ठ नस्ल के रूप में स्थापित किया, जबकि भूरे और काले लोगों को निम्न दर्जे पर रखा। यह नस्लीय पदानुक्रम न केवल थोपा गया था, बल्कि गहराई से आत्मसात किया गया था, जो पीढ़ियों से समाजों की मानसिकता में समाहित हो गया था। इस संरचित श्रेष्ठता के परिणाम आज भी जारी हैं, जो आज भी धारणाओं और अवसरों को सूक्ष्म रूप से प्रभावित कर रहे हैं।

हालाँकि, प्रत्यक्ष, संस्थागत नस्लीय भेदभाव का युग बीत चुका है, लेकिन इसके अवशेष अभी भी बने हुए हैं। मौन नस्लवाद सूक्ष्म लेकिन लगातार तरीकों से प्रकट होता है- किसी स्टोर में पीछा किया जाना, निर्दोष साबित होने से पहले दोषी मान लिया जाना, या बदबूदार या असभ्य जैसे स्टीरियोटाइप में टाइपकास्ट किया जाना। रंग के लोगों द्वारा झेले जाने वाले अव्यक्त पूर्वाग्रह सामाजिक बातचीत में इतने गहरे तक समा सकते हैं कि वे कभी-कभी सवाल करते हैं कि भेदभाव के उनके अनुभव वास्तविक हैं या काल्पनिक। लेकिन सिर्फ़ इसलिए कि नस्लवाद शांत हो गया है इसका मतलब यह नहीं है कि यह गायब हो गया है। हालाँकि, कभी-कभी यह चुप्पी पूर्वाग्रह की खुली अभिव्यक्ति का रास्ता देती है। फिर सवाल उठता है: क्या नस्लवाद को भुलाया जा सकता है? क्या सदियों से विकसित गहरे पूर्वाग्रहों को मिटाया जा सकता है? कुछ लोग तर्क देते हैं कि नस्लवाद भ्रम की नींव पर बना है- किसी वैज्ञानिक या तार्किक आधार के बजाय सत्ता संरचनाओं को बनाए रखने के लिए बनाया गया एक झूठा निर्माण। वाणिज्य, वैश्वीकरण और शिक्षा इन पूर्वाग्रहों को खत्म करने की दिशा में रास्ता बना सकते हैं, लेकिन यात्रा लंबी और अनिश्चित है। फिर भी नस्लवाद एकतरफा नहीं है। जिस तरह से रंग के लोग श्वेत-बहुल समाजों में भेदभाव का सामना करते हैं, उसी तरह दक्षिण एशियाई देशों में भी श्वेत व्यक्ति नस्लवाद का अनुभव करते हैं।

आप की बात

दिल्ली में चौरंगी चुनाव

दिल्ली विधानसभा चुनाव में मुख्य रूप से चार पार्टियों ने सभी 70 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं. आमआदमी पार्टी, भाजपा+2 सहयोगी, बीएसपी और कांग्रेस के 70 सीटों पर प्रतिनिधि चुनाव मैदान में हैं. यमुना में जहर है या अमृत आज चुनावी कुम्भ रूपी ईवीएम में अपनी अंगुलियों के मार्फ़त जनता अपने मत को उसमें मंथन हेतु प्रवेशित कर देगी. किसी ने यमुना के पानी में जहर होने की बात कही तो किसी ने उसमें बढ़ती गंदगी को साफ़ करने का आश्वासन दिया और किसी ने उसपर अपनी सफाई पेश की. चूँकि जनता निर्णायक है. न तो वो जहर समझती है न ही गंदगी और न ही फ्री रेवड़ी. वो तो सिर्फ दूध का दूध और पानी का पानी करना जानती है. वो भी मतदान के जरिए मात्र एक चुटकी से. दिल्ली में चुनाव चतुरंगी हैं. प्रमुख रुप से चार राजनीतिक पार्टियां चुनाव मैदान में हैं शेष कुछ-कुछ अपनी किस्मत आजमाने हेतु मैदान में है. भले ही दिल्ली में चार पार्टियां पूरी 70 सीटों पर चुनाव लड़ रही हैं किन्तु प्रमुख रूप से त्रिवेणी मुकाबले की ही संभावना है. उसमें से भी मुख्य टक्कर आप व भाजपा के बीच ही नजर आ रही है. कांग्रेस कुछ जोर आजमाइश अवश्य कर सकती है. बाकी पार्टियां इन तीनों का खेल बिगाड़ने में अपनी भूमिकाएं अवश्य निभाएंगी। कहीं ऐसा न हो कि केंद्र में एनडीए राज कर रही है और दिल्ली में पार्टियों की खिचड़ी ही न बन जाये।

- **शकुंतला महेश नेनावा,** इंदौर

आठवां वेतन आयोग

अब आठवें वेतन आयोग की सुगबुगाहट सरकारी कर्मचारियों के लिए आनन्द का विषय है किन्तु क्या आयोगों की कृपा से इन सरकारी कर्मियों की असीमित वेतन वृद्धि असंगठित क्षेत्र के कर्मियों, दैनिक श्रमिकों, लघु व्यवसायियों, निजी क्षेत्र के कर्मियों की दृष्टि से कुछ उत्साहजनक है ? स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय के शिक्षकों की बात करें तो जहाँ सरकारी संस्थानों अथवा सरकारी सहायता प्राप्त पदों के शिक्षकों के वेतन और अन्यों (जिनकी योग्यता और प्रतिभा उन भारी भरकम वेतन पाने वालों के समकक्ष या उनसे अधिक रहती है) को अपेक्षाकृत इतना कम वेतन मिलता है जिसमें जीवन यापन भी कठिन हो । वेतन आयोग के कारण सरकारी कर्मियों की वेतनवृद्धि जिस अनुपात में होती है समाज में उतनी ही आर्थिक असमानता बढ़ती है और कम आय वालों में उतना ही असंतोष । क्या समान कार्य के लिए वेतन की समानता का सिद्धान्त आदर्श नहीं है ? क्या वेतन आयोगों के माध्यम से सरकारी कर्मियों को उच्च वेतन निजी क्षेत्र के श्रमिकों और शैक्षणिक योग्यता होने पर भी कोई योग्य नौकरी न पा सकने वालों के अनुपात में बहुत अधिक होना सामाजिक अन्याय नहीं ? अत: इन वेतन आयोगों से यही अपेक्षा है कि वेतन वृद्धि यदि प्रस्तावित हो भी तो उतनी जिससे सरकारी नौकरी नहीं पा सकने के कारण निजी क्षेत्र में कार्यरत कर्मियों में असंतोष न हो और सभी साथ मिलकर आगे बढ़ें । - **डॉ जय प्रकाश गुप्ता,** अंबाला छावनी

रणनीतिक मोलभाव का दौर

रूस और यूक्रेन के बीच लंबे समय से जारी युद्ध ने वैश्विक राजनीति को कई अनिश्चितताओं के भंवर में डाला है। इसी बीच, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का ताजा बयान न केवल चौंकाने वाला है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में एक नए अध्याय का सूचक भी है। ट्रंप ने यूक्रेन को सैन्य और आर्थिक सहायता जारी रखने का आश्वासन तो दिया, लेकिन इसके बदले एक ऐसी शर्त रखी जो वैश्विक मंच पर नई बहस छेड़ सकती है—अमेरिका को यूक्रेन की दुर्लभ खनिज संपदा तक विशेष पहुंच। यह प्रस्ताव न केवल अमेरिका की आर्थिक और तकनीकी महत्त्वाकांक्षाओं को उजागर करता है, बल्कि उसके रणनीतिक दृष्टिकोण को भी स्पष्ट करता है। ट्रंप का कहना है कि यूरोपीय सहयोगियों की तुलना में अमेरिका ने यूक्रेन को कहीं अधिक सहायता दी है, और अब वह अपने निवेश के बदले रणनीतिक संसाधनों की सुरक्षा चाहता है। दूसरी ओर, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने साफ कर दिया कि उनकी संप्रभुता और हितों से कोई समझौता नहीं होगा। ट्रंप का यह बयान युद्ध के अंत की उम्मीदें भी जगाता है, क्योंकि उन्होंने अमेरिका की सक्रिय भूमिका का वादा किया है। लेकिन यह प्रस्ताव यूक्रेन की अर्थव्यवस्था और वैश्विक कूटनीति पर क्या असर डालेगा, यह आने वाला वक्त ही बताएगा।

- **आर के जैन,** बड़वानी, मप्र

केजरीवाल के आरोप

केजरीवाल बहुत ही चालाक और झूठे हैं। वे जानते हैं कि हारने के बाद ईवीएम हैक होने का आरोप प्रभावहीन हो चुका है। इसलिए उन्होंने दिल्ली चुनाव की वोटिंग के पहले ही न केवल बीजेपी कार्यकर्ताओं द्वारा गुंडागर्दी बल्कि पुलिस द्वारा भी उनके विरुद्ध गुंडागर्दी का आरोप लगाना शुरू कर दिया। वे मुख्य चुनाव आयुक्त पर उनका नाम लेकर भी अति गंभीर आरोप लगा रहे हैं। इसके पहले वे हरियाणा सरकार द्वारा यमुना के पानी में जहर मिलाने तक का आरोप लगा चुके हैं। उस पर चुनाव आयोग द्वारा स्पष्टीकरण मांगने पर उन्होंने यह भी आरोप लगा दिया कि उन्हें गिरफ्तार करने का षडयंत्र रचा जा रहा है। केजरीवाल इतने स्तरहीन हैं कि वे कई संवैधानिक पदों पर बैठे व्यक्तियों पर अति स्तरहीन, आधारहीन और झूठे आरोप बिना संकोच के हमेशा लगाते रहे हैं। पीएम मोदी, ईडी, चुनाव आयोग, मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार पर स्पष्ट झूठे आरोप के साथ वे और उनकी पार्टी के लोग न्यायपालिका पर भी अप्रत्यक्ष संदेह प्रकट करने से नहीं चूकते। संभावना है कि 8 फरवरी को उनके स्तर के अनुसार ही उन्हें चुनाव परिणाम जरूर मिलेगा।

- **ललित दुबे,** रतलाम

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

पंचायत प्रतिनिधि सम्मेलन में बड़ी संख्या में शामिल हुए जन प्रतिनिधि

● राज्यमंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने सम्मेलन को किया संबोधित

संवाददाता। रायबरेली

लालगंज स्थित मामा गेस्ट हाउस में आयोजित पंचायत प्रतिनिधि सम्मेलन में सरेनी, लालगंज व डलमऊ ब्लाक के भारी संख्या में जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभारी दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि विनम्रता ही मेरी संस्कृति है तथा सेवा ही मेरा धर्म है। मैने सदैव ही जनप्रतिनिधियों की मांग पर करोडों के विकास कार्य कराये है। जिले की ऐसी कोई ग्रामसभा नही है जहां मेरे द्वारा करोडो के विकास कार्य न कराये गये हों। अधिकांश ग्राम प्रधानों, बीडीसी सदस्यो व जिला पंचायत सदस्यो ने मुख्य मार्गो से गांवसभा तक सड़के व सीसी रोड बनवायें जाने की मांग की जिसमें अधिकांश मांगो को उन्होने तत्काल मौके पर ही स्वीकृत कर लिया। राज्यमंत्री ने कहा कि जनप्रतिनिधियों के अधिकारो को दिलाना मेरा कर्तव्य है। मै सभी जाति, धर्म के लोगो के लिये सदैव सेवारत रहूंगा। मंत्री ने कहा कि मेरी सेवा के कारण ही एमएलसी के चुनाव में प्रतिनिधियों ने मुझे 95 प्रतिशत मत देकर विजयी बनाया।

राज्यमंत्री ने कहा कि उन्होने अपनी क्षमता से अधिक विकास कार्य कराये है तथा जिले के कुल 980 ग्रामसभाओं में लगे विकास संबधी पत्थर स्वयं इसका प्रमाण है। उन्होने कहा कि मेरा सकल्प है कि हारी हुई बाजी जीतकर ही दम लूंगा। सम्मेलन में 6 बार के प्रधान रामसुंदर यादव ने कहा कि मंत्री जी के स्वभाव के कारण ही हम तन, मन, धन से इनके साथ है। किसन वोट दिया किसने नही इस बात को भूलकर सिर्फ और सिर्फ विकास पर ध्यान दें आपको विजयश्री अवश्य मिलेगी।

डीआईजी ने ग्राम प्रहरियों को दीं साइकिलें, किया गांव में गश्त

संतकबीरनगर। पुलिस उप महानिरीक्षक बस्ती परिक्षेत्र बस्ती दिनेश कुमार पी. द्वारा पुलिस अधीक्षक सत्यजीत गुप्ता की उपस्थिति में रिजर्व पुलिस लाइन में नवनिर्मित महिला आरक्षी बैरक, 5जी टाइप बिल्डिंग व महिला/पुरुष की जेटीसी (ट्रेनिंग) के दृष्टिगत आरटीसी बैरक का किया गया निरीक्षण, संबंधित को दिये आवश्यक दिशा-निर्देश। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह, क्षेत्राधिकारी कोतवाली अजीत चौहान, सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। पुलिस उप महानिरीक्षक बस्ती परिक्षेत्र बस्ती द्वारा पुलिस लाइन सभागार कक्ष में जनपद के ग्राम प्रहरी महिला/पुरुष के साथ की गयी गोष्ठी व साइकिल वितरित किया गया, संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया।

इसी क्रम में रिजर्व पुलिस लाइन में ग्राम प्रहरी महिला/पुरुष के साथ गोष्ठी की गयी। जनपद में महिलाओं / बालिकाओं के सुरक्षार्थ/स्वालंबन व सशक्त एवं सुरक्षित वातावरण देने का प्रयास के दृष्टिगत महिला प्रहरियों को साइकिल प्रदान किया गया साथ ही पुरूष प्रहरियों को गश्त आदि हेतु साइकिल वितरित की गईं।

जालौन में 10 से 25 फरवरी तक चलेगा फाइलेरिया उन्मूलन अभियान

संवाददाता। उरई, जालौन

जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक डॉ दुर्गेश कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में एमडीए अभियान के अन्तर्गत जनपद स्तरीय अर्न्तविभागीय समन्वय समिति की द्वितीय बैठक कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। डा. एनडी शर्मा, मुख्य चिकित्सा अधिकरी के द्वारा फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के अन्तर्गत एमडीए फरवरी 2025 अभियान के बारे में समस्त संहयोगी विभागों के उत्तरदायित्वों एवं अब तक की गयी तैयारियों के बारे में विस्तृत रूप से अवगत कराया गया।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा यह भी बताया गया कि शासन द्वारा दिये गये निर्देशों के क्रम में उपरोक्त कार्यक्रम जनपद जालौन के केवल डकोर ब्लाक में ही चलाया जायेगा। तत्पश्चात चन्द्रशेखर, जिला मलेरिया अधिकारी के द्वारा एमडीए कार्यक्रम के सम्बन्ध में की जा रही तैयारियों के बारे में जानकारी दी गयी जनपद के ब्लाक डकोर की कुल जनसंख्या 162764 है। एमडीए अभियान 10 से 25 फरवरी 2025 तक ब्लाक डकोर में चलाया जायेगा। 10 फरवरी को जनप्रतिनिध के द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र डकोर से कार्यक्रम का शुभारम्भ किया जायेगा। अभियान के दौरान डीईसी व एल्बेन्डाजोल दवा खिलाने हेतु 130 टीमें गठित की गयीं हैं। जिसमें 260 ड्रग एडमिनिस्ट्रेटर लगाये गये है। जिसमे आशा, ऑगनवाड़ी कार्यकत्री, एवं स्वंय सेवी कार्यकर्ता कार्य करेंगें। निगरानी के लिये 26 सुपरवाइजरों को तैनात किया गया है। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र डकोर को प्रचार-प्रसार हेतु आईईसी सामग्री उपलब्ध करा दी गयी है। राज्य मुख्यालय से जनपद को दवा प्राप्त हो गयी है। कार्यक्रम के दौरान दवा खिलाये जाने हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र डकोर को 168000 एलबेडाजोल की गोलियां तथा 412500 डीईसी की गोलियां उपलब्ध करायी गयी है। यह दवा गर्भवती महिलाओं एवं गम्भीर बीमारी से पीड़ित मरीजों को एवं 1 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को नहीं खिलाई जायेगी।

तेंदुए ने दो मवेशियों को बनाया निवाला, गांव में दहशत

श्रावस्ती, सिरसिया। विकास खंड सिरसिया अंतर्गत दर्जन भर गांव सोहेलवा वन रेंज से सटे हुए हैं इनमें से अधिकांश गांवो में अक्सर मानव वन्यजीव संघर्ष की घटनाएं घटती रहती हैं जंगली जानवरों द्वारा किए जाने वाले इन हमलो में पालतू जानवरों व ग्रामीणों को गम्भीर क्षति पहुचता है इन सब बावजूद वन विभाग घटना घटित होने बाद औपचारिकता पूरी कर कुम्भकर्णी नींद में सोता रहता है वह सिर्फ ग्रामीणों को सतर्क रहने को कह देता है और स्वयं कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा है हिंसक जानवरों इन हमलों से ग्रामीणों में दहशत व्याप्त है।

बीते ग्यारह जनवरी को हुए हमले में लक्ष्मीनरायण मडहे में बंधे बछड़े को निवाला बनाने की घटना बाद वन कर्मियों ने सुबह मौ पर पहुंच कर औपचारिकताएं पूरा करने बाद तेंदुए पकड़ने की बात कही लेकिन तीन सप्ताह पूरा होने बाद भी अब तक पिंजड़े का इंतजाम नहीं हो सका नतीजा तीन फरवरी की रात तेंदुए ने दो अलग अलग गांव बालू व घोलिया में लक्ष्मी नरायण तथा ओंकार गाय को निवाला बना डाला इन गांवों में आए दिन जंगली जीवों हमले होते रहते हैं इस बावजूद सुरक्षा की दृष्टि से इन गांवों में प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था नही है जिससे ग्रामीण अपने आप को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

वही रेंजर अनिमेष वर्मा ने बताया कि प्राकृतिकवास से छेड़ छाड कारण हिंसक जानवर आबादी की ओर रुख करते है जिससे आए दिन घटनाएं घटती है तेंदुए को पकड़ने लिए विभाग को पत्राचार किया गया है। घोलिया गांव निवासी प्रधान पति विनय कुमार ने बताया कि घोलिया गांव में तेन्दुए का हमला रविवार की देर शाम सात बजे करीब हुआ इस बाद ग्रामीण दहशत में आ गए हैं। लोग पूरी रात लोग सो नहीं पा रहे हैं वह रात भर जागकर खुद व अपने मवेशियों की रखवाली करने को विवश है

सदर विधायक अदिति सिंह ने किया विभिन्न निर्माण कार्यों का लोकार्पण

संवाददाता। रायबरेली

विधायक सदर अदिति सिंह द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजना के तहत विकास क्षेत्र अमावां अन्तर्गत निर्मित आंगनबाडी केन्द्रों, स्कूल बाउन्ड्रीवाल व इण्टर लाकिंग का लोर्कापण किया गया। मनरेगा से निर्मित इन कार्यों में कोटे की दुकान व जनसुविधा केन्द्र संचालन हेतु निर्मित अन्नपूर्णा भवन बघई अहलवार, पी0एम0 श्री विद्यालय अमावां बाउन्ड्रीवाल निर्माण, आंगनबाडी केन्द्र व स्कूल बाउन्ड्रीवाल ताजपुर, आंगनबाडी केन्द्र रूपामऊ व इण्टर लाकिंग कार्यों के शिलापट्ट का अनावरण कर लोकार्पित किया गया।

इसके अतिरिक्त मा0 विधायक अदिति सिंह द्वारा मनरेगा व राज्य वित्त के अभिसरण से बघई अहलवार में लर्निंग लैब के रूप में विकसित किये गये आंगनबाडी केन्द्र का लोकार्पण भी किया गया। आंगनबाडी केन्द्रों पर गर्भवती महिलाओं के गोद भराई एवं बच्चों के अन्नप्राशन का कार्यक्रम भी किया गया।विधायक अदिति सिंह अपने उद्बोधन में ग्रामवासियों से कहा कि मनरेगा अब केवल ग्रामीण परिवारों को 100 दिवस का रोजगार देने का माध्यम नही रह गयी है, बल्कि ग्रामीण विकास की धुरी बन गयी है।

उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य अच्छे आंगनबाडी केन्द्रों का निर्माण कर व स्कूलों में सुविधाओं का विस्तार कर भारत के भविष्य को उज्वल बनाना है। विधायक अदिति सिंह ने स्थानीय ग्रामवासियों को इन कार्यों के निर्माण की बधाई दी तथा बच्चों को नियमित स्कूल व आंगनबाडी केन्द्र भेजने के लिए प्रेरित किया। सभी कार्यक्रमों के दौरान खण्ड विकास अधिकारी अमावां उपस्थित रहे तथा सभी कार्यक्रमों में खण्ड विकास अधिकारी के द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के सर्वे के विषय में सभी ग्रामवासियों के साथ जानकारी साझा करते हुए सर्वेयर के साथ-साथ स्वयं के द्वारा भी सेल्फ सर्वे करने की अपील की गयी।

ग्रामीणांचल में विद्युतापूर्ति के दावे हो रहे खोखले

जालौन, उरई। निजी नलकूप को 24 घंटे में बमुश्किल छह से सात घंटे बिजली की आपूर्ति की जा रही है। पीड़ित किसानों ने एसडीएम को शिकायती पत्र देकर बिजली व्यवस्था में सुधार कराने की मांग की है। तहसील क्षेत्र के ग्राम गुलाबपुरा निवासी हिम्मतराम, रामू गुर्जर, चंद्रभान सिंह, संतोष कुमार, सूरज सिंह, भारत सिंह, दिलीप कुमार आदि ने एसडीएम विनय मौर्य को शिकायती पत्र देकर बताया कि उनका निजी नलकूप गाटा संख्या 71ध्2 में लगा है। यह नलकूप चालू हालत में है और नलकूप को बिजली कनेक्शन दिया गया है। इस समय फसल को सिंचाई की आवश्यकता है। लेकिन खकसीस बिजलीघर के अमखेड़ा फीडर से जुड़े इस नलकूप को 24 घंटे में बमुश्किल छह से सात घंटे ही बिजली दी जा रही है। बिजली न आने से नलकूप भी नहीं चल पा रहा है और सिंचाई व्यवस्था प्रभावित हो रही है। पीड़ित किसानों ने यदि नलकूप को पर्याप्त बिजली न मिली तो फसल खराब होने की आशंका है।

क्विक न्यूज

स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी संगठन की मासिक बैठक संपन्न

अमेठी। जिला मुख्यालय के गौरीगंज विकासखंड के सभागार में स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी संगठन की मासिक बैठक संपन्न हुई, जिसमें संगठन से जुड़े लोगों की समस्याओं पर विस्तृत से चर्चा हुई। संगठन के जिला उपाध्यक्ष परमानंद मिश्रा तिलोई तहसील के स्वतन्त्रता सेनानी परिवारों की सूची तहसील प्रशासन द्वारा अभी तक न देने का मुद्दा उठाया। जिसे शीघ्र उपलब्ध कराने की बात कही। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा काफ़ी समय पहले स्वतंत्रता सेनानी सदन निर्माण के लिए जिला मुख्यालय पर जमीन चिन्हित कर उपलब्ध कराने के निर्देश का अनुपालन न होने का मुद्दा उठाया गया। जिस पर राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य राजेश कुमार सिंह ने संगठन के पदाधिकारियों द्वारा जल्द जिलाधिकारी से मिल कर इस मुद्दे पर बात करने का आश्वासन दिया। जिलाध्यक्ष अशोक कुमार द्विवेदी ने बताया कि जिलाधिकारी ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की सूची तीन दिन में बनाने के लिए सभी तहसीलों को पत्र लिखा था। लेकिन अभी तक सूची संगठन को नहीं मिली है। इसी तरह ग्राम सभाओं में शिलापट पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का नाम नहीं लिखा गया और जिला मुख्यालय पर महापुरुषों की मूर्ति न होने का भी मुद्दा उठाया बैठक में मौजूद सेनानी परिवार के सदस्यों ने बताया कि उनकी समस्याओं का भी समय से निस्तारण नहीं हो रहा है।

प्राण घातक हमले में 3 दोषियों को 5 वर्ष का कारावास

श्रावस्ती। प्राण घातक हमला करने के मामले में तीन दोषियों को जिला एवं सत्र न्यायाधीश राम मिलन सिंह ने पांच -पांच वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है साथ ही प्रत्येक पर सात सात हजार रूपये का अर्थदंड भी लगाया है अर्थदंड अदा न करने पर दोषियों को तीन -तीन माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। जिला शासकीय अधिवक्ता (फ़ौजदारी)के पी सिंह ने बताया की भिनगा कोतवाली क्षेत्र के ग्राम भवनिया पुर में पुरानी रंजिश को लेकर भिनगा क्षेत्र के भवनिया पुर निवासी शेष राम पर एक अप्रैल 2013 को शाम करीब साढ़े पांच बजे भिनगा क्षेत्र के छोट कई डीह निवासी बच्चा राम विनय कुमार माखन लाल व दीवान ने एक राय होकर हाथों में लाठी और लोहे का राड लेकर उनके दरवाजे पर आकर उन्हें मारने लगे। इस हमले में शेष राम के सिर पर गंभीर चोटे आई हमला वर मौके से भाग खडे हुए इस मामले में जग जीवन प्रसाद की तहरीर पर भिनगा कोतवाली में मुकदमा दर्ज किया गया था

प्रशासनिक कार्रवाई के चलते लोकेशन माफियाओं के अड्डों पर सन्नाटा

संवाददाता। कालपी, जालौन

लोकेशन माफ्रियाओं के खिलाफ प्रशासन द्वारा की गयी कार्रवाई का असर हुआ है। उनमें दहशत का माहौल है और रात के दौरान गुलजार रहने वाले हाईवे किनारे अड्डों पर सन्नाटा पसरा है।

विदित हो कि विगत कुछ वर्षो से खनिज के अवैध परिवहन को प्रशासनिक कार्यवाही से बचाने के लिए अधिकारियों की निगहबानी का खेल शुरू हुआ था हालांकि पहले महज गिनती के लोग थे जो मोबाइल फोन के जरिये विभागीय विभीषणों से सम्पर्क के जरिए इस कारोबार को संचालित करते थे जिसके एवज में उन्हें अपने सरकारी मुखबिरों को भुगतान भी करना पड़ता है लेकिन समय के साथ तरीका भी बदल गया है।

परिवहन कारोबारियों की माने तो ओवरलोड वाहनों को कार्यवाही से बचाने के लिए वह लोग लोकेशन कारोबारियों का सहारा लेते हैं। और शायद ट्रकों की संख्या बढ़ने के साथ यह काम भी रोजगार बन गया है और धीरे धीरे इस कारोबार में बड़ी संख्या में लोग कूंद पड़े थे जिनके गुर्गे वालू खदानो से लेकर हाईवे पर किसी न किसी रूप में मौजूद रहते हैं। उनके नेटवर्क का आलम यह है कि अधिकारी के घर से निकलने और वर्तमान स्थित की भी उन्हें जानकारी रहती है और इसी के चलते प्रशासनिक अधिकारी ओवरलोडिंग के खिलाफ अपेक्षित कार्यवाही नही कर पा रहे थे।

और यह कारोबार इतना फैल गया था कि इस कार्य में लगे लोग अधिकारियों के आगे पीछे मौजूद रहकर उनकी निगहबानी करने लगे थे जिसके चलते वह सही ढंग से कार्यवाही नही कर पा रहे थे लेकिन इसकी भनक जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय को लग गयी थी और उन्होंने बैठक कर जिम्मेदार अधिकारियों को लोकेशन माफ्रियाओं के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे।

जिसके चलते एसडीएम व सीओ ने लोकेशन माफ्रियाओं के नेटवर्क को खंगालना शुरू कर दिया था और कई दिनों की कवायद के बाद सब कुछ सामने आ गये थे और गत शुक्रवार की रात एसडीएम सुशील कुमार सिंह व सीओ अवधेश कुमार सिंह ने काँशीरामपुर तिराहा के पास वाहन संख्या यूपी 15 ए क्यू 4950 को कब्जे मे लिया था जिसमे लोकेशन माफ्रिया गौतम सिंह यादव मिल गया था।

अधिकारियों को उसके पास से मिले मोबाइल से ट्रक संचालकों तथा लोकेशन माफ्रियाओं के वाटसऐप ग्रुप मिले थे और उसी से लोकेशन के पूरे खेल का खुलासा हो गया था।

और खान निरीक्षक ने पकड़े गये लोकेशन कारोबारी समेत 6 नामजद और 21 चार पहिया वाहनों का भी खुलासा किया था। इतना ही नहीं पुलिस ने आनन फानन 3 और कारोबारियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। पुलिस की इस कार्यवाही का असर दिखने लगा है आलम यह है कि शाम होते ही गुलजार होने वाले स्थल गल्ला मण्डी के सामने, जोल्हूपुर मोड़ स्थित होटल व जोल्हूपुर चौराहा, काँशीरामपुर तिराहा, इटौरा, हरशंकरी, बरही बम्बा, बबीना तथा कदौरा चौराहे पर पर अब सन्नाटा पसरा है।

भले ही लोकेशन के कारोबारी अब हाईवे पर नहीं दिखते हो पर खनिज के अवैध परिवहन पर लगाम नही लगी है आलम यह है कि रात से लेकर सुबह तक मानक से अधिक मौरम लादकर गुजरते रहते है जिससे कारोबार बन्द होने पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

लोकेशन के शातिर खिलाड़ी प्रशासन की कार्यवाही के बाद यह खेल बन्द कर देगे इस पर विश्वास करना अभी फिलहाल ठीक नहीं है। जानकारों की माने तो उन्होंने तरीका बदल दिया है जिसकी जानकारी भी शीघ्र सामने होगा।

एचआईवी-एड्स विषय पर हुआ कार्यशाला का आयोजन

गोंडा। उ.प्र. राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी के तत्वाधान में एच0आई0वी0/एड्स विषय पर जनपद-गोण्डा में जिलाधिकारी श्रीमती नेहा शर्मा की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय मेन स्ट्रीमिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में जनपद के समस्त संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यशाला का उद्देश्य - उ0प्र0 एच0आई0वी0/एड्स संक्रमण के तहत नाको भारत सरकार द्वारा जारी एचआईवी खतरे की लाल सूची वाले प्रदेशों में शामिल हो चुका है, के प्रति जागरूक करना था। समस्त विभागों को मिलकर इस अभियान को सुदृढ बनाने एवं एच0आई0वी0-एड्स/ टी0बी0/ हेपेटाइटिस को रोकने में अपनी अग्रणी भूमिका निभानी होगी। इसके तहत नाको भारत सरकार ने 18 विभागों के साथ समझौता किया है। इसके लिए जिलाधिकारी ने समस्त विभागों को एक्शन प्लान बनाने एवं उस पर कार्य करने का निर्देश जारी किया, तथा हर तीन माह पर स्वयं उसका अवलोकन करने को कहा। इस कार्यशाला में अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 जयगोविन्द द्वारा एच0आई0वी0/एड्स के तकनीकी बिंदुओं पर चर्चा की।

जिला मजिस्ट्रेट ने ग्राम पंचायत उपचुनाव हेतु जारी की अधिसूचना

संतकबीरनगर। जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत एवं नगरीय निकाय)/जिला मजिस्ट्रेट महेन्द्र सिंह तंवर ने राज्य निर्वाचन आयोग, उत्तर प्रदेश, लखनऊ की अधिसूचना के क्रम में भारत के संविधान के अनुच्छेद 243ट सपठित्त संयुक्त प्रान्त पंचायत राज अधिनियम 1947 की धारा 12खख के अन्तर्गत प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जनपद के ग्राम पंचायत प्रधान/सदस्यों के आकस्मिक रूप से रिक्त स्थानों/पदों, जो न्यायालय के स्थगनादेश से बाधित न हो पर उपनिर्वाचन राज्य निर्वाचन आयोग, उत्तर प्रदेश, लखनऊ द्वारा विनिर्दिष्ट समय सारिणी के अनुसार कराये जाने की घोषणा की है।

उप निर्वाचन हेतु निर्धारित समय सारणी के अनुसार दिनांक 08 फरवरी 2025 (पूर्वाहन 10:00 बजे से अपराहन 04:00 बजे तक) को नाम निर्देशन पत्रों को जमा करने जमा करने की तिथि, दिनांक 10 फरवरी 2025 (पूर्वाहन 10:00 बजे से कार्य की समाप्ति तक) को नाम निर्देशन पत्रो की जांच, दिनांक 11 फरवरी, 2025 (पूर्वाह्न 10:00 से अपराहन 03:00 बजे तक) उम्मीदवारी वापस लेने की तिथि, दिनांक 11 फरवरी, 2025 (अपराहन 03:00 बजे से कार्य की समाप्ति तक) प्रतीक आवंटन की तिथि, दिनाँक 19 फरवरी, 2025 (प्रात. 07:00 बजे से सायं 05:00 बजे तक) मतदान की तिथि एवं दिनांक 21 फरवरी, 2025 (प्रात. 08:00 बजे से कार्य की समाप्ति तक) मतगणना का कार्य कराया जाना सुनिश्चित किया गया है।

जिला मजिस्ट्रेट ने निर्देशित किया है कि सम्बन्धित नियुक्त निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) उपर्युक्त सूचना के अधीन विकास खण्ड के रिक्त ग्राम पंचायत प्रधान/ग्राम पंचायत सदस्य पदों के निर्वाचन क्षेत्रों का पूर्ण विवरण देते हुये अपने स्तर से सार्वजनिक सूचना दिनांक-05 फरवरी, 2025 को निर्गत करेंगे।

स्वास्थ्य परीक्षण में चिकित्सकों ने लोगों को कैंसर के प्रति किया जागरूक

संवाददाता। जालौन, उरई

विश्व कैंसर दिवस पर सीएचसी में कैंसर के प्रति लोगों को जागरूक किया गया। उन्हें धूम्रपान और तंबाकू के सेवन से दूर रहने की सलाह दी गई। इस दौरान 79 मरीजों के स्वास्थ्य परीक्षण में तीन मरीजों को उच्च संस्थान में परीक्षण कराने की सलाह दी गई।

विश्व कैंसर दिवस पर सीएचसी में आने वाले मरीजों को कैंसर के प्रति जागरूक किया गया। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. केडी गुप्ता ने बताया कि कैंसर के प्रारंभिक लक्षणों में मुख के खुलने में परेशानी, जीभ निकालने में कठिनाई, मुख व गले या जबड़े में छाला या गांठ, जहां ज्यादातर तंबाकू सेवन की जाती है। लगातार अपच या निगलने में कठिनाई, आवाज में परिवर्तन, मस्सा तिल में कोई परिवर्तन, स्तन पर कोई गांठ का बढ़ना, असामान्य रक्त स्त्राव, कैंसर के प्रारंभिक और प्रमुख लक्षण है। डॉ. राजीव दुबे ने बताया कि कैंसर के छह स्टेज में प्रारंभिक तीन स्टेज तक कैंसर बीमारी के इलाज में सफलता हासिल की जा सकती है। कैंसर से बचाव के लिए धूम्रपान, तंबाकू, शराब एवं सुपारी का सेवन ना करें।

शारीरिक वजन का नियंत्रण रखना चाहिए, पोषित आहार ले और तेज धूप से बचें तथा सामान्य से अलग लक्षण दिखे तो प्रारंभिक अवस्था में जांच कराने से कैंसर से बचा जा सकता है। कहा कि हमें समाज से कैंसर जैसी भयावह बीमारी को खत्म करना है तो इसके लिए हर व्यक्ति को जागरूक होना जरूरी है।

स्वयं नशा पान, मध्यपान से दूर रहकर परिवार और अपने आसपास के लोगों को नशाखोरी से बचाकर कैंसर से भी बचा जा सकता है। इस दौरान 79 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जिनमें तीन संदिग्ध मरीजों को उच्च संस्थान में परीक्षण कराने की सलाह दी गई।

एसपी ने कोतवाली के निरीक्षण दौरान मालखाना, अभिलेखों पर रखा फोकस

कालपी, जालौन। पुलिस अधीक्षक ने मंगलवार को कोतवाली का वार्षिक निरीक्षण किया इस दौरान उन्होंने मालखाना के साथ अभिलेख व शस्त्रों को भी देखा तथा आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। विगत कई दिनों से कोतवाली मे सब कुछ दुरुस्त करने की कवायद चल रही थी जिसमे अभिलेखो के रखरखाव और सफाई व्यवस्था पर फोकस किया जा रहा था और सोमवार को जिले स्तर से आई टीम ने असलहों तथा कारतूस आदि का मिलान किया था और अब मंगलवार दोपहर में पुलिस अधीक्षक डा. दुर्गेश कुमार ने निरीक्षण किया है इस दौरान उन्होंने मालखाना में रखे सामान के रखरखाव और उनकी मौजूदगी के बारे में जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने अभिलेखों का भी निरीक्षण किया जिसमें उनके रखरखाव के साथ विभिन्न रजिस्टरों में अपराध और अपराधियों के बारे दर्ज जानकारियों को देखा इसके अलावा उन्होंने कोतवाली परिसर में निरुद्ध वाहनों के निस्तारण करने के टिप्स देकर परिसर की सफाई व्यवस्था का जायजा लिया और अन्त में कोतवाली स्टाफ के साथ बैठक कर लम्बित विवेचनाओं के अतिशीघ्र तथा गुणवत्ता पूर्वक निस्तारित करने के निर्देश देते हुए जनता से अच्छा व्यवहार करने की भी नसीहत दी।

मानव तस्करी विरोधी अभियान के तहत की गई छापेमारी

कालपी, जालौन। श्रम विभाग एवं मानव तस्करी विरोधी थाना प्रभारी निरीक्षक विवेक कुमार मौर्या की संयुक्त टीम ने कालपी बाजार में बाल श्रम के खिलाफ अभियान चलाया। इस दौरान टीम ने चार स्थानों में किशोरों को काम करते हुए पकड़ लिया, इसके बाद संयुक्त टीम ने चार दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई की। शासन की नीतियों के मुताबिक शासन से किशोरों से काम कराने पर रोक लगी हुई है, जिसके बावजूद कई दुकानदार नाबालिगों से काम करवाते हैं। नाबालिगों से काम कराने के रोक के लिए मानव तस्कर विरोधी थाना प्रभारी पुलिस लाइन उरई में स्थापित किया गया था। जिला प्रशासन के निर्देश पर श्रम प्रवर्तन अधिकारी जगदीश वर्मा, मानव तस्कर विरोधी थाना प्रभारी विवेक कुमार मौर्या, उपनिरीक्षक विश्वनाथ सिंह की संयुक्त टीम ने कालपी बाजार में छापा मारकर अभियान चलाया तथा घूम-घूमकर दुकानों का निरीक्षण किया। इस दौरान चार दुकानों में नाबालिकों से श्रम करने का मामला पकड़ा गया।

स्वास्थ्य केंद्र का महानिदेशक परिवार कल्याण ने किया औचक निरीक्षण

ऊंचाहार। नगर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का महानिदेशक परिवार कल्याण ने औचक निरीक्षण किया, इस दौरान उन्होंने प्रसव वार्ड, साफसफाई आदि व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए जरूरी दिशा निर्देश दिए। मंगलवार की दोपहर लखनऊ से प्रयागराज जाते समय महानिदेशक परिवार कल्याण डॉ सुषमा सिंह सीएचसी पहुंची, जहां उन्होंने प्रसव वार्ड पहुंचकर नवजात शिशुओं को देखा और प्रसूताओं से मिलने वाली खाने पीने इत्यादि सुविधाओं के बारे में जानकारी हासिल की।इसके अलावा उन्होंने सीएचसी में सीजेरियन प्रसव को बढ़ावा देने व प्रसूता महिलाओं को चिकित्सीय सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में ब्लड बैंक को जल्द शुरू कराने के लिए निर्देशित किया।इस दौरान उन्होंने परिसर में साफसफाई की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस मौके पर सीएचसी अधीक्षक डॉ मनोज शुक्ल,स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी डॉ एस के पाण्डेय, डॉ वान्या मिश्रा, डॉ लक्ष्मी नारायण,डॉ निधि चौरसिया ,डॉ शिव त्रिपाठी, डॉ प्रवीण मौर्य,आदि लोग मौजूद रहे।

विश्व कैंसर दिवस का हुआ आयोजन

लालगंज, रायबरेली। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए समर्पित क्षेत्र के अग्रणी शिक्षण संस्थान राम कुमारी देवी न्यू स्टैंडर्ड पब्लिक स्कूल तेजगांव में विश्व कैंसर दिवस आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए संस्थान के प्रधानाचार्य श्री इंद्र विक्रम सिंह जी ने सर्वप्रथम विद्या की अधिष्ठात्री देवी मां सरस्वती की पूजा-अर्चना करके माल्यार्पण किया। कार्यक्रम को आगे बढाते हुए कक्षा 12 की छात्रा तान्या ने विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर सारगर्भित भाषण दिया। अंत में संस्थान के प्रधानाचार्य इंद्र विक्रम सिंह जी ने कहा कि विश्व कैंसर दिवस 4 फरवरी को मनाया जाने वाला एक अंतर्राष्ट्रीय दिवस है, जिसका उद्देश्य कैंसर के बारे में जागरूकता बढाना और इसकी रोकथाम , पहचान और उपचार को प्रोत्साहित करना है। विश्व कैंसर दिवस का नेतृत्व अंतर्राष्ट्रीय कैंसर नियंत्रण संघ द्वारा किया जाता है। जिसका उद्देश्य 2008 में लिखे गए विश्व कैंसर घोषणापत्र के लक्ष्यों का समर्थन करना है।

निषाद समाज को मिले ओबीसी का दर्जा: संजय निषाद

कन्नौज। संविधान यात्रा लेकर कन्नौज पहुंचे मंत्री संजय निषाद का जगह-जगह स्वागत किया गया। मंत्री ने सपा और बसपा पर हमला बोला वही समाज के लोगों को भी जागरूक किया। मंगलवार को निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और एनडीए में कैबिनेट मंत्री संजय निषाद संविधान अधिकार यात्रा कन्नौज पहुंची जहां पर निषाद समाज के लोगों द्वारा जगह-जगह मंत्री संजय निषाद का भव्य स्वागत किया गया। इस मौके पर उन्होंने कहा समाज को ओबीसी का दर्जा दिलानें के लिये प्रदेश भर में यात्रा निकालकर समाज के लोगों को जागरूक करने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने सपा और बसपा सहित कांग्रेस पर हमला बोला और कहा कि हमेशा इन दोनों दलों ने समाज की अनदेखी की है। देश और प्रदेश में जब से एनडीए सरकार स्थापित हुई है तब से समाज के लोगों

संविधान अधिकार यात्रा निकालते मंत्री संजय निषाद।

को सम्मान मिल रहा है और दबे कुचले लोगों को भी सम्मान देने का कार्य एनडीए सरकार ने किया है। दिल्ली विस चुनाव पर कहा कि दिल्ली में केजरीवाल का पूरी तरह से सफाया होगा और उत्तर प्रदेश के मिल्की में हो रहे उपचुनाव में भी भाजपा प्रत्याशी की भारी बहुमत से जीत होगी। मंत्री का काफिला कन्नौज मुख्यालय से गुरसहायगंज पहुंचा जहां पर निषाद समाज के दर्जनों लोगों द्वारा फूल मालायें पहनाकर जोरदार स्वागत किया गया। स्वागत से अभिभूत हुए मंत्री ने सपा बसपा और कांग्रेस पर भी हमला बोला और समाज के लोगों को जागरूक किया कि समाज के लोग एकत्रित रहे। एकता में ही ताकत होती है। इस मौके पर मानसिंह, राम प्रकाश, बाबूराम बाथम, राम सनही बाथम, राधेलाल, नितिन चौरसिया, विपिन चौरसिया, सहित दर्जनों की संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजनान्तर्गत अकबरपुर ब्लॉक में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

कानपुर देहात। भारत सरकार द्वारा प्रदत्त निर्देशों एवं जिलाधिकारी आलोक सिंह के मार्गदर्शन व जिला प्रोबेशन अधिकारी के नेतृत्व में आज 04.02.2025 कों बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओं योजनान्तर्गत ब्लॉक सभागार अकबरपुर में बाल विकास परियोजना अधिकारी द्वारा विकासखण्ड के समस्त केन्द्रो से उपस्थित आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को किशोरियों की शिक्षा व स्वाबलंबन की चुनौतियों पर चर्चा की गई। ब्लॉक मे उपस्थित आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को प्रभारी चिकित्सा द्वारा गर्भधारण पूर्व और प्रसव पूर्व निदान तकनीक (पीसीपीएनडीटी) अधिनियम, पर चर्चा करते हुये कहा गया कि एक ऐसा अधिनियम है जो भारत में कन्या भ्रूण हत्या को रोकने और गिरते लिंग अनुपात को रोकने के लिए अधिनियमित किया गया है साथ ही बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजनान्तर्गत महिलाओध्बालिकाओं को शोषण से बचाना व उन्हें सहीध्गलत के बारे में अवगत कराना, सामाजिक और वित्तीय रूप से स्वतंत्र बनानाए शिक्षा के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों में आगे बढ़ाने एवं भागीदारी को सुनिश्चित करने के संबंध में जानकारी दी। जिला मिशन समन्वयक प्रतिमा श्रीवास्तव द्वारा मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के अन्तर्गत आवेदन हेतु सभी बालिकाओं को विभिन्न श्रेणीयों में आवेदन करने हेतु जागरूक किया गया। इसके साथ ही बालिकाओं को महिला कल्याण विभाग से संचालित योजनायें जैसे उप्र मुख्यमंत्री बाल सेवा योजनाए बेटी बचाओ.बेटी पढ़ाओ योजना एवं हेल्पलाइन नम्बर जैसे.181, 1090, 112, 1098, 1076, 1930 आदि के विषय में जानकारी दी गयी। महिला कल्याण विभाग से जेंडर स्पेलिस्ट निधि यादव, स्वास्थ्य केन्द्र से डा. राजीव, बाल विकास परियोजना से सुपरवाइजर वन्दना, अरूणा आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां पुरूष, महिलायें, बालिकायें आदि उपस्थित रही।

मंदिर चढ़ावे के पैसों में हुआ बड़ा खेल, एक पूर्व पदाधिकारी ने करा ली अपने नाम एफडी

● प्रशासनिक चौखट में दम तोड़ रही शिकायत

फतेहपुर। शहर के एक प्रतिष्ठित देवालय के चढ़ावे में तगड़ा खेल होने का मामला प्रकाश में आया है। सूत्रों का कहना है कि कई साल पहले एक पूर्व पदाधिकारी ने मंदिर प्रबंध समिति के बैंक खाते में हाथ साफ़ करते हुए मोटी रकम की एफ्डी अपने नाम करा लिया था। फिक्स डिपॉजिट कराई गई रकम तीस लाख के क़रीब बताई जा रही है, जो मौजूदा समय में 75 से 80 लाख के लगभग है। मंदिर प्रबंध समिति के मौजूदा पदाधिकारी उपरोक्त भारी-भरकम रकम को लेकर चुप्पी साधे हुए हैं, जिससे उनकी भूमिका पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। यही नहीं मंदिर से संबद्ध एक अन्य बेशकीमती मंदिर के भवन में एक अन्य पदाधिकारी ने अपने स्वजातीय को कब्जा करा दिया था जो आज भी बदस्तूर काबिज है।

जानकारी के अनुसार शहर के एक अति ख्यातिलब्ध मंदिर की प्रबन्ध समिति के तत्कालीन प्रमुख पदाधिकारी ने करीब दो दशक पूर्व मंदिर के बैंक खाते से लगभग तीस लाख रुपए सीधे अपने खाते में ट्रांसफ़र करा कर अपने नाम से एफ्डी करवा ली, जो अब अस्सी लाख के क़रीब बताई जा रही है। सूत्र बताते हैं कि उपरोक्त पदाधिकारी ने अपने मूल व्यवसाय में कई बार इस एफडी. का उपयोग भी किया और अब उसके परिजन मंदिर का मूल धन लौटाने से आना-कानी कर रहे हैं।

अति प्राचीन इस देवालय (मंदिर) से कभी कई बीघे ज़मीन जुड़ी थी, जिसे समय समय पर कुत्सित मानसिकता वालों ने या तो कब्ज़ा कर लिया या फिर संदिग्ध परिस्थितियों में उसका बैनामा करवा लिया। मौजूदा समय में भी कुछ खिलाड़ी किस्म के लोगों की नज़र शेष बची ज़मीन पर टिकी है। कुछ लोगों ने तो प्रशासनिक कोर्ट में मुकदमा भी योजित कर दिया है। वहीं मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा किए गए दान और चढ़ावे की धनराशि के साथ भी प्राय: खिलवाड़ होता रहा हैं।

ठंडे बस्ते में जांच: सूत्रों की मानें तो पूर्व में और मौजूदा समय में भी चढ़ावे में आने वाले धन का बड़े पैमाने पर दुरुपयोग किया जा रहा है। उपरोक्त संदर्भ में पूर्व में जिलाधिकारी को सौंपे गए एक शिकायती पत्र में मंदिर की पूर्व एवं मौजूदा प्रबंध समिति पर कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं, जिसमें कई मामले तो अति गंभीर हैं। जिलाधिकारी ने इसकी जांच एक जिम्मेदार सक्षम अधिकारी को सौंपी है, लेकिन जिम्मेदार ने उपरोक्त शिकायतीपत्र को किन परिस्थितियों में ठंडे बस्ते में डाल दिया है, इसको लेकर श्रद्धालुओं में तरह तरह की चर्चाएं आम हैं।

गरीब व्यक्तियों की पुत्रियों की शादी हेतु अनुदान पुनः चालू, करें आवेदन

कानपुर देहात। जिला समाज कल्याण अधिकारी गीता सिंह ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024.25 में समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित सामान्य वर्ग एवं अनुसूचित जाति के गरीब व्यक्तियों की पुत्रियों की शादी हेतु अनुदान योजना जनवरी 2025 से पुन: चालू कर दी गयी है। उक्त योजना का संचालन शासनादेश में निहित व्यवस्था के अनुसार पूर्व की भाँति ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से किये जाने हेतु निर्देश जारी किये गये है। उक्त योजना के अन्तर्गत इच्छुक आवेदक योजना हेतु संचालित वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। पात्रता की मुख्य शर्ते . आवेदक की आय गरीबी की सीमा के अन्तर्गत होनी चाहिए अर्थात शहरी क्षेत्र में रू0 56ए460ध् प्रतिवर्ष तथा ग्रामीण क्षेत्र में रू0 46ए080ध् प्रतिवर्ष से अधिक नहीं होगी। वृद्धावस्था पेंशनए निराश्रित महिला पेंशनए विकलांग पेंशन पाने वाले आवेदकों को आय प्रमाण पत्र की आवश्यकता नहीं होगी। अनुसूचित जातिध्अनुसूचित जनजाति वर्ग के आवेदकों को तहसील द्वारा आनलाइन निर्गत जाति प्रमाण पत्र का क्रमांक अंकित करना अनिवार्य होगा। आवेदन में पुत्री की आयु शादी की तिथि को 18 वर्ष या उससे अधिक होनी अनिवार्य है। पति की मृत्यु उपरान्त निराश्रित महिला अथवा विकलांग आवेदक को वरीयता प्रदान की जायेगी। एक परिवार में अधिकतम 02 पुत्रियों की शादी हेतु अनुदान अनुमन्य होगा। आवेदक द्वारा अपना आवेदन जन.सुविधा केन्द्रोंए साइबर कैफेए निजी इण्टरनेट केन्द्र अथवा विभागीय वेबसाइट पर स्वयं भरा जा सकता है। शादी हेतु अनुदान योजना के अन्तर्गत आवेदक द्वारा ऑनलाइन आवेदन शादी की तिथि के 90 दिन पूर्व तथा 90 दिन पश्चात तक करना अनिवार्य होगा। जनपद को शासन द्वारा अनुसूचित जाति में 111 एवं सामान्य वर्ग में 42 का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

पुलिस व प्रशासन के नेतृत्व में रूरा कस्बे में अवैध कब्जा हटाया गया

कानपुर देहात। पुलिस तथा प्रशासन की संयुक्त टीमों व नगर पँचायत द्वारा रूरा कस्बे में जाम का सबब बने अवैध कब्जे को हटाया गया। जगह-जगह हटाये गये अवैध कब्जों पर कब्जाधारकों ने पक्षपात का आरोप लगा हँगामा काटा। रूरा कस्बे की मेन रोड, अकबरपुर रोड पर भारी तथा हल्के वाहन भारी सँख्या में आवागमन करते है, नवनिर्मित अधूरे पुल से आवागमन शुरू होने पर दुर्घटनाओं की आशँकाओं को रोकने के साथ जाम न लगने देने को लेकर नायब तहसीलदार रूरा चौकी इँचार्ज राकेश कुमार सिंह, नगर पँचायत के अधिशासी अधिकारी के नेतृत्व में अवैध कब्जे हटाये गये। मेन रोड पर नहर की ओर कब्जा हटाये जाने पर दुकानदारों व पुलिस व प्रशासन के बीच नोंकझोंक भी हुयी। नहर पुल के आसपास के इलाकों में भी अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया गया, अकबरपुर रोड पर भी अवैध अतिक्रमण हटाया गया। इस मौके पर लोगों को अवैध अतिक्रमण स्वयँ हटाये जाने की हिदायत के लिये नगर पँचायत रूरा के वाहन से मुनादी व एनाउँस करवाया गया। भारी सँख्या में पुलिस तथा प्रशासन के लोगों के मौजूद रहने पर अवैध अतिक्रमणकारी खुद ही अपना अवैध कब्जा हटाने लगे। नायब तहसीलदार ने बताया कि अवैध अतिक्रमण के खिलाफ कार्यवाही जारी रहेगी।

सड़क हादसों में दो घायल

फतेहपुर। मलवां थाना क्षेत्र के अलग-अलग मार्गो के अर्न्तगत हुए सडक हादसों के दौरान दो लोग घायल हो गये जिन्हे उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। जहां एक की हालत गंभीर देख कानपुर के लिए रिफर कर दिया। धानगर थाना क्षेत्र के ढकौली गांव निवासी सूरज पाल 25 वर्षीय पुत्र कुलदीप कुमार बाइक से किसी काम से जा रहा था। जब वह मलवां थाने के भरसवा व भदबा गांव के बीच पहुंचा तभी अनियंत्रित होकर बाइक गिर जाने से बुरी तरह घायल हो गया। उधर थरियांव थाना क्षेत्र के ग्राम महमतपुर नवादा निवासी धर्मपाल का 19 वर्षीय पुत्र अतुल सुबह बाइक से गोपालगंज स्थित कालेज में फिजिकल की परीक्षा देने जा रहा था। जब वह अल्लीपुर के समीप एनएच-2 में पहुंचा तभी ई-रिक्शा जा टकराया। सूचना पाकर मौके में पहुंची सरकारी एम्बुलेंस ने दोनो घायलो को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया, जहां चिकित्सक ने कुलदीप की हालत चिन्ताजनक देखते हुये कानपुर मेडिकल कालेज के लिए रिफर कर दिया।

क्विक न्यूज

जहर खाए युवक की उपचार दौरान मौत

फतेहपुर। मलवां थाना क्षेत्र के ग्राम उमरगहना में रविवार की दोपहर 26 वर्षीय युवक ने जहरीला पदार्थ खा लिया था। जिसे उपचार के लिए जिला चिकित्सालय लाया गया। जहां उसकी हालत गंभीर देख कानपुर के लिए कर दिया। जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गयी। बताते चलें कि उमरगहना गांव निवासी स्व0 शिवपाल सिंह पुत्र सन्तोष कुमार ने रविवार की दोपहर जहर खा लिया था। कुछ समय बाद जब उसकी हालत बिगडने लगी तो परिजन उसे तत्काल उपचार के लिए जिला चिकित्सालय लाये थे। जहां इमरजेन्सी में तैनात चिकित्सक ने उसकी हालत गंभीर देखते हुये कानपुर मेडिकल कालेज के लिए रिफर कर दिया था। परिजन उसे उपचार के लिए कानपुर ले गये जहां जवाब मिलने पर उसे वापस घर ले आये और आज सुबह उसने दम तोड दिया। पुलिस ने शव को विच्छेदन गृह भेज दिया।

गैस सिलेंडर में लगी आग, मची अफरा तफ़री

खागा (फतेहपुर)। ऐरायां विकास खण्ड क्षेत्र के शिक्षा संस्थान प्राथमिक विद्यालय पहाड़पुर कुंधन रसोई घर में अज्ञात कारणों से खाना बनाते समय गैस सिलेंडर में आग लग गई। जिससे विद्यालय में अफरातफरी मच गया। विद्यालय स्टाप की सूचना पर पहुंची पुलिस व फायर ब्रिगेड की टीम ने आग को काबू किया। खागा तहसील क्षेत्र के थाना सुल्तानपुर घोष क्षेत्र अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय पहाड़पुर कुंधन के रसोई घर में सुबह खाना बनाते समय गैस सिलेंडर से अचानक आग धूं धूं कर जलने लगी।जिसकी जानकारी विद्यालय स्टाप को होने पर आग को बुझाने में जुट गए।आग काबू न होने पर विद्यालय स्टाप ने आनन-फानन में पुलिस व फायर ब्रिगेड स्टाप को सूचित कर दिया।वही सूचना पर पहुंचे पुलिस व फायर ब्रिगेड स्टाप की संयुक्त टीम ने सूझबूझ से थोड़ी देर बाद आग को काबू कर लिया। जिससे किसी प्रकार की कोई जन धन हानि की अप्रिय घटना घटित नहीं हुई।वही ग्रामीणों ने सराहना करते हुए बताया कि पुलिस व फायर ब्रिगेड स्टाप ने बहुत ही सतर्कता पूर्वक आग को काबू कर लिया। जिससे किसी प्रकार की कोई छति नहीं होने पायी है।वही चौकी प्रभारी उत्कर्ष मिश्रा ने बताया कि सूचना मिलते ही विद्यालय पहुंचकर तत्काल गैस सिलेंडर में लगी आग को काबू कर लिया गया। जिससे वहां पर अन्य छति होने से बचा लिया गया।

ट्रेन से गिरकर महिला की मौत

फतेहपुर। खागा रेवले स्टेशन की समीप रविवार की सुबह ट्रेन से गिरकर 69 वर्षीय अज्ञात महिला की मौत हो गयी थी। जिसकी शिनाख्त पोस्टमार्टम हाउस में मृतक के परिजनों ने भोगली देवी पत्नी रामसिंह निवासी हरसिंह का पुरवा मजरे मवई के रूप में करते हुए बताया कि रविवार की दोपहर व घर में बच्चो से बता कर निकली थी। वह प्रयागराज कुम्भ मेला जा रही है। उसकी ट्रेन से गिरकर मौत हो गयी थी। घटना के बाबत जानकारी पति रामसिंह ने दी है।

बाइक से गिरकर महिला घायल

फतेहपुर। हुसैनगंज थाना क्षेत्र के ग्राम औढेरा के समीप चलती बाइक से गिरकर 50 वर्षीय महिला घायल हो गयी। जिसे उपचार के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार थरियांव थाना क्षेत्र के धनाजीपुर गांव निवासी चुन्नू की पत्नी विमला देवी अपने पुत्र सोनू के साथ बाइक से रिश्तेदारी औढेरा गांव आ रही थी। जैसे ही बाइक गांव के समीप पहुंची तभी अचानक चलती बाइक से गिर कर घायल हो गयी। जिसे उपचार के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया।

कोर्ट के आदेश पर पति, सास व ससुर पर रिपोर्ट दर्ज

राव(हमीरपुर)। अतिरिक्त दहेज में बाइक व रुपयों की मांग पूरी न होने पर ससुरालियों ने महिला को जान से मार दिया। मझगवां पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर मुकदमा दर्ज किया है। चिकासी थाने के घुरौली गांव निवासी बुधिया पत्नी मैयादीन ने बताया कि उसने अपनी पुत्री सीमा की शादी गजेन्द्र पुत्र खूबचंद्र निवासी बरुआ थाना मझगवां के साथ की थी। शादी में उसने अपनी हैसियत अनुसार दान दहेज दिया था।

ट्यूबवेल कनेक्शन जल्द न जुड़ा तो करूंगा आत्महत्या

फतेहपुर। सदर तहसील के सरांय डंडीरा गांव के रहने वाले एक किसान ने विद्युत विभाग के अधिशाषी अभियंता समेत जिलाधिकारी को शिकायती पत्र सौंपकर कहा कि यदि ट्यूबवेल कनेक्शन जल्द न जोड़ा गया तो वह आत्महत्या करने के लिए विवश हो जाएगा। तत्काल प्रभाव से लाइन जुड़वाए जाने की मांग की। अधिशाषी अभियंता विद्युत के अलावा डीएम व ग्रामोद्योग मंत्री राकेश सचान को भेजे गए शिकायती पत्र में रामचन्द्र पुत्र शिव सिंह निवासी सरांय डंडीरा ने बताया कि उसका ट्यूबवेल ग्राम सभा सरांय डंडीरा पोस्ट जमरावां में स्थित है। उसने अपने ट्यूबवेल के कनेक्शन हेतु आवेदन किया। जिसमें विभाग द्वारा सभी औपचारिकता पूरी कर दी गई और कनेक्शन जोड़ना था लेकिन जेई द्वारा कनेक्शन नहीं जोड़ा जा रहा है और बार-बार समय देकर टाल-मटोल कर रहे हैं, जिसकी वजह से उसकी फसल सूख रही है और उसे अपूर्णनीय क्षति हो रही है। यदि समय से कनेक्शन नहीं जोड़ा गया तो वह आत्महत्या करने के लिए विवश हो जाएगा।

रजिस्ट्रेशन न कराने वाले बकायेदारों पर होगी कार्रवाई: बृजेश कुमार

उपखण्ड कार्यालय में समीक्षा बैठक लेते एसडीओ बृजेश कुमार सरोज।

गुरसहायगंज, कन्नौज। विद्युत विभाग द्वारा उपभोक्ताओं को बकाया बिलों में राहत देने के लिए वन टाइम सेटलमेंट (ओटीएस) योजना का तीसरा चरण 15 फरवरी तक लागू है। जिसके बाद बकाया जमा न करने वाले उपभोक्ताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

यह जानकारी मंगलवार को विद्युत उपखंड कार्यालय में एसडीओ बृजेश कुमार सरोज ने अधीनस्थ कर्मियों की समीक्षा बैठक लेने के उपरान्त दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि जो उपभोक्ता समय पर पंजीकरण नहीं कराएंगे और बकाया नहीं चुकाएंगे। उनके विरुद्ध विद्युत अधिनियम के तहत बिजली कनेक्शन काटने और मुकदमा दर्ज करानें की कार्रवाई की जाएगी। अवर अभियंता विकास कुमार नें उपभोक्ताओं से अपील करते हुये कहा कि समय रहते अपना पंजीकरण करवाकर इस योजना का लाभ उठाएं। इस दौरान आशीष कुमार, आसिफ खॉन, रोहित श्रीवास्तव, विपिन चौरसिया आदि मौजूद रहे।

ग्राम लहरापुर में 75 मेगावाट क्षमता की सौर पावर परियोजना की भूमि की वायर फैंसिंग के कार्य का किया निरीक्षण, दिए निर्देश

कानपुर देहात। सीडीओ लक्ष्मी एन0 द्वारा विकास खंड अकबरपुर में ग्राम लहरापुर में 75 मेगावाट क्षमता की सौर पावर परियोजना की भूमि की वायर फैंसिंग के कार्य का निरीक्षण किया गया। कार्यदायी संस्था ग्रामीण अभियंत्रण विभाग के अधिशासी अभियंता मार्शल कुमार द्वारा मुख्य विकास अधिकारी को जानकारी दी गई कि 7ण्5 किलोमीटर लंबी इस वायर फैंसिंग की कुल लागत रू 0 14ण्615 लाख मात्र है। 500 पिलर का प्रतिस्थापन मौके पर किया जा चुका है परंतु कतिपय अराजक तत्वों द्वारा लगभग 400 पिलर तोड़ दिए गए हैं। मौके पर मुख्य विकास अधिकारी द्वारा उपजिलाधिकारी अकबरपुर को दूरभाष पर अराजक तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने हेतु कहा गया। नेडा विभाग द्वारा नियुक्त केयर टेकर द्वारा कतिपय अराजक तत्वों के नाम मौके पर उपस्थित संबंधित लेखपाल को नोट कराए गए।

एक्शियन व दो सहायक अभियंता समेत पच्चीस कर्मी मिले गायब एक दिन का रोक बेतन

● सीडीओ ने लघुडाल नहर व लोनिवि का किया औचक निरीक्षण,लघुडाल नहर में कायम है जंगलराज

हमीरपुर। सीडीओ चंद्रशेखर शुक्ला ने कल लोनिवि प्रांतीय खंड व निर्माण खंड एवं लघुडाल नहर का औचक निरीक्षण किया जिसमे लघुडाल नहर के एक्शियन व दो सहायक अधिकारी समेत करीब पच्चीस कर्मी गायव पाये गये सभी का एक दिन का बेतन रोक दिया गया है। सीडीओ द्वारा कल लोनिवि प्रांतीय खंड के निरीक्षण में लिपिक शिवशरण ओमरे, सत्य नारायण कुशवाहा, कृष्ण कुमार, अभिषेक वर्मा, प्रिया अस्थाना, सुरेंद्र कुमार दफ्तरी व निर्माण खंड एक में महेंद्र, व निर्माण खंड दिवतीय में संतोष पांडेय, धनंजय सिंह, सत्यवीर, पूजा देवी, पूजा यादव, फिरोज खान अनुचर, शंकरदयाल मेट देशराज चौकीदार आदि लोग गायव थे, इसी प्रकार लघुडाल नहर में श्रीमती गुंजन खरे,नरसिंह चपरासी के अलावा एक्शियन शरद चौहान सहायक अभियंता सृष्टि चौहान रामुकुमार आदि लोग गैर हाजिर पाये गये सीडीओ ने बताया कि सभी गैरहाजिर लोगो का एक दिन का बेतन रोक दिया गया है सभी से जवाब तलब किया गया है। बताया जाता है कि लघुडाल नहर के एक्शियन शरद चौहान व सहायक अभियंता कभी भी कार्यालय में नही बैठते अक्सर आवास में बैठकर सरकारी कामकाज निपटाते है ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाली जनता इधर उधर भटकने के बाद निराश होकर वापल लौट जाती है। सिचाई की पीक सीजन होने तक कभी भी एक्शियन दफ्तर में नही बैठे है यही नही दो बार विभागीय एसई ने औचक निरीक्षण किया मगर एक्शियन समेत ज्यादातर लोग गायब पाये गये है। जनप्रतिनिधियों को तो वह फूटी आंखो नही देखना चाहते है। लोनिवि व लघुडाल नहर में तो जंगल राज कायम है।

विश्व कैंसर दिवस अभियान एवं मानव श्रृंखला बनाकर कैंसर बचाव एवं इलाज के लिये जागरुक

लखीमपुर खीरी। जिला चिकित्सालय मोतीपुर ओयल में मंगलवार को यूनाइटेड बाई यूनिक थीम पर विश्व कैंसर दिवस संगोष्ठी हस्ताक्षर अभियान एवं मानव श्रृंखला बनाकर आम जन मानस को कैंसर बचाव एवं इलाज के लिये जागरुक किया गया। कार्यक्रम का आयोजन सीएमएस डॉ आरके कोली के नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस दौरान विशेषज्ञ चिकित्सकों ने अपने विचार व्यक्त किये। अपने संबोधन में सीएमएस डॉ आरके कोली ने कहा कि कैंसर के इलाज को लेकर लगातार शोध हो रहे है एक अच्छी बात यह है कि बच्चे व बच्चियों को भविष्य में कैंसर से बचाने के लिये विश्व के वैज्ञानिको ने (एचपीवी) ह्यूमन पैपिलोमा वायरस वैक्सीन बना ली है। वही मेक इन इंण्डिया के विज़न के साथ भारतीय वैज्ञानिकों ने भी ;एचपीवीद्ध वैक्सीन बना ली है जो सभी वैक्सीनों से कम मूल्य की है। सभी वैक्सीने हमारे देश में उपलब्ध है। 9 से 14 वर्ष

की आयु के बच्चे एवं बच्चियों में यह वैक्सीन एक एक साल के अन्तर पर दो बार लगती है वही 9 से 26 वर्ष के बच्चे एवं बच्चियों को 3 महीने के अंदर दो डोस और तीसरी 6 माह के बाद तीन बार यह वैक्सीन लगायी जाती है। उन्होने यह भी बताया कि खास तौर पर यह वैक्सीन बच्चियों व युवतियों के लिये बनायी गयी है जिससे उन्हे सर्वाइकल कैंसर से बचाया जा सकें। सर्जन डॉ हर्ष देव भारती ने बताया कि पान पुड़िया खैनी गुटखा आदि कैंसर होने के मुख्य कारक है। वही दवाओं एवं सर्जरी से कुछ स्टेजों के कैंसर का इलाज संभव है। इस दौरान फिज़ीशियन/ नोडल एनसीडी क्लीनिक जिला चिकित्सालय डॉ शिशिर पाण्डेय ने बताया कि स्तन कैंसर को पहचानने के लिये महिलाएं साल में कम से कम एक बार अपना परीक्षण अवश्य कराएं व यूट्यूब के माध्यम से स्वत: भी अपने स्तन का परीक्षण कर सकती है।

प्रधानों तथा सदस्य ग्राम पंचायतों के वैधानिक रूप से रिक्त स्थानों/पदों, पर उप निर्वाचन कराये जाने हेतु समय सारणी निर्गत

कानपुर देहात। जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी (पं0) ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोगए लखनऊ की अधिसूचना के अनुक्रम में कानपुर देहात जनपद के प्रधानों तथा सदस्य ग्राम पंचायतों के वैधानिक रूप से रिक्त स्थानों/पदों, जो न्यायालय के स्थगनादेश से बाधित न होए पर उप निर्वाचन कराये जाने हेतु जनपद स्तर पर सूचना दिनांक 04 फरवरी, 2025 को जारी करने के निर्देश दिये गये हैं। जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी (पं.) कानपुर देहात ने उत्तर प्रदेश पंचायत राज (सदस्यों, प्रधानों और उप प्रधानों का निर्वाचन) नियमावलीए 1994 के नियम.14 के अर्न्तगत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुये जनपद कानपुर देहात के रिक्त प्रधान तथा सदस्य ग्राम पंचायत के पदों पर उप निर्वाचन राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार कराये जाने का आदेश दिया है। समय सारणी. नाम निर्देशन पत्रों को जमा करने का अन्तिम दिनांक व समय 08 फरवरी, 2025 (पूर्वाह्न 10.00 बजे से अपराह्न 4.00 बजे तक), नाम निर्देशन पत्रो की जाँच का दिनांक व समय 10 फरवरी, 2025 (पूर्वाहन 10.00 बजे से कार्य की समाप्ति तक), उम्मीदवारी वापस लेने का दिनांक व समय 11 फरवरी, 2025 (पूर्वाहन 10.00 बजे से अपरान्ह 3ण्00 बजे तक) प्रतीक आवंटन का दिनांक व समय 11 फरवरीए 2025 (अपरान्ह 3.00 बजे से कार्य की समाप्ति तक), मतदान का दिनांक व समय 19 फरवरीए 2025 ;प्रात: 7ण्00 बजे से अपराहन 5.00 बजे तकद्धए मतगणना का दिनांक व समय 21 फरवरीए 2025 (प्रात: 8:00 बजे से कार्य की समाप्ति तक)। उक्त सूचना के अनुसार निर्वाचन अधिकारी (आरओ) सम्बन्धित ग्राम पंचायतों के प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों का पूर्ण विवरण देते हुये अपने स्तर से सार्वजनिक सूचना दिनांक 05 फरवरी, 2025 को निर्गत करेगें और उसकी प्रति कार्यालय को तत्काल प्रेषित करेगें।

तहसील प्रशासन की उदासीनता से अधर में लटका संविलयन विद्यालय लुधौरी की बांउड्री वाल का निर्माण कार्य

लखीमपुर.खीरी। गरीब बच्चों की शिक्षा एवं खेल.कूद के विकास हेतु डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल जी जान से जुटी हुई हैं लेकिन तहसील निघासन अंतर्गत संविलयन विद्यालय लुधौरी की बांउड्री वाल अधूरी होने की वजह से बच्चों की पढ़ाई और खेल कूद दोनों को ग्रहण लग चुका है, एक दबंग शख्स की वजह से बांउड्री वाल का निर्माण कार्य लंबे समय से बाधित है। गौरतलब है कि जिले की सबसे बड़ी ग्राम पंचायतों में शुमार ग्राम पंचायत लुधौरी में बाउंड्री वॉल का निर्माण प्रधान के प्रयास से लगभग 2 वर्ष पहले शुरू किया गया। आजादी के बाद बहुत से प्रधान हुए लेकिन संविलयन विद्यालय लुधौरी की बांउड्री वाल बनाने का खयाल किसी के दिल में नहीं आया ए आखिरकार बीते चुनाव में शानदार जीत दर्ज करके ग्राम प्रधान ने बच्चों की पढ़ाई लिखाई और बेसिक क्रीड़ा प्रतियोगिता को पटरी पर लाने के लिए बाउंड्री वॉल के निर्माण कार्य को शुरू करवा दिया ए तमाम बाधाएं आईं लेकिन प्रधान ने डीएम और सीडीओ जैसे उच्चाधिकारियों के सहयोग से विद्यालय की बांउड्री वाल का निर्माण कार्य करीब 80 प्रतिशत पूरा करवा दिया।

बाउंड्री वॉल का बचा हुआ निर्माण कार्य गांव के ही एक दबंग व्यक्ति की वजह से काफी लंबे समय से अधर में लटका हुआ है, बाउंड्री वॉल पूरी न होने की वजह से आवारा पशुओं का जमावड़ा हर वक्त विद्यालय में लगा रहता है, जिसकी वजह से बच्चों की जान जोखिम में पड़ चुकी है विद्यालय स्टाफ की तत्परता की वजह से अभी तक कोई अनहोनी घटना नहीं हुई है लेकिन खतरा कभी भी हो सकता है। जिलाधिकारी के प्रयास से एक स्कूल एक खेल मैदान संकल्पना के अंतर्गत बीडीओ निघासन जयेश कुमार सिंह की देखरेख में उक्त विद्यालय में बच्चों को आकर्षित करने वाले खेल मैदान बनाए गए हैं अब तो विद्यालय में झूला सहित तमाम खेल साधन लगाए गए हैं जिसकी वजह से बच्चों की पढ़ाई और खेलकूद में काफी रुचि उत्पन्न हो गई है लेकिन एक शख्स द्वारा अतिक्रमण किए जाने की वजह से बाउंड्री वॉल का निर्माण अधर में लटका है ए जानकारी के अनुसार तहसीलदार भीमचंद ने गत वर्ष अतिक्रमण कारी को विद्यालय की भूमि से अतिक्रमण हटाने की चेतावनी दी थी लेकिन नतीजा सिफर रहा। ग्रामीणों के अनुसार इसके जिम्मेदार तहसील प्रशासन के आला अधिकारी हैं जो सब कुछ जानते हुए भी अनजान बने हुए हैं। बाउंड्री वॉल अपूर्ण होने की वजह से आवारा पशुओं का खतरा तो हमेशा बरकरार रहता ही है लेकिन रात में अराजक तत्व विद्यालय में बैठकर शराब पीते हैं और गंदगी फैलाते हैं। ज्ञातव्य है कि जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल गरीब बच्चों को पढ़ाने और उन्हें खेल.कूद के माध्यम से आगे बढ़ाने का हरसंभव प्रयास कर रही हैं।

ईडी ने पीएमएलए मामले में चेन्नई आधारित कंपनी की 1,000 करोड़ की संपत्ति जब्त की

नई दिल्ली (भाषा)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को कहा कि उसने हाल में चेन्नई से संचालित एक कंपनी के खिलाफ तलाशी के बाद 1,000 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त की है। इस कंपनी पर छत्तीसगढ़ में धोखाधड़ी से कोयला ब्लॉक हासिल करने का आरोप है। संघीय एजेंसी ने एक बयान में कहा कि आरोपी कंपनी-आरकेएम पावरजेन प्राइवेट लिमिटेड (आरकेएमपीपीएल) और संबंधित व्यक्तियों अंडाल अरुमुगम, एस अरुमुगम तथा अन्य के परिसरों पर धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत छापेमारी की गई।

इसने कहा कि धनशोधन का मामला केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दर्ज किए गए एक मामले से संबंधित है, जिसमें आरोपियों पर छत्तीसगढ़ में फतेहपुर ईस्ट कोयला ब्लॉक धोखाधड़ी से प्राप्त करने का आरोप है। संबंधित कोयला ब्लॉक बिजली क्षेत्र के लिए कोयला मंत्रालय द्वारा आवंटित किया गया था। टिप्पणी के लिए कंपनी या इसके प्रवर्तकों से संपर्क नहीं किया जा सका। आरोप है कि आरकेएमपीपीएल ने कोयला ब्लॉक आवंटन के आधार पर पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन (पीएफसी) से ऋण प्राप्त किया था और इस कोष का 3,800 करोड़ रुपए का एक महत्वपूर्ण हिस्सा अधिक मूल्य पर संयंत्र और मशीनरी की खरीद के लिए आरकेएमपीपीएल द्वारा नियंत्रित एमआईपीपी नामक एक विदेशी इकाई को स्थानांतरित कर दिया गया। एजेंसी ने कहा कि कोयला ब्लॉक आवंटन के बाद आरकेएमपीपीएल ने 240 रुपए प्रति शेयर के प्रीमियम पर अपने 26 प्रतिशत शेयर मलेशिया आधारित मुदजया कॉर्पोरेशन बीएचडी को और 10.95 प्रतिशत शेयर एनर्क इंटरनेशनल होल्डिंग्स लिमिटेड को सौंप दिए। ईडी के अनुसार, इसके विपरीत, आरकेएमपीपीएल को अंकित मूल्य पर 63.05 प्रतिशत शेयर आवंटित किए गए थे। मूल्यांकन पद्धति में पारदर्शिता की कमी थी और निष्पक्ष मूल्यांकन नहीं रखा गया।

एजेंसी ने कहा कि यह पाया गया कि मुदजया कॉरपोरेशन ने अपनी सहायक कंपनी एमआईआईपी इंटरनेशनल से उपकरण खरीद के लिए पीएफसी-स्वीकृत धनराशि की फिर से वापसी के जरिए अपने 240 रुपए प्रति शेयर प्रीमियम का वित्त पोषण किया। इसने दावा किया कि अनुमानित तौर पर इक्विटी भागीदारी की आड़ में विदेशी संस्थाओं के माध्यम से व्यवस्थित रूप से 1,800 करोड़ रुपए आरकेएमपीपीएल को वापस भेज दिए गए।

अल्पसंख्यकों के लिए स्वर्ग है भारत, मोदी को मसीहा मानते हैं सिख: लालपुरा

नई दिल्ली (भाषा)। राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग (एनसीएम) के अध्यक्ष इकबाल सिंह लालपुरा ने मंगलवार को कहा कि भारत अल्पसंख्यकों के लिए स्वर्ग है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सिख पिछले 10 वर्षों में समुदाय के लिए किए गए कार्यों के लिए मसीहा मानते हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता लालपुरा ने यहां पीटीआई-भाषा को दिए साक्षात्कार में अल्पसंख्यकों से जुड़े मुद्दों पर बात की। उन्होंने कहा, भारत अल्पसंख्यकों के लिए स्वर्ग है। मैं बताना चाहूंगा कि 1951 की जनगणना के अनुसार, अल्पसंख्यक आबादी 16 और बहुसंख्यक 84 प्रतिशत थी। चार बार कोई अल्पसंख्यक राष्ट्रपति और एक बार प्रधानमंत्री बना। आप कुछ भी कर सकते हैं, अगर आप अजहरुद्दीन हैं, तो आप भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान हो सकते हैं, अगर आप बिशन सिंह बेदी हैं, तो आप कप्तान बन सकते हैं, फारुख इंजीनियर को खेलने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने यह भी बताया कि एक फील्ड मार्शल (सैम मानेकशॉ) और एक एयर मार्शल (अर्जन सिंह) भी अल्पसंख्यक समुदाय से रहे हैं।

भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के पूर्व अधिकारी और भाजपा के संसदीय बोर्ड के सदस्य लालपुरा ने कहा, भारत ने सभी अवसर दिए हैं, अब केंद्रीय सेवाओं में 62 अधिकारी मुस्लिम समुदाय से हैं, 11 जैन समुदाय से हैं। जो भी सक्षम है वह जहां चाहे वहां पहुंच सकता है। लालपुरा ने यह दावा भी किया कि सिख प्रधानमंत्री मोदी से बहुत खुश हैं क्योंकि उन्होंने समुदाय के लिए पिछले 10 वर्षों में जो किया है, वह पहले किसी ने करने के बारे में सोचा भी नहीं था।

एनसीएम अध्यक्ष ने कहा, उन्होंने करतारपुर गलियारा खुलवाया... वीर बाल दिवस मनाया जा रहा है। उन्होंने सिखों के इतिहास का ध्यान रखा है और लाल किले से गुरु तेग बहादुर की चौथी जन्मशती मनाई है, जहां से उनकी हत्या का आदेश दिया गया था। वर्तमान सरकार सिख समुदाय के सभी मुद्दों को हल करने पर काम कर रही है। उन्होंने कहा, लोग मोदी जी से प्यार करते हैं, वे उन्हें मसीहा कहते हैं। मैं सिखों के हित में प्रधानमंत्री मोदी के योगदान पर एक किताब लिख रहा था और मैं मसीहा शब्द का इस्तेमाल करना चाहता था, लेकिन उन्होंने मुझे ऐसा करने से रोक दिया और कहा, मैं मसीहा नहीं हूं। इसके बाद मुझे सेवक शब्द का इस्तेमाल करना पड़ा। अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा से संबंधित चिंताओं के बारे में पूछे जाने पर लालपुरा ने कहा कि समाज में व्यक्तिगत अपराध हमेशा से रहा है। उन्होंने कहा, भारत में, मैं दावे और अनुभव से कह सकता हूं, मैंने (वास्तविक अर्थों में) सांप्रदायिक हिंसा का एक भी उदाहरण नहीं देखा। मैं नूंह (जहां 2023 में सांप्रदायिक हिंसा हुई थी) गया था, उन्होंने मुझे बताया कि हिंदुओं ने मस्जिदों और मुसलमानों ने हिंदू मंदिरों को बचाया। वे एक साथ रह रहे थे...जहांगीरपुरी (दिल्ली) में भी यही स्थिति थी।

एनसीएम अध्यक्ष ने कहा, इसलिए हमें व्यवस्था बिगाड़ने वाले अपराधियों की पहचान करनी होगी। जहां तक घृणा से प्रेरित अपराध का सवाल है, अमेरिका में सिखों के खिलाफ अधिक घृणा अपराध हुए हैं। उन्होंने पूछा कि लोग पाकिस्तान को क्यों नहीं देख रहे हैं जहां विभाजन के समय अल्पसंख्यकों की आबादी 22 फीसदी थी। उन्होंने कहा, जिस दिन हम गुरु नानक की 500वीं जयंती मना रहे थे, उस दिन ननकाना साहिब गुरुद्वारे के ग्रंथी की बेटी ने इस्लाम कबूल कर लिया। लालपुरा ने कहा, अगर आप क्रिकेट खेलना चाहते हैं तो आप यूसुफ योहाना बनकर नहीं खेल सकते, आपको मोहम्मद यूसुफ बनना होगा। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश का भी यही हाल है जहां अल्पसंख्यकों की आबादी कम हो गई है। उन्होंने कहा, इसलिए भारत अल्पसंख्यकों के लिए स्वर्ग है। उन्हें सभी अवसर मिल रहे हैं। जहां तक विकास कार्यों का सवाल है, विकास के लिए 200 से अधिक योजनाएं हैं और सभी अल्पसंख्यकों के लिए उपलब्ध हैं। वास्तव में, उनके लिए लगभग 240 योजनाएं हैं। वक्फ विधेयक के बारे में एनसीएम के अध्यक्ष ने कहा कि वक्फ का मतलब दान है और इस दान का इस्तेमाल समुदाय के कल्याण के लिए करना होता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि कानून से मुसलमानों को मदद मिलेगी। समान नागरिक संहिता पर उन्होंने कहा कि यह संपत्ति के स्वामित्व, गोद लेने और तलाक के अधिकार के बारे में है। लालपुरा ने कहा कि इसके लिए सर्वसम्मति की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यह किसी भी तरह से धार्मिक रीति-रिवाजों में हस्तक्षेप नहीं है।

दलितों, आदिवासियों और ओबीसी के आईएएस बनने में कांग्रेस ने रोड़ा पैदा किया: अनुप्रिया

नई दिल्ली (भाषा)। केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कांग्रेस पर देश में आजादी के बाद से दलित, आदिवासी और ओबीसी वर्ग के लोगों के प्रशासनिक सेवा में आने में रोड़ा बनने का आरोप लगाते हुए मंगलवार को दावा किया कि केंद्र सरकार ने देश में सामाजिक न्याय के लिए अनेक काम किए हैं। अनुप्रिया ने लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में भाग लेते हुए यह भी कहा कि विपक्ष के लोग मोदी सरकार में भारत के प्रगति की ओर बढ़ते कदमों को नहीं देखना चाहते, लेकिन देश की 140 करोड़ जनता इसे देख रही है। उन्होंने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के सोमवार को सदन में दिए गए भाषण का जिक्र करते हुए कहा कि कांग्रेस और आजादी के बाद कई दशकों तक रही उसकी सरकारों की नीतियों की वजह से सर्वोच्च पदों पर अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लोग नहीं पहुंच पाए। राहुल गांधी ने पिछले साल बजट की हलवा सेरेमनी के एक फोटो का जिक्र करते हुए अपना यह दावा दोहराया था कि इसमें दलित और ओबीसी वर्ग के एक भी अधिकारी की तस्वीर नहीं है। अनुप्रिया पटेल ने कहा, इन तस्वीरों में से वंचित और दलित वर्ग के लोग 2014 के बाद से गायब नहीं हैं, बल्कि आजादी के समय से ही नदारद हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह की तस्वीरों में दलितों और आदिवासियों के आने का मतलब है कि इस वर्ग के लोग आईएएस अधिकारी बनें, लेकिन इन वंचित वर्गों के प्रशासनिक अधिकारी बनने में सबसे बड़ा रोड़ा कांग्रेस बनी जिसने मंडल आयोग की सिफारिशों को लागू नहीं होने दिया। उन्होंने कहा कि आज देश की राष्ट्रपति आदिवासी समुदाय से हैं, प्रधानमंत्री ओबीसी वर्ग के हैं और सीएजी के प्रमुख भी आदिवासी हैं। अनुप्रिया ने कहा, क्या (राजग से) पहले की सरकारों में इन सर्वोच्च पदों पर वंचित वर्ग के लोग आसीन हो पाए और नहीं हो सके तो इसका जिम्मेदार कौन है? उन्होंने कहा कि 1952 से लेकर आज तक देश का सारा आंकड़ा सामने आना चाहिए कि पिछड़े और वंचित वर्गों को सर्वोच्च पदों पर कब और कितनी हिस्सेदारी मिली। उन्होंने कहा, आजादी के 75 वर्ष बाद भी बहुसंख्यक पिछड़ों, दलितों और आदिवासियों को प्रतिनिधित्व नहीं मिलने का सवाल आज भी उठ रहा है इससे बड़ा दुर्भाग्य क्या हो सकता है? उन्होंने उद्योग घरानों और मीडिया संस्थानों में नेतृत्व करने वालों में एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग के कम प्रतिनिधित्व के दावों से सहमति जताते हुए कहा, हमें यह समझना होगा कि आजादी के बाद लगातार कई वर्षों तक दलित, पिछड़े और आदिवासी अपनी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने की जद्दोजहद में लगे रहे। इस उलझन में कोई क्या उद्योग लगाएगा। उद्योग लगाने के लिए विशाल अर्थतंत्र की जरूरत होती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार आज इन वंचित समूहों की बुनियादी जरूरतों की चिंता कर रही है और जब इस वर्ग को इन चिंताओं से मुक्ति मिलेगी तो वे तरक्की की ओर बढ़ेंगे। उन्होंने कहा, सरकार की तमाम गरीब हितैषी एजनाओं के आंकड़े विपक्ष को उबाऊ लगते हैं, लेकिन जमीन पर उनसे बदलाव आ रहा है। उन्होंने कहा कि मीडिया संस्थानों में विविधतापूर्ण प्रतिनिधित्व की यदि कमी है तो इसकी चिंता मोदी सरकार को नहीं करनी, बल्कि स्वयं मीडिया संस्थानों को करनी है। अनुप्रिया पटेल ने जातीय जनगणना की विपक्ष की मांग का जिक्र करते हुए कहा कि विपक्ष के लोग बार-बार सामाजिक न्याय का ढिंढोरा पीटते हैं लेकिन केंद्र और राज्यों में अपनी सरकारों के समय उन्होंने यह कवायद क्यों नहीं की। उन्होंने कहा कि जब उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार थी और केंद्र में उनके समर्थन वाली कांग्रेस नीत सरकार थी तब जातीय जनगणना क्यों नहीं कराई गई। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने ओबीसी आयोग को संवैधानिक दर्जा देने सहित कई काम किए हैं और विपक्ष ने सामाजिक न्याय की दिशा में कोई भी महत्वपूर्ण कदम उठाया हो तो वह बताए। उन्होंने दावा किया कि नौकरियों में बैकलॉग के आंकड़े भी कांग्रेस की सरकारों के समय से चले आ रहे हैं। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, आपने बैकलॉग भरने के लिए कोई प्रभावी कदम क्यों नहीं उठाया। हमारी सरकार ने मिशन रिक्रूटमेंट चलाया और नौकरियों में बैकलॉग को कम करने की कोशिश की। हमने दस लाख पक्की सरकारी नौकरी नौजवानों को दी हैं। स्वास्थ्य राज्य मंत्री ने इलेक्ट्रॉनिक वाहनों के उत्पादन, बैटरियों के स्वदेशी उत्पादन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में केंद्र सरकार की अनेक योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा, विपक्ष के लोग भारत के प्रगति की ओर बढ़ते कदम को देखना नहीं चाहते।

संभल में प्राचीन चतुर्मुख कूप का जीर्णोद्धार किया जाएगा

संभल (भाषा)। संभल जिला प्रशासन ने प्राचीन चतुर्मुख कूप का जीर्णोद्धार मॉडल कूप के रूप में करने और जिले के अन्य धार्मिक तीर्थ स्थलों के उत्थान की योजना बनाई है। अधिकारियों ने बताया कि इस संबंध में प्रस्ताव शीघ्र ही राज्य सरकार को भेजा जाएगा। नगर पालिका के अधिशासी अभियंता मणि भूषण तिवारी ने संवाददाताओं को बताया कि जिलाधिकारी ने क्षेत्र के सभी धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों का दौरा किया। उन्होंने कहा, नगर क्षेत्र में 19 प्राचीन कूप हैं और उनका जीर्णोद्धार किया जा रहा है। इन जगहों पर बेहतर पहुंच मार्ग, प्रवेश द्वार बनाने तथा सूचना पट्टी लगाने की योजना है। उन्होंने बताया कि भद्रक आश्रम, पाप मोचन तीर्थ, मृत्यंजय तीर्थ तथा शंख माधव तीर्थ को विकसित करने के लिए वंदन योजना के तहत प्रस्ताव तैयार किए जा रहे हैं जिन्हें राज्य सरकार को भेजा जाएगा। चतुर्मुख कूप के बारे में उन्होंने कहा, इसे एक मॉडल कूप के रूप में विकसित किया जाएगा जिसके तहत इसकी प्राचीन संरचना को बनाए रखते हुए उसी ऐतिहासिक ईंटों का उपयोग किया जाएगा। आकर्षण को बढ़ाने के लिए इस स्थल पर सभी आवश्यक सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी। उन्होंने बताया कि सभी तीर्थ स्थलों के प्रवेश द्वारों को इस तरह से तैयार किया जाएगा कि उनके ऐतिहासिक तथा सांस्कृतिक महत्व की झलक दिखे। उन्होंने बताया कि प्रत्एक स्थल से संबंधित इतिहास और तथ्यों को भगवान कल्कि के अवतारों के चित्रण के साथ प्रदर्शित किया जाएगा ताकि पर्यटकों को क्षेत्र की विरासत के बारे में बताया जा सके।

पुरानी कर व्यवस्था एक-दो साल में स्वयं समाप्त हो जाएगी: राजस्व सचिव

नई दिल्ली (भाषा)। राजस्व सचिव तुहिन कांत पांडेय ने कहा है कि नई कर व्यवस्था में 12 लाख रुपए तक की छूट से पुरानी कर व्यवस्था के खुद ही एक-दो साल में समाप्त हो जाने की संभावना है। पांडेय ने यह भी कहा कि कर का दायरा बढ़ाने के लिए कृत्रिम मेधा (एआई), आंकड़ा विश्लेषण जैसी प्रौद्योगिकी का उपयोग किया जा रहा है। वित्त एवं राजस्व सचिव पांडेय ने पीटीआई-भाषा के साथ साक्षात्कार में कहा, हम नई कर व्यवस्था लाए हैं। उसका मकसद ही यही है कि आप छूट के बारे में हर समय सोचने के बजाय अपनी जरूरत के हिसाब से निवेश करें। यह पूछे जाने पर कि क्या पुरानी कर व्यवस्था को चरणबद्ध तरीके से समाप्त किया जाएगा, उन्होंने कहा, बजट में पुरानी कर व्यवस्था के बारे में कुछ नहीं कहा गया है। इसमें छूट है, कर की दर और स्लैब अलग-अलग हैं। उन्होंने कहा, लेकिन मेरा मानना है कि एक-दो साल में पुरानी कर व्यवस्था अपने आप ही समाप्त हो जाएगी। इतनी बड़ी छूट दी है तो 2025-26 में प्राय: सभी करदाता नई व्यवस्था में आ जाएंगे।

पांडेय ने कहा, अगर आपको 12 लाख रुपए की आय पर कर छूट चाहिए तो आप कहां जाएंगे? सब लोग नई व्यवस्था में आएंगे तो जल्द ही पुरानी कर व्यवस्था समाप्त हो जाएगी। वैसे भी नई कर व्यवस्था डिफॉल्ट है। यानी अगर आपने पुरानी को नहीं चुना है, तो स्वयं नई कर व्यवस्था में आ जाएंगे। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक फरवरी को अपना आठवां बजट पेश करते हुए व्यक्तिगत आयकर सीमा में वृद्धि की घोषणा की थी। अब करदाताओं को नई कर व्यवस्था के तहत 12 लाख रुपए तक की आय पर कोई कर नहीं देना होगा जबकि पहले यह सीमा सात लाख रुपए थी। छूट सीमा में पांच लाख रुपए की बढ़ोतरी अबतक की सबसे बड़ी वृद्धि है। दीर्घकालीन बचत प्रभावित होने से जुड़े एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, लोग अब भी बचत और निवेश करेंगे। कर नीति के जरिए व्यवहार में बदलाव का एक रुख रहा है... लेकिन लोग अब इतने परिपक्व हो गए हैं कि वे निर्णय कर सकते हैं कि उन्हें कितनी खपत करनी है या कितनी बचत या कितना निवेश करना है।

यह पूछे जाने पर कि प्रस्तावित नए आयकर अधिनियम में क्या खास होगा, उन्होंने कहा, नया कानून छोटा व सरल होगा। उसे समझने में आसानी होगी। पुराने पड़ चुके प्रावधानों को हटाया गया है। चीजों को एक जगह लाया गया है। इससे कानूनी विवाद कम होगा। सीतारमण ने शनिवार को वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अपने बजट भाषण में कहा था कि सरकार आने वाले सप्ताह में संसद में नया आयकर विधेयक पेश करेगी, जो 1961 के आयकर कानून की जगह लेगा। कर आधार बढ़ाने के उपायों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, अन्य बातों के अलावा, कर आधार बढ़ाने के लिए एआई, आंकड़ा विश्लेषण का भी उपयोग किया जा रहा है। राजस्व सचिव ने एक अन्य सवाल के जवाब में कहा कि सामान्य तौर पर राजस्व (आयकर) में 20 प्रतिशत के आसपास वृद्धि होती है। इस साल हमने 14 प्रतिशत वृद्धि का लक्ष्य रखा है। कर छूट की वजह से राजस्व में एक लाख करोड़ रुपए की कमी आने को ध्यान में रखते ही वृद्धि का यह लक्ष्य रखा गया है। यह पूछे जाने पर कि क्या आर्थिक वृद्धि दर कम होने से राजस्व संग्रह पर असर होगा, पांडेय ने कहा, बाजार मूल्य पर वृद्धि दर 10.1 प्रतिशत रखी गई है।

पेज 1 का शेष

चुनाव से...

'गरीबी हटाओ' के नारे लगते रहे और अब 25 करोड़ गरीब गरीबी से बाहर आ गए हैं।' उन्होंने कहा कि अब तक गरीब लोगों को 4 करोड़ घर मिल चुके हैं। मोदी ने कहा, 'जिसने इस तरह का जीवन जिया है, वह जानता है कि उचित छत वाले घर का क्या मतलब होता है।' उन्होंने विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा, 'गरीबों का दर्द, आम आदमी की परेशानियां, ऐसे ही नहीं समझी जा सकतीं; इसके लिए जुनून की जरूरत होती है और कुछ लोगों में यह जुनून नहीं होता।' उन्होंने कहा, 'हम संविधान की भावना के अनुसार जीते हैं और जहर की राजनीति का सहारा नहीं लेते।' पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी पर कटाक्ष करते हुए मोदी ने कहा कि जो प्रधानमंत्री '21वीं सदी' का नारा लगाते थे, वे वास्तविकता से इतने दूर थे कि वे 20वीं सदी की जरूरतों को पूरा करने में भी असमर्थ थे। मोदी ने बजट में अपनी सरकार के निर्णयों की भी सराहना की। उन्होंने बताया कि 2002 में 2 लाख रुपये तक की आय पर कोई कर नहीं था और अब 12 लाख रुपये तक की आय पर कोई कर नहीं है। मोदी ने कहा कि उनकी सरकार ने गरीबों के लिए आयुष्मान भारत योजना शुरू की, लेकिन कुछ राज्यों ने इस योजना को रोक दिया, जिससे गरीब लोग कठिनाई में हैं।

ईसी ने...

ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में दावा किया कि भारत में लोकतंत्र अब मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार के हाथों में है और देश देख रहा है कि 'क्या यह राष्ट्रीय राजधानी में जीवित रहता है'। उन्होंने कहा, 'भाजपा खुलेआम गुंडागर्दी कर रही है। लेकिन उनके खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय दिल्ली पुलिस उन्हें बचा रही है, जबकि चुनाव आयोग शिकायत करने वालों के खिलाफ मामले दर्ज कर रहा है।' केजरीवाल ने सोमवार को दावा किया कि चुनाव आयोग ने भाजपा के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने शीर्ष चुनाव अधिकारी से कहा कि आप अपना कर्तव्य निभाएं और पद की इच्छा त्याग दें। 'आज जिस तरह से चुनाव आयोग ने भारतीय जनता पार्टी के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है, ऐसा लगता है जैसे चुनाव आयोग का कोई अस्तित्व ही नहीं है। यह एक बहुत बड़ा सवाल खड़ा कर रहा है। लोगों के मन में सवाल उठना जायज़ है कि राजीव कुमार जी।' उन्होंने कहा, 'मुख्य चुनाव आयुक्त इस महीने के अंत में सेवानिवृत्त हो रहे हैं। सेवानिवृत्ति के बाद उन्हें किस तरह का पद दिया गया है? राज्यपाल का पद, राष्ट्रपति का पद, किस तरह का पद हो सकता है?' आप प्रमुख ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा। उन्होंने कहा, 'मैं राजीव कुमार जी से हाथ जोड़कर विनती करता हूं। अपना कर्तव्य निभाइए, पद की लालसा छोड़िए, पद का लोभ छोडिए। अब अपने करियर के अंतिम पड़ाव पर, देश को, देश के लोकतंत्र को बर्बाद मत कीजिए।' केजरीवाल ने आरोप लगाया था कि कुमार सेवानिवृत्ति के बाद कोई कार्यभार पाने के लिए भाजपा के खिलाफ कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। कुमार ने 65 वर्ष की आयु होने पर 18 फरवरी को पद से इस्तीफा दे दिया। ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू अन्य चुनाव आयुक्त हैं। इस महीने की शुरुआत में चुनाव आयोग ने केजरीवाल से उनकी इस टिप्पणी पर स्पष्टीकरण मांगा था कि हरियाणा की भाजपा सरकार दिल्ली को आपूर्ति होने वाले यमुना जल में जहर मिला रही है। चुनाव आयोग को दिए अपने जवाब में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने यह टिप्पणी राष्ट्रीय राजधानी में पेयजल की गुणवत्ता को लेकर उत्पन्न 'तत्काल सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट' के संदर्भ में की थी।

आतिशी...

और आरोप लगाया कि उसे सोमवार देर रात कालकाजी में 'घूमते' देखा गया, जबकि वह उस क्षेत्र का मतदाता भी नहीं है। पहली शिकायत पर प्रतिक्रिया देते हुए पुलिस ने कहा कि उन्होंने मनीष बिधूड़ी और रवि दयामा को आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) का उल्लंघन करते पाया। उन्होंने बताया कि उनके खिलाफ गोविंदपुरी पुलिस स्टेशन में प्राथमिकी दर्ज की गई है। बाद में, दूसरी कॉल पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने लगभग 10 वाहनों के साथ आप कार्यकर्ताओं की एक बड़ी भीड़ देखी। डीसीपी (दक्षिण-पूर्व) रवि कुमार सिंह ने बताया कि बार-बार हटने का अनुरोध करने पर भी आप सदस्यों ने इनकार कर दिया और निषेधाज्ञा तथा आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन किया। डीसीपी ने बताया कि फ्लाइंग स्क्वायड टीम की शिकायत के बाद पुलिस ने कार्रवाई की। पुलिस ने बताया कि जब उन्होंने घटनास्थल की वीडियोग्राफी शुरू की तो कुछ आप कार्यकर्ताओं ने कथित तौर पर एक हेड कांस्टेबल के साथ मारपीट और दुर्व्यवहार किया, उसका फोन छीन लिया और उसे घायल कर दिया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने हमले के संबंध में एक अलग प्राथमिकी दर्ज की है। यह पूछे जाने पर कि क्या दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी का नाम विशेष रूप से एफआईआर में है, डीसीपी सिंह ने पुष्टि की कि घटनास्थल पर मौजूद और निषेधाज्ञा का उल्लंघन करने वाले सभी लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई थी। पुलिस की इस कार्रवाई पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए आप नेता ने आरोप लगाया कि कालकाजी से भाजपा उम्मीदवार रमेश बिधूड़ी के परिवार के सदस्य खुलेआम चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन कर रहे हैं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, चुनाव आयोग अविश्वसनीय है। रमेश बिधूड़ी के परिवार के सदस्य खुलेआम आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन कर रहे हैं और कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। मैंने पुलिस और चुनाव आयोग से शिकायत की और उन्होंने मेरे खिलाफ मामला दर्ज किया।आतिशी ने एक्स से बातचीत में दावा किया कि दिल्ली पुलिस ने 'दो लोगों को अवैध रूप से हिरासत में लिया, जो एमसीसी उल्लंघन की रिपोर्टिंग कर रहे थे और उसका वीडियो बना रहे थे।' उन्होंने आगे आरोप लगाया कि आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। एक्स पर वीडियो शेयर करते हुए आतिशी ने कहा, वीडियो बना रहे लड़के को पुलिस ने पीटा और ले गई। आप इस वीडियो में देख सकते हैं कि पुलिस उसे लात मार रही है। वीडियो बनाने वाले व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की गई। नियम तोड़ने वाले व्यक्ति के खिलाफ कुछ नहीं। उन्होंने दावा किया कि कालकाजी से उनके भाजपा प्रतिद्वंद्वी रमेश बिधूड़ी और उनके परिवार के सदस्य खुलेआम 'गुंडागर्दी' कर रहे हैं, लेकिन उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई, बल्कि उन्होंने उनके खिलाफ ही मामला दर्ज करा दिया। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भी अपनी बात रखी। उन्होंने आरोप लगाया कि अब वह दिल्ली पुलिस और चुनाव आयोग का 'आधिकारिक रुख' हैं, जो आप के खिलाफ भाजपा की 'गुंडागर्दी' का समर्थन करते हैं और शराब और पैसे वितरित करते समय उन्हें संरक्षण देते हैं। उन्होंने कहा, 'यदि कोई उन्हें रोकता है तो उसके खिलाफ काम में बाधा डालने का मामला दर्ज किया जाएगा।' पुलिस के अनुसार, जब उससे जाने के लिए कहा गया तो उसने इनकार कर दिया। इसके तुरंत बाद, वरिष्ठ आप नेता पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 के तहत अवज्ञा का मामला दर्ज किया गया। जवाब में रमेश बिधूड़ी ने कहा कि मुख्यमंत्री अपनी 'आसन्न हार' से घबरा रही हैं और उन्होंने सुझाव दिया कि उन्हें अपने संवैधानिक पद की 'गरिमा को ठेस नहीं पहुंचानी चाहिए।'

गुजरात...

लिए मुस्लिम नेताओं सहित धार्मिक नेताओं से भी मुलाकात करेगी। श्रॉफ और ठाकर ने कहा कि राज्य सरकार का रुख संवेदनशील है और यह दिखाता है कि वह कानूनों में कमियों को दूर करने और सभी के वास्ते न्याय सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता अमित चावड़ा ने कहा कि भाजपा की ज्यादा दिलचस्पी अल्पसंख्यक बनाम बहुसंख्यक की राजनीति में है। उन्होंने दावा किया, गुजरात में 14 प्रतिशत आदिवासी हैं। यूसीसी आदिवासी समाज की संस्कृति, रीति-रिवाज, धार्मिक परंपराओं और विवाह संस्कार को प्रभावित करेगा। इसी तरह, गुजरात का जैन समुदाय और देवीपूजक भी इससे प्रभावित होंगे। कांग्रेस नेता ने कहा कि भारतीय संविधान ने भी कुछ समुदायों को अपने रीति-रिवाज और संस्कृति को आगे बढ़ाने की स्वतंत्रता दी है। उन्होंने दावा किया, यूसीसी का क्रियान्वयन केंद्र सरकार के अधिकार क्षेत्र में है, न कि राज्य के। चूंकि पूरे गुजरात में भाजपा में अंदरूनी लड़ाई जारी है और यहां की सरकार हर तरह से नाकाम रही है, इसलिए यह घोषणा शहरी निकाय चुनावों से पहले लोगों का ध्यान भटकाने की कोशिश है।

आम आदमी पार्टी की गुजरात इकाई के प्रमुख इसुदान गढ़वीने कहा कि जब भी चुनाव होता है, भाजपा यूसीसी का मुद्दा उठाती है। उन्होंने दावा किया, आज भी, मालधारी समुदाय में घरेलू विवाद के 80 प्रतिशत मामले उसके नेताओं द्वारा सुलझाए जाते हैं। आदिवासी समाज में बहुविवाह प्रथा है और अगर यूसीसी लागू होता है तो ए सब खत्म हो जाएगा। इसलिए, हमारा मानना है कि यूसीसी ईसाइयों, सिखों, मुसलमानों के लिए अड़चन बनने जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगर गुजरात में यूसीसी लागू होता है, तो भाजपा एक भी आदिवासी सीट नहीं जीत पाएगी। गढ़वी ने कहा, मैं भाजपा को यह भी बताना चाहूंगा कि हर चीज को हिंदू-मुस्लिम या वोट बैंक की राजनीति के नजरिए से देखना सही नहीं है। उन्होंने दावा किया कि शहरी निकाय चुनाव नजदीक आने के कारण यह मुद्दा उठाया गया है, विधानसभा चुनाव से पहले फिर से इसे उठाया जा सकता है। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) नेता दानिश सिद्दीकी ने कहा कि यूसीसी का इस्तेमाल मुस्लिम समुदाय को निशाना बनाने के लिए किया जा रहा है और यह भी कहा कि उन्हें सरकार द्वारा गठित समिति से बहुत ज्यादा उम्मीद नहीं है जो बिना किसी पूर्वाग्रह के अलग-अलग विचारों पर गौर करेगी। उन्होंने कहा कि अगर आदिवासियों को प्रस्तावित कानून से बाहर रखा जाता है, तो यह यूसीसी नहीं कहलाएगा। उन्होंने इस बात पर बल दिया, हम पैनल के समक्ष अपना पक्ष रखेंगे। भाजपा बहुविवाह को लेकर मुसलमानों पर तो निशाना साधती है तो उसे यह पता होना चाहिए कि अन्य समुदायों में भी यह प्रथा प्रचलित है। जब एक समुदाय को (बहुविवाह की) अनुमति दी जाती है और अन्य को नहीं, तो यह यूसीसी नहीं कहलाएगा। समिति की सदस्य गीता श्रॉफ ने कहा कि उनका दृढ़तापूर्वक मानना है कि एक समान कानून से कई लाभ होंगे। उन्होंने कहा, पिछले 30 वर्षों में मैंने देखा कि किस तरह न्याय की लड़ाई के लिए महिलाओं और बच्चों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। यूसीसी इन कठिनाइयों को दूर करेगा। ठाकर ने कहा कि पर्सनल लॉ के कारण महिलाओं पर विशेष रूप से प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, और उच्चतम न्यायालय ने शाह बानो मामले में निर्देश दिया था कि ऐसे मामलों में विरोधाभासों को दूर किया जाना चाहिए और एक समान कानून बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, यहां तक कि संविधान सभा ने भी मार्गदर्शक सिद्धांत तैयार किए हैं जिनमें इसके लिए प्रावधान हैं। हम जानते हैं कि उत्तराखंड ने समान नागरिक संहिता लागू की है।

अमेरिका ने...

दौर डोनाल्ड ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल के लिए अमेरिका के राष्टपति बनने के लगभग दो सप्ताह बाद शुरू हुआ है। ट्रम्प ने अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे अप्रवासियों से निपटने के लिए सख्त नीति अपनाने का वादा किया है और पहले ही आव्रजन संबंधी कई कार्यकारी आदेशों पर हस्ताक्षर कर चुके हैं। 27 जनवरी को प्रधानमंत्री मोदी के साथ फोन पर बातचीत के बाद ट्रम्प ने कहा था कि भारत अमेरिका से अवैध प्रवासियों को वापस भेजने के मामले में 'वही करेगा जो सही होगा।' उन्होंने कहा, हम उन्हें वापस ले लेंगे, बशर्ते वे हमारे साथ दस्तावेज साझा करें, ताकि हम उनकी राष्ट्रीयता की पुष्टि कर सकें और यह सुनिश्चित कर सकें कि वे वास्तव में भारतीय हैं। साथ ही, जायसवाल ने कहा कि अमेरिका में रह रहे अवैध भारतीय प्रवासियों की संख्या के बारे में बात करना अभी 'जल्दबाजी' होगी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा था कि भारत इस बात की पुष्टि कर रहा है कि अमेरिका से किसे भारत भेजा जा सकता है, तथा ऐसे व्यक्तियों की संख्या अभी निर्धारित नहीं की जा सकती है। जयशंकर ने कहा था, हर देश के साथ, और अमेरिका कोई अपवाद नहीं है, हमने हमेशा यह कहा है कि यदि हमारा कोई नागरिक वहां अवैध रूप से है, और यदि हमें यकीन है कि वे हमारे नागरिक हैं, तो हम हमेशा उनकी वैध भारत वापसी के लिए तैयार हैं। प्यू रिसर्च सेंटर के आंकड़ों के अनुसार, भारत से लगभग 725,000 अवैध अप्रवासी अमेरिका में रहते हैं, जिससे यह मेक्सिको और अल साल्वाडोर के बाद अनधिकृत अप्रवासियों की तीसरी सबसे बड़ी आबादी वाला देश बन गया है। ट्रम्प ने अपने चुनाव प्रचार के दौरान कहा था, जब मैं दोबारा निर्वाचित होऊंगा तो हम अमेरिकी इतिहास का सबसे बड़ा निर्वासन अभियान शुरू करेंगे। बड़े पैमाने पर यह निर्वासन सीमा प्रवर्तन पर अमेरिकी सरकार के दृढ़ रुख को रेखांकित करता है और इससे देश में अवैध रूप से रह रहे हजारों भारतीय नागरिकों पर प्रभाव पड़ने की आशंका है। ट्रम्प की अप्रवासी-विरोधी बयानबाजी 2024 में अमेरिकी चुनावों के लिए उनके अभियान के लिए महत्वपूर्ण थी। जब उन्होंने जनवरी में पदभार संभाला, तो उन्होंने दोहराया कि सभी अवैध अप्रवासियों को वापस भेज दिया जाएगा। ट्रम्प ने अपने उद्घाटन भाषण के दौरान कहा, सभी अवैध प्रवेश को तुरंत रोक दिया जाएगा, और हम लाखों-करोड़ों अवैध विदेशियों को उनके स्थानों पर वापस भेजने की प्रक्रिया शुरू करेंगे, जहां से वे आए थे। ट्रम्प प्रशासन ने सीमा शुल्क और सीमा गश्ती एजेंसी के तहत सीबीपी वन मोबाइल एप्लिकेशन को भी बंद कर दिया है, जो प्रवासियों को सीमा प्रवेश बिंदुओं पर अपॉइंटमेंट निर्धारित करने की अनुमति देता था।

उच्चतम न्यायालय...

आदेश के अनुपालन की जानकारी देते हुए उचित हलफनामा दायर करने का निर्देश देते हैं। अगर राज्य सरकार को पता चलता है कि राष्ट्रीयता सत्यापन फॉर्म दो महीने पहले भेजे गए हैं, तो वह तुरंत विदेश मंत्रालय को एक अनुस्मारक जारी करेगी। मंत्रालय को जैसे ही अनुस्मारक प्राप्त होगा, वह राष्ट्रीयता की स्थिति के सत्यापन के आधार पर प्रभावी कार्वाई करेगा। पीठ ने असम के मुख्य सचिव डॉ. रवि कोटा से सवाल-जवाब किए, जिन्हें वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए पेश होने का निर्देश दिया गया था। उसने कोटा से पूछा कि बंदियों को उनके संबंधित देशों में वापस भेजने में देरी क्यों हो रही है। पीठ ने मुख्य सचिव से कहा, पता मालूम नहीं होने पर भी आप उन्हें निर्वासित कर सकते हैं। आप उन्हें अनिश्चितकाल तक हिरासत में नहीं रख सकते। असम सरकार के वकील ने बिना पते वाले विदेशियों को निर्वासित करने में असमर्थता जताई। पीठ ने इस पर कहा, आप उन्हें उनके देश की राजधानी में भेज सकते हैं। मान लीजिए कि व्यक्ति पाकिस्तान से है, तो आप पाकिस्तान की राजधानी तो जानते ही हैं? आप यह कहकर उन्हें यहां हिरासत में कैसे रख सकते हैं कि उनका पता ज्ञात नहीं है? आप कभी उनका पता नहीं जान पाएंगे। पीठ ने कहा कि राज्य का खजाना इतने वर्षों से हिरासत में लिए गए लोगों पर खर्च हो रहा है और यह आश्चर्यजनक है कि इससे सरकार को कोई परेशानी नहीं है। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कोलिन गोंजालविज ने कहा कि बांग्लादेश ने बंदियों को अपना नागरिक मानने से इनकार कर दिया है।

चीन की घुसपैठ के दावों को लेकर राहुल पर बरसे राजनाथ

भाषा। नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भारत-चीन सीमा पर स्थिति को लेकर सेना प्रमुख के बयान के बारे में झूठे दावे करने का आरोप लगाया। सिंह ने एक्स पर कहा, राहुल गांधी ने सेना प्रमुख का हवाला देते हुए जो शब्द कहे हैं, वह उन्होंने कभी नहीं कहे। यह बहुत अफसोस की बात है कि राहुल गांधी राष्ट्रीय हित के मामलों पर गैरजिम्मेदार राजनीति में लिप्त हैं। सोमवार को लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने दावा किया था कि चीन ने भारत की जमीन पर कब्जा किया है लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इससे इनकार किया है। गांधी ने कहा था कि सेना प्रधानमंत्री की राय से असहमत है। गांधी के दावों पर सत्ता पक्ष ने कड़ा विरोध किया। गांधी ने कहा था, प्रधानमंत्री ने इस बात से इनकार किया है कि चीनी सेना हमारे क्षेत्र में घुसी है, लेकिन किसी कारणवश हमारी सेना चीनियों से हमारे क्षेत्र में उनके प्रवेश के बारे में बात करती रहती है और हमारे सेना प्रमुख ने कहा है कि चीनी हमारे क्षेत्र में घुसे हुए हैं।

सिंह ने मंगलवार को कहा कि ए झूठे दावे हैं। उन्होंने कहा, राहुल गांधी ने तीन फरवरी को संसद में अपने भाषण में भारत-चीन सीमा पर स्थिति को लेकर सेना प्रमुख के बयान के बारे में झूठे आरोप लगाए। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि सेना प्रमुख की टिप्पणी केवल दोनों पक्षों द्वारा पारंपरिक गश्त में व्यवधान का संदर्भ देती है। सिंह ने कहा कि उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि हाल में सेना को पीछे हटाने की प्रक्रिया के तहत इन गतिविधियों को उनके पारंपरिक स्वरूप में बहाल कर दिया गया है। रक्षा मंत्री ने कहा कि सरकार ने संसद में इन विवरणों को साझा किया है। उन्होंने कहा कि अगर चीन ने भारत के किसी क्षेत्र पर कब्जा किया है तो वह 1962 के युद्ध के परिणामस्वरूप अक्साई चिन में 38,000 वर्ग किलोमीटर और 1963 में पाकिस्तान द्वारा चीन को अवैध रूप से दिया गया 5,180 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र है। उन वर्षों में कांग्रेस सत्ता में थी। सिंह ने कहा, राहुल गांधी को हमारे इतिहास के इस चरण पर आत्मविश्लेषण करना चाहिए। इस बीच, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे ने मंगलवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर सदन में भाषण के दौरान राहुल गांधी द्वारा सरासर झूठ और दुष्प्रचार अभियान चलाने के लिए उनके खिलाफ विशेषाधिकार हनन की कार्यवाही शुरू करने की मांग की। सोमवार को विपक्ष के नेता के भाषण पर सत्तारूढ़ भाजपा की ओर से कड़ी आपत्ति जताए जाने के बाद दुबे ने अध्यक्ष को अपना नोटिस सौंपते हुए दावा किया कि कांग्रेस नेता अपने आरोपों को प्रमाणित किए बिना झूठ फैलाने के लिए अपने संसदीय विशेषाधिकार का इस्तेमाल कर रहे हैं। भाजपा सांसद ने कहा कि राहुल गांधी के भाषण में मुख्य रूप से दावे थे, जिनमें यह भी शामिल था कि मोबाइल फोन भारत में नहीं बनते बल्कि यहां केवल असेंबल किए जाते हैं और चीन ने भारतीय क्षेत्र पर कब्जा कर लिया है।

भाजपा सांसद ने राहुल गांधी के खिलाफ विशेषाधिकार हनन की कार्यवाही आरंभ करने की मांग की

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे ने मंगलवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ सदन में अपने भाषण के दौरान स्पष्ट झूठ और निंदा अभियान के लिए विशेषाधिकार हनन की कार्यवाही शुरू करने की मांग की।राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान सोमवार को विपक्ष के नेता के भाषण का सत्तारूढ़ भाजपा ने कड़ा विरोध किया था, जिसके बाद दुबे ने अध्यक्ष को अपना नोटिस सौंपा और दावा किया कि कांग्रेस नेता अपने आरोपों को प्रमाणित किए बिना अफवाह फैलाने के लिए अपने संसदीय विशेषाधिकार का उपयोग कर रहे हैं।अपने भाषण के दौरान राहुल गांधी ने मोबाइल फोन दिखाते हुए कहा, यह मेड इन इंडिया नहीं, बल्कि असेंबल्ड इन इंडिया है। राहुल ने यह आरोप भी लगाया था कि भारत ने विदेश मंत्री एस जयशंकर को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के

शपथ ग्रहण समारोह के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का निमंत्रण प्राप्त करने के लिए अमेरिका भेजा था। उनके कुछ आरोप महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए मतदाता सूची और निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति के लिए कानून से भी संबंधित थे।अपने पत्र में, दुबे ने मुद्दों के साथ-साथ जाति जनगणना की मांग से संबंधित कांग्रेस नेता के आरोपों का भी जिक्र किया।उन्होंने आरोप लगाया, इन मुद्दों को उठाते हुए राहुल गांधी ने न केवल ऐतिहासिक एवं ठोस तथ्यों को बेशर्मी से तोड़-मरोड़कर पेश किया है बल्कि हमारे देश का मजाक उड़ाने और हमारे गणतंत्र की प्रतिष्ठा को कम करने की भी कोशिश की है। उन्होंने कहा कि बिरला ने गांधी से अपने दावों को प्रमाणित करने के लिए कहा था जबकि कांग्रेस नेता ने अब तक ऐसा नहीं किया है।विपक्ष के नेता पर कटाक्ष करते हुए दुबे ने कहा, इस विद्वान व्यक्ति ने न तो अपनी अस्पष्ट अफवाहों का प्रमाण दिया है और न ही हमारे देश और निर्वाचित सरकार को बदनाम करने के लिए संसद के पवित्र मंच का उपयोग करने के लिए माफी मांगी है। उन्होंने गांधी पर संविधान के अनुच्छेद 105 का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया, जो सांसदों को लोकसभा और राज्यसभा के भीतर की गई उनकी टिप्पणियों के लिए विशेषाधिकार प्रदान करता है।दुबे ने आरोप लगाया कि गांधी पूरी तरह गलत और काल्पनिक धारणा बनाकर संसद का दुरुपयोग कर रहे हैं कि एक सांसद के रूप में उन्हें सदन में अपनी मर्जी से बोलने का विशेषाधिकार है।

गो तस्करों को देखते ही गोली मारने का आदेश दूंगा: कर्नाटक के मंत्री

करवार (कर्नाटक)। उत्तर कन्नड़ जिले में गाय चोरी की घटनाओं के बीच जिले के प्रभारी मंत्री मनकल एस. वैद्य ने चेतावनी दी है कि गो तस्करी में लिप्त पाए जाने वाले व्यक्तियों को खुलेआम सड़कों या चौराहे पर गोली मार दी जाएगी। उन्होंने कहा कि वह जिले में इस तरह की गतिविधियों को जारी नही रहने देंगे। उन्होंने आश्वस्त किया कि प्रशासन गायों और गो पालकों के हितों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठा रहा है। वैद्य का यह बयान हाल में होन्नावर के पास एक गर्भवती गाय के वध की घटना को लेकर फैले आक्रोश के बाद आया है। उन्होंने कहा, गाय चोरी की घटनाएं कई वर्षों से हो रही हैं। मैंने एसपी (पुलिस अधीक्षक) से कहा है कि यह रुकना चाहिए और किसी भी कीमत पर ऐसा नही होना चाहिए। यह गलत है। हम गाय की पूजा करते है। हम इस पशु को प्यार से पालते है। हम इसका दूध पीकर बड़े हुए हैं। मंत्री ने सोमवार को पत्रकारों से कहा कि उन्होंने पुलिस को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जो भी इस अपराध में शामिल पाया जाए, उसके खिलाफ कठोर कार्वाई की जाए। उन्होंने कहा, कुछ मामलों मे गिरफ्तारी हुई है। अगर ऐसी घटनाएं जारी रही, तो... शायद मुझे ऐसा नही कहना चाहिए, लेकिन मैं सुनिश्चित करूंगा कि आरोपियों को सड़क पर या चौक पर गोली मार दी जाए। काम करिए, कमाइए और खाइए। हमारे जिले में रोजगार के बहुत विकल्प है। लेकिन हम किसी भी कीमत पर गो तस्करी में शामिल लोगों का समर्थन नही करेंगे। मंत्री ने कहा कि ऐसी घटनाएं पहले भी हो चुकी है, जब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सत्ता में थी। मंत्री ने इस मुद्दे को लेकर सरकार को घेरने के लिए विपक्षी दल पर निशाना साधा और सत्ता में रहने के दौरान इस मुद्दे पर चुप्पी साधे रहने का आरोप लगाया।

मेरठ में गोवध को लेकर चार पुलिसकर्मी निलंबित

मेरठ (उप्र)। मेरठ मे पिछले कुछ दिनो मे गोवध की घटनाएं सामने आने के बाद एक चौकी प्रभारी सहित चार पुलिसकर्मियो को निलंबित कर दिया गया। अधिकारियो ने मंगलवार को यह जानकारी दी।फूलबाग पुलिस चौकी क्षेत्र में सोमवार को गोवंश के अवशेष मिलने के बाद यह कार्वाई की गई।गोवंश के अवशेष मिलने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं ने युवा शाखा के पूर्व नेता के नेतृत्व मे विरोध-प्रदर्शन किया था। रविवार को भी उसी क्षेत्र में गोवंश के अवशेष मिले थे और उस दिन भी कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया था। आधिकारिक बयान के अनुसार वरिष्ठ अधिकारियो ने संबंधित पुलिस टीम को इस तरह की घटनाओं पर अंकुश लगाने के निर्देश दिए थे लेकिन इसके बावजूद गोवध की घटनाएं जारी रही। बयान में कहा गया कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विपिन ताडा ने सोमवार रात को फूलबाग पुलिस चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक महेश कुमार, उपनिरीक्षक वीरेंद्र सिंह और कांस्टेबल प्रकाश तथा पवन को गोवध की घटनाओं पर अंकुश लगाने मे नाकाम रहने पर निलंबित करने का आदेश दिया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने जिले के सभी थाना प्रभारियों को गोवध रोकने के लिए सख्त कदम उठाने का निर्देश दिया और ऐसा करने में विफल रहने पर कड़ी कार्वाई की चेतावनी दी। प्रदर्शन का नेतृत्व करने वाले भाजपा की युवा शाखा के पूर्व नेता अंकित चौधरी ने दावा किया कि स्थानीय निवासियो ने उन्हें रविवार को गोवंश के अवशेष मिलने की सूचना दी थी। लोगों के आक्रोश के बाद पुलिस अधिकारियों ने उन्हें आश्वासन दिया था कि 48 घंटे के भीतर मामले को सुलझा लिया जाएगा।उन्होने बताया कि हालांकि, इस समयसीमा के समाप्त होने से पहले ही सोमवार को सूरजकुंड सीताराम पुलिया के पास भी गोवंश के अवशेष मिलने से तनाव और बढ़ गया।

शिरडी में लूट के दौरान साईंबाबा मंदिर ट्रस्ट के दो कर्मचारियों की हत्या, एक अन्य व्यक्ति घायल

मुंबई। महाराष्ट्र के अहिल्यानगर जिले के शिरडी मे लूट की अलग-अलग कोशिशों के दौरान श्री साईबाबा संस्थान ट्रस्ट के दो कर्मचारियो की चाकू मारकर हत्या कर दी गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति हमले में घायल हो गया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने श्रीराम नगर के निवासी किरण न्यानदेव सदा कुले को पकड़ लिया है और सोमवार तड़के हुए हमलों के सिलसिले में एक अन्य आरोपी की तलाश कर रही है। उन्होंने कहा कि मृतक सुभाष साहेबराव घोडे (43) और नितिन कृष्ण शेजुल (45) शिरडी में प्रसिद्ध साईंबाबा मंदिर का प्रबंधन करने वाले ट्रस्ट के कर्मचारी थे। अधिकारी के मुताबिक, मंदिर विभाग में सहायक घोडे और सुरक्षा विभाग में संविदा कर्मचारी शेजुल की चाकू मारकर हत्या की गई और श्रीकृष्ण नगर के निवासी कृष्णा डेहरकर को हमलों के दौरान चोटें आईं। उन्होंने बताया कि तीन हमले एक घंटे के अंतराल में हुए। अधिकारी ने कहा कि हमलों का एकमात्र मकसद लूट था और कुले व अन्य आरोपियों के खिलाफ कई मामले दर्ज है।

थिरुप्परनकुंद्रम मंदिर क्षेत्र पुलिस गढ़ में तब्दील, हिंदू मुन्नानी कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया

मदुरै (तमिलनाडु)। तमिलनाडु का मनोरम पहाड़ी शहर थिरुप्परनकुंद्रम, जहां भगवान सुब्रह्मण्यम का मंदिर स्थित है, मंगलवार को पुलिस गढ़ मे तब्दील हो गया, क्योंकि मुदैरे जिला प्रशासन की ओर से लगाई गई निषेधाज्ञा के बाद 10 जिलों के चार हजार से अधिक पुलिस कर्मियों और अधिकारियों ने वहां मोर्चा संभाल लिया। पुलिस ने पहाड़ी पर मांसाहारी भोजन खाने वाले लोगों के एक वर्ग के खिलाफ मंगलवार को आंदोलन की घोषणा करने वाले हिंदू मुन्नानी (हिंदू मोर्चा) के लगभग आठ कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। हालांकि, पहाड़ी पर स्थित मंदिर भगवान सुब्रह्मण्यम (मुरुगन) को समर्पित है, लेकिन वहां सिकंदर बदुशा दरगाह भी मौजूद है। हाल ही में लोगों के एक समूह ने पहाड़ी पर कथित रूप से मांसाहारी भोजन का सेवन किया, जिससे हिंदू श्रद्धालुओं में नाराजगी है। पुलिस ने बताया कि एहतियात के तौर पर हिंदू मुन्नानी के आठ सदस्यों को हिरासत में लिया गया है। हिंदू मुन्नानी के एक नेता ने कहा कि मदुरै में निषेधाज्ञा लागू करने के जिला प्रशासन के फैसले को मद्रास उच्च न्यायालय की मदुरै पीठ मे चुनौती दी गई है। हिंदू मुन्नानी के सदस्यों को हिरासत में लिए जाने और क्षेत्र में निषेधाज्ञा लागू किए जाने के फैसले की निंदा करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एच राजा ने कहा कि जब राष्ट्रीय एजेंसियां तमिलनाडु में छिपे आतंकवादियों को गिरफ्तार करने में जुटी थी, तब राज्य पुलिस ने हिंदू संगठनों के उन सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया, जो थिरुप्परनकुंद्रम पहाड़ी पर शांतिपूर्ण ढंग से प्रदर्शन करना चाहते थे। उन्होंने कहा, यह स्थिति एक दिन बदल जाएगी। आदेश को लोकतांत्रिक अधिकारों और श्रद्धालुओं की भावनाओं का दमन करार देते हुए हिंदू मुन्नानी के प्रदेश अध्यक्ष कादेश्वर सुब्रमण्यम ने कहा कि उनका संगठन मदुरै की धरती से हिंदुओं के लिए स्वतंत्रता संग्राम शुरू करने मे संकोच नही करेगा।

उत्कर्ष बैंक ने वित्तीय पहुंच का किया विस्तार

कुशीनगर- प्रतापगढ़। उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड ने उत्तर प्रदेश में दो नए बैंकिंग आउटलेट्स का उद्घाटन करने की घोषणा की हैकृनेबुआ रायगंज ;कुशीनगरद्ध और पुरा ;प्रतापगढ़द्ध। इन लॉन्च के साथए बैंक अब उत्तर प्रदेश में 218 शाखाओं और देश भर में 1046 बैंकिंग आउटलेट्स का संचालन करता हैए जो अल्पसेवित समुदायों को सुलभ और व्यापक वित्तीय सेवाएं प्रदान करने के अपने मिशन में एक महत्वपूर्ण कदम है। विस्तार पर टिप्पणी करते हुएए श्री गोविंद सिंहए प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारीए उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड ने कहाए ष्नेबुआ रायगंज और पुरा में हमारे नए बैंकिंग आउटलेट्स का उद्घाटन उत्तर प्रदेश में वित्तीय समावेशन को बढ़ाने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। नेबुआ रायगंजए अपनी गहरी कृषि परंपराओं के लिए जाना जाता हैए और पुराए जो अपनी ऐतिहासिक महत्व और समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर के लिए प्रसिद्ध हैए ऐसे समुदायों का घर है जिनमें विशाल विकास की संभावना है। उपयुक्त वित्तीय समाधान पेश करकेए हम व्यक्तियों को सशक्त बनानेए स्थानीय व्यवसायों का समर्थन करनेए और इन ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध क्षेत्रों के आर्थिक विकास में योगदान करने का लक्ष्य रखते हैं।ष्

धनंजय मुंडे के कृषि मंत्री रहते विभाग में 88 करोड़ का घोटाला हुआ : दमानिया

मुंबई। कार्यकर्ता अंजलि दमानिया ने मंगलवार को दावा किया कि महाराष्ट्र की पिछली महायुति सरकार मे राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता धनंजय मुंडे के मंत्री रहते कृषि विभाग में 88 करोड़ रुपए का घोटाला हुआ था। मौजूदा सरकार मे खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री मुंडे ने दमानिया के आरोपों को बेबुनियाद और राजनीति से प्रेरित बताया। मुंडे पिछली सरकार में कृषि मंत्री थे। आम आदमी पार्टी (आप) की पूर्व नेता दमानिया ने दावा किया कि प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के तहत किसानों के बैंक खातों मे सीधे धन हस्तांतरित करने के केंद्र सरकार के 2016 के निर्देश के बावजूद, कृषि विभाग ने किसानों के बीच वितरण के लिए उपकरण व उर्वरक ऊंची दरों पर खरीदे। बीड जिले मे सरपंच संतोष देशमुख की हत्या से संबंधित जबरन वसूली मामले में अपने सहयोगी वाल्मीक कराड की गिरफ्तारी को लेकर धनंजय मुंडे पहले से ही आलोचनाओं का सामना कर रहे है। यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए दमानिया ने कथित घोटाले से संबंधित दस्तावेज पेश किए। दमानिया ने दावा किया, ए दस्तावेज इस बात का सबूत है कि कैसे मंत्री ने किसानों का पैसा हड़पकर कानूनों का उल्लंघन किया। डीबीटी से संबंधित सरकारी प्रस्ताव (जीआर) के अनुसार, योजना-संबंधी सभी धनराशियां अपना सामान खुद बनाने वाली महाबीज, केवीके और एमएआईडीसी जैसी कुछ सरकारी संस्थाओं को छोड़कर, सीधे किसानों के बैंक खातो मे स्थानांतरित की जानी थी। हालांकि, इस नियम की अनदेखी की गई। उन्होने 12 सितंबर 2018 के एक जीआर का हवाला दिया, जिसमें डीबीटी के तहत आने वाले 62 घटकों को सूचीबद्ध किया गया था। दमानिया ने कहा कि हालांकि, मुख्यमंत्री के पास डीबीटी सूची मे नए घटकों को जोड़ने का अधिकार है, लेकिन मौजूदा घटकों को मुख्य सचिव, वित्त सचिव और योजना सचिव की समिति की मंजूरी के बिना हटाया नही जा सकता। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के लिए आदर्श आचार संहिता लागू होने से ठीक पहले, राज्य सरकार ने 12 मार्च 2024 को एक नया जीआर जारी किया, जिसमे कृषि सामग्री की खरीद के लिए कृषि आयुक्त को नियंत्रण अधिकारी नियुक्त किया गया। कार्यकर्ता ने दावा किया कि तत्कालीन कृषि आयुक्त प्रवीण गेदाम ने 15 मार्च 2024 को चिंता जताई और कहा कि योजना का कार्यान्वयन गलत था।

अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध से भारतीय निर्यातकों को फायदा होगा

नई दिल्ली। अमेरिका और चीन के बीच का व्यापार युद्ध भारतीय निर्यातकों के लिए फायदेमंद हो सकता है, क्योंकि इससे अमेरिकी बाजार में भारतीय निर्यात बढ़ने की उम्मीद है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्र ने बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान जब अमेरिका ने चीनी वस्तुओं पर उच्च शुल्क लगाया था, तो उस दौरान भारत चौथा सबसे बड़ा लाभ पाने वाला देश था। एक सूत्र ने कहा, इस व्यापार युद्ध से भारत को लाभ मिलने की संभावना है। भारत से निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है। निर्यातकों ने यह भी कहा है कि चीन से आयात पर अमेरिका द्वारा सीमा शुल्क लगाए जाने से भारत को अमेरिका में निर्यात के लिए बहुत अवसर मिलेंगे।शुल्क लगाए जाने से चीन से अमेरिका को होने वाले निर्यात पर असर पड़ेगा क्योंकि इससे अमेरिकी बाजार में उनके सामान की कीमते बढ़ जाएंगी।

भोपाल में भीख देने और मांगने पर प्रतिबंध लगाया

भोपाल। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में प्राधिकारियो ने भीख मांगने और देने पर प्रतिबंध लगा दिया है और ऐसा करने वालों के खिलाफ दंडात्मक कार्वाई की चेतावनी दी है।राज्य के इंदौर जिले मे भीख मांगने और देने पर पहले ही प्रतिबंध लगा जा चुका है। भोपाल के जिलाधिकारी कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने सोमवार शाम को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 (2) के तहत जारी आदेश मे भीख मांगने और देने पर प्रतिबंध लगा दिया। आदेश मे कहा गया कि यातायात सिग्नल पर भीख मांगने वाले कई भिखारी आपराधिक गतिविधियों और नशे की लत मे लिप्त पाए गए है तथा यातायात सिग्नल पर उनकी मौजूदगी दुर्घटनाओं का खतरा पैदा करती है। इसमें कहा गया कि पूरे भोपाल जिले मे भीख मांगने और भीख देने पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया गया है। आदेश मे कहा गया, भिखारियो को भीख के रूप मे कुछ भी देने या उनसे कोई सामान खरीदने वाले व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्वाई की जाएगी। इसमे कहा गया कि भीख मांगने के खिलाफ प्रशासन के प्रतिबंधात्मक आदेश का उल्लंघन करने वालो के खिलाफ संबंधित कानूनी प्रावधानो के तहत मामले दर्ज किए जाएंगे।

वीवर्क ने सेबी के पास डीआरएचपी दाखिल किया

नई दिल्ली। भारत के अग्रणी प्रीमियम फ्लेक्सिबल कार्यस्थल परिचालकों में से एक और पिछले तीन वित्तीय वर्षों में कुल राजस्व के हिसाब से सबसे बड़ा परिचालक (स्रोतः सीबीआरई) वीवर्क इंडिया मैनेजमेंट लिमिटेड (वीवर्क इंडिया) ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस दाखिल किया है। कंपनी बड़े उद्यमों, छोटे और मध्यम आकार के व्यवसायों, स्टार्टअप और व्यक्तियों सहित विविध प्रकार के ग्राहकों को फ्लेक्सिबल, उच्च-गुणवत्ता वाले कार्यस्थल प्रदान करती है। इसके सदस्य आधार में फॉर्च्यून 500 कंपनियों, अंतरराष्ट्रीय और घरेलू निगमों, बड़े उद्यमों, जीसीसी, एमएसएमई और स्टार्टअप की एक बड़ी सूची शामिल है।कंपनी की आरंभिक सार्वजनिक पेशकश में 43,753,952 इक्विटी शेयरों तक की बिक्री की पेशकश (ओएफएस) शामिल है।। जेएम फाइनेंशियल लिमिटेड, आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज लिमिटेड, जेफरीज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, कोटक महिंद्रा कैपिटल कंपनी लिमिटेड और 360 वन डब्ल्यूएएम लिमिटेड इस इश्यू के बुक रनिंग लीड मैनेजर हैं।

बिहार सरकार ने वर्षों से खाली पड़े 7,000 पदों को भरा: सीएम नीतीश

भाषा। पटना

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को कहा कि प्रदेश सरकार ने कानूनी विवादों के कारण वर्षों से खाली पड़े विभिन्न विभागों में करीब 7,000 पदों को भरा है। मुख्यमंत्री की मौजूदगी में आयोजित एक समारोह में कुल 6,341 कनिष्ठ अभियनताओं (जेई) को नियुक्ति पत्र वितरित किए।इन अधिकारियों को आठ विभागों में तैनात किया जाएगा।इसके अलावा, इसी समारोह में श्रम विभाग में तैनात किए जाने वाले 496 अनुदेशकों को भी नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। प्रदेश सरकार में जल संसाधन मंत्री और जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के वरिष्ठ नेता विजय कुमार चौधरी ने पत्रकारों से कहा, इनमें से ज्यादातर पदों के लिए बिहार तकनीकी सेवा आयोग ने 2019 में ही विज्ञापन जारी कर दिया था। लेकिन कई अभ्यर्थियों ने पटना उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय में भर्ती प्रक्रिया को चुनौती दी थी। भर्ती को

चुनौती देने वाले अभ्यर्थियों में पहले से ही संविदा के आधार पर सेवाएं देने वाले और गैर-सरकारी संस्थानों से डिप्लोमा प्राप्त लोग शामिल हैं।मंत्री ने कहा, नोडल विभाग के तौर पर हमने रिक्त सरकारी पदों को भरने के मुख्यमंत्री के संकल्प के रास्ते में आने वाली बाधाओं की समीक्षा की। मुख्यमंत्री की सलाह पर गतिरोध को हल करने के लिए एक प्रस्ताव शीर्ष अदालत के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जिसने भर्ती प्रक्रिया को अपनी मंजूरी दे दी। उन्होंने दावा किया, 2005 से जब हमारे नेता ने मुख्यमंत्री का पद संभाला है, विकास सरकार का एकमात्र एजेंडा रहा है। विपक्ष को एहसास हो गया है कि विकास को स्वीकार न करना एक राजनीतिक भूल होगी और विपक्षी नेता अब इसका श्रेय लेने में व्यस्त हैं। जदयू नेता ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की बुधवार को होने वाली पटना यात्रा के बारे में पूछे जाने पर कहा, वह अक्सर अपनी ही पार्टी को नुकसान पहुंचाते हैं। जाति जनगणना को नीतीश कुमार के दिमाग की उपज मानने से उनके इनकार किए जाने में बेईमानी की बू आती है।

कोर्ट ने नए सिरे से काउंसलिंग की याचिका पर केंद्र, अन्य से जवाब मांगा

नीट-पीजी 2024

भाषा। नई दिल्ली,

उच्चतम न्यायालय ने नीट-पीजी 2024 के अखिल भारतीय कोटा (एआईक्यू) चरण-3 की नए सिरे से काउंसलिंग के अनुरोध वाली याचिका पर मंगलवार को केंद्र, राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (एनएमसी) और अन्य से जवाब मांगा। न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने याचिका पर जवाब तलब करते हुए नोटिस जारी किया और सुनवाई सात फरवरी के लिए निर्धारित कर दी। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातकोत्तर (नीट-पीजी) 2024 की काउंसलिंग के लिए पात्र याचिकाकर्ताओं ने कहा कि नीट-पीजी के लिए एआईक्यू काउंसलिंग का चरण-3 कुछ राज्यों में काउंसलिंग के चरण-2 के समापन से पहले शुरू हुआ था। वकील तन्वी दुबे की ओर से दायर याचिका में कहा गया है कि याचिकाकर्ता एआईक्यू और राज्य कोटा संबंधी काउंसलिंग कार्यक्रम में टकराव से व्यथित हैं। इसमें कहा गया है कि राज्य कोटे से कई अभ्यर्थियों को एआईक्यू चरण-3 में पंजीकरण करने और सीट प्राप्त करने का मौका मिल गया, जो अन्यथा एआईक्यू चरण-3 के लिए पंजीकरण करने के वास्ते अयोग्य थे। याचिका में कहा गया है कि जब राज्य संबंधी चरण-2 की काउंसलिंग शुरू हुई, तो उनके पास सबसे अच्छे विकल्प के बीच चयन करने और राज्य संबंधी काउंसलिंग में बेहतर सीट मिलने पर एआईक्यू सीट छोड़ने का विकल्प था। इसमें कहा गया है, इससे याचिकाकर्ताओं और उनकी तरह के अन्य अभ्यर्थियों के लिए गंभीर पूर्वाग्रह पैदा हुआ, क्योंकि वे उन सीट से वंचित रह गए, जो राज्य संबंधी अभ्यर्थियों को मिल गईं, जिनके चरण-2 की काउंसलिंग पहले शुरू नहीं हुई थी।

सिर्फ 90 दिनों की सीमा बीतने के आधार पर याचिका को खारिज नहीं किया जा सकता: न्यायालय

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण अधिनियम, 2008 के तहत आरोपियों या पीड़ितों की अपीलों को केवल इस आधार पर खारिज नहीं किया जाना चाहिए कि 90 दिन से अधिक की देरी को माफ नहीं किया जा सकता। प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) अधिनियम की धारा 21(5) की वैधता को चुनौती देने संबंधी याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी, जो निचली अदालत के फैसले के खिलाफ अपील दायर करने की समय सीमा से संबंधित है। पीठ ने अपने आदेश में कहा, आरोपी या पीड़ितों द्वारा दायर अपील इस आधार पर खारिज नहीं की जाएगी कि 90 दिन से अधिक की देरी को माफ नहीं किया जा सकता। यह आदेश प्रभावी रूप से वैधानिक प्रतिबंधों को खत्म करता है। इस प्रावधान के अनुसार अपील निर्णय, सजा या आदेश के 30 दिन के भीतर दायर की जानी चाहिए और यदि अपीलकर्ता के पास कोई उचित कारण हो तो उच्च न्यायालय 30 दिन के बाद भी अपील स्वीकार कर सकता है। प्रावधान के अनुसार 90 दिन के बाद कोई अपील स्वीकार नहीं की जा सकती और यही दलीलों में विवाद का मुख्य कारण है। पीठ ने पक्षकारों से कहा कि वे अगली सुनवाई की तारीख से पहले अपनी लिखित दलीलें तीन पृष्ठों में दें। पीठ सुशीला देवी और उस्मान शरीफ द्वारा दायर याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी।

महाकुंभ में मृतकों के आंकड़े छिपाए गए, स्पष्टीकरण के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए: अखिलेश

भाषा। नई दिल्ली

समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रयागराज महाकुंभ में मची भगदड़ के मारे गए लोगों के आंकड़े छिपाए जाने का आरोप लगाते हुए मंगलवार को मांग की कि महाकुंभ की व्यवस्था के बारे में स्पष्टीकरण देने के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए और वहां विभिन्न व्यवस्थाएं सेना के हवाले की जाएं। यादव ने मंगलवार को लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि जिस तरह सरकार बजट के आंकड़े दे रही है, महाकुंभ में मरने वालों के आंकड़े भी दे तथा घायलों के इलाज, भोजन, परिवहन आदि का आंकड़ा संसद में पेश किया जाए। उन्होंने कहा कि महाकुंभ की व्यवस्था के बारे में स्पष्टीकरण देने के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए और वहां खोया पाया, प्रबंधन आदि की जिम्मेदारी सेना को दी जाए।यादव ने केंद्र सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार को आड़े हाथ लेते हुए मृतकों के आंकड़े छिपाए जाने का आरोप लगाया तथा हादसे के लिए जिम्मेदार लोगों पर घोर दंडात्मक कार्वाई की मांग की। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, जिन्होंने सच छिपाया, उन्हें दंडित किया जाए। अगर (सरकार

को) अपराध बोध नहीं है तो आंकड़े दबाए, छिपाए और मिटाए क्यों गए। आंकड़े छिपाने के लिए मीडिया का सहारा लिया जा रहा है। जहां इंतजाम होना चाहिए था, वहां प्रचार हो रहा था। धार्मिक समागम में सरकार का प्रचार निंदनीय है। यादव ने यह भी कहा कि डिजिटल कुंभ कराने का दावा करने वाले मृतकों की डिजिट (संख्या) नहीं दे पा रहे। उन्होंने दावा किया कि महाकुंभ में भगदड़ के बाद संतों के एक निश्चित मुहूर्त में स्नान की परंपरा भी टूट गई। सपा सांसद ने कहा, अगर मेरी बात गलत है तो नेता सदन (प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी) चर्चा के जवाब में बताएं। उन्होंने यह दावा भी किया कि भगदड़ की घटना के 17 घंटे बीत जाने पर और राष्ट्रपति तथा प्रधानमंत्री के शोक संदेश के बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने लोगों के मारे जाने की बात स्वीकार की। राष्ट्रपति के अभिभाषण का उल्लेख करते हुए यादव ने कहा कि उसमें 12 करोड़ शौचालयों के निर्माण और 80 करोड़ गरीबों को खाद्यान्न मुफ्त दिए जाने जैसी पुरानी बातें ही हैं। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) डबल इंजन की सरकार का दावा करती है लेकिन अब उसके इंजन तो टकरा ही रहे हैं, बल्कि डिब्बे भी टकराने लगे हैं। यादव ने कहा कि दस साल पहले वाराणसी को जापान के क्योटो शहर जैसा बनाने का दावा किया गया था, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी का निर्वाचन क्षेत्र होने के बावजूद आज तक वहां मेट्रो शुरू नहीं हो सकी है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में चुनाव है और अभिभाषण में दिल्ली मेट्रो के विस्तार का उल्लेख है, लेकिन जो दिल्ली में मेट्रो बना रहे हैं, बनारस में क्यों नहीं बना पा रहे? उन्होंने दावा किया, उत्तर प्रदेश में जितनी मेट्रो चल रही हैं, (पूर्ववर्ती) सपा सरकार की देन हैं, आपकी (भाजप की) नहीं। यादव ने कहा कि दिल्ली का विकास अपने आप हो जाएगा, बशर्ते दिल्ली वाली भाजपा सरकार (केंद्र सरकार) हस्तक्षेप करना बंद कर दे। उन्होंने केंद्र सरकार की नदी जोड़ो योजना को सिंचाई के लिए अच्छी पहल तो करार दिया लेकिन आरोप लगाया कि 40 हजार करोड़ रुपए की इस परियोजना से जिन किसानों की जमीन जा रही है, उन्हें सही से मुआवजा नहीं दिया जा रहा। उत्तर प्रदेश में पूर्ववर्ती सपा सरकार के समय आगरा-लखनऊएक्सप्रेसवे पर वायु सेना का विमान उतरने का जिक्र करते हुए यादव ने कहा कि यह सरकार एक भी ऐसा इवे बनाकर दिखाए जिस पर विमान उतर जाएं। उन्होंने कहा कि मीडिया के एक वर्ग में सीमा पर चीन के कब्जे की खबरें हैं और यदि सरकार के अनुसार वे गलत हैं तो वह ऐसे मीडिया संस्थानों पर कार्वाई क्यों नहीं कर रही। यादव ने कहा, अगर कुंभ पर सच्ची खबरें दिखाने पर प्राथमिकी दर्ज करा सकते हैं तो चीन को लेकर गलत खबरें दिखाने वालों के खिलाफ प्राथमिकी क्यों नहीं दर्ज कराते? उन्होंने आरोप लगाया, चीन जैसा देश जमीन और बाजार दोनों छीन रहा है। यह बात गलत हो तो सरकार आंकड़े देकर बताए।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में माओवादियों ने दो ग्रामीणों की हत्या की

भाषा। बीजापुर

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में संदिग्ध माओवादियों ने दो ग्रामीणों की गला रेतकर हत्या कर दी है। पुलिस अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। जिले के तेंम थाना क्षेत्र के अंतर्गत बुड़गीचेरू गांव में संदिग्ध माओवादियों ने दो ग्रामीणों कारम राजू (32) और माड़वी मुन्ना (27) की धारदार हथियार से गला रेत कर हत्या कर दी है। उन्होंने बताया कि पुलिस को जानकारी मिली है कि सोमवार रात अज्ञात माओवादी गांव पहुंचे और उन्होंने दोनों ग्रामीणों की गला रेतकर हत्या कर दी। घटना को अंजाम देने के बाद माओवादी वहां से फरार हो गए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद सुरक्षाबलों को गांव के लिए रवाना किया गया है। इससे पहले, 26 जनवरी को बीजापुर के भैरमगढ़ इलाके में नक्सलियों ने 41 वर्षीय एक व्यक्ति की हत्या कर दी थी। उस पर माओवादियों ने पुलिस का मुखबिर होने का आरोप लगाया था। नक्सलियों ने 16 जनवरी को भी बीजापुर के मिरतुर इलाके में पुलिस मुखबिर होने के संदेह में 48 वर्षीय एक व्यक्ति की हत्या कर दी थी। पिछले साल बीजापुर समेत सात जिलों वाले बस्तर क्षेत्र में माओवादी हिंसा की अलग-अलग घटनाओं में 68 नागरिक मारे गए थे।

यूक्रेन की सहायता करेंगे बशर्ते कि उसके दुर्लभ खनिज तत्व अमेरिका को मिलें: ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को संकेत दिया कि वह रूस के खिलाफ युद्ध में अमेरिकी समर्थन इस शर्त पर जारी रखने पर सहमत हैं कि यूक्रेन अपनी धरती पर मिलने वाले दुर्लभ खनिज तत्वों तक अमेरिकी पहुंच को लेकर समझौता करे। ट्रंप ने ओवल ऑफिस (अमेरिकी राष्ट्रपति का कार्यालय) में पत्रकारों से कहा कि अमेरिका ने यूक्रेन को अपने यूरोपीय सहयोगियों की तुलना में कहीं अधिक सैन्य और आर्थिक सहायता भेजी है। उन्होंने कहा, हम यूक्रेन के साथ एक ऐसा समझौता करना चाहते हैं, जिसके तहत हम उन्हें जो कुछ भी दे रहे हैं, उसके बदले में वे हमें अपने दुर्लभ खनिज तत्व दें। ट्रंप ने सुझाव दिया कि उन्हें यूक्रेन की सरकार से यह संदेश मिला है कि वह आधुनिक उच्च प्रौद्योगिकी वाली अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण तत्वों तक अमेरिका को पहुंच प्रदान करने संबंधी एक समझौता करने के लिए तैयार हैं। ट्रंप ने कहा, मैं धरती पर मिलने वाले इन दुर्लभ खनिज तत्वों का संरक्षण चाहता हूं। हम सैकड़ों अरब डॉलर खर्च कर रहे हैं। उनके पास बहुत बढ़िया दुर्लभ खनिज तत्व हैं और मैं इन दुर्लभ खनिज तत्वों का संरक्षण चाहता हूं। वे ऐसा करने के लिए तैयार हैं। ट्रंप ने पहले कहा था कि वह युद्ध को तेजी से समाप्त करेंगे औ इसके लिए बातचीत जारी है। ट्रंप ने कहा, हमने रूस और यूक्रेन के मामले में बहुत प्रगति की है। देखते हैं कि क्या होता है। हम उस बेतुके युद्ध को रोकने जा रहे हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने शनिवार को एसोसिएटेड प्रेस (एपी) को कहा कि उनके देश की मौजूदगी के बिना अमेरिका और रूस के बीच कोई भी बातचीत अस्वीकार्य है। उन्होंने कहा कि उनकी टीम ट्रंप प्रशासन के संपर्क में है, लेकिन ए चर्चाएं अभी सामान्य स्तर पर हैं और उनका मानना है कि अधिक विस्तृत समझौते के लिए आमने-सामने की बैठकें जल्द होंगी। जेलेंस्की ने कहा, हमें इस पर और काम करने की जरूरत है।

अमेरिकी सहायता रूकने से यूक्रेन में बेघर हुए लोगों के सामने मुसीबतें खड़ी हुईं

पाल्लोग्राड (यूक्रेन)। पूर्वी यूक्रेन के पाल्लोग्राड मे एक कन्सर्ट हॉल लोगो से भरा हुआ है और यहां मंच पर चारपाई रखी हुई है। रूस के साथ यूक्रेन के लगभग तीन साल से चल रहे युद्ध के कारण बेघर हो चुके स्थानीय लोगो की सिसकियां हॉल मे संगीत की जगह सुनाई दे रही है।रूसी सेना ने हाल मे इलाके के कस्बो और गांवो को अपने शिकंजे मे ले लिया है। पाल्लोग्राड कन्सर्ट हॉल को ऐसे स्थानीय नागरिको के लिए एक अस्थाई केंद्र के रूप मे तब्दील कर गया है, जहां लगातार रूसी बमबारी से बचकर भाग रहे लोग शरण ले रहे है। कटरीना ओद्राह (83) ने कहा, यहां सब अच्छा है। यहां खाना, गर्मी और नहाने-धोने की जगह है। कटरीना वह भी दौर देख चुकी है जब द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान उनके गांव पर नाज़ी जर्मन का कब्जा था। लेकिन यह शरणस्थल अब खतरे मे पड़ सकता है। इस आश्रय गृह को चलाने मे प्रति माह 7,000 अमेरिकी डॉलर का खर्च आता है और इसका 60 प्रतिशत खर्च यूक्रेन की मदद के लिए भेजे गए अमेरिकी फंड से पूरा किया जा रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले सप्ताह अन्य देशो को अमेरिका द्वारा प्रदान की जाने वाली मानवीय सहायता को 90 दिनो के लिए स्थगित करने का जो निर्णय लिया था उसका असर कई देशो मे महसूस किया गया।

इमरान की पार्टी के विरोध मार्च के मद्देनजर न्यूजीलैंड, अफ्रीकी क्रिकेट टीम की सुरक्षा बढ़ाई

लाहौर। पाकिस्तान में आठ फरवरी से शुरू होने जा रही त्रिकोणीय क्रिकेट श्रृंखला से पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट टीमों की सुरक्षा को पुख्ता करने के तहत बुधवार से लाहौर में सेना के जवान और रेंजर्स तैनात रहेंगे। जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी ने इसी दिन विरोध मार्च निकालने की योजना बनाई है। मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने कहा, गृह मंत्रालय ने पांच फरवरी से 10 फरवरी के बीच लाहौर में त्रिकोणीय क्रिकेट श्रृंखला के लिए न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका की क्रिकेट टीम की सुरक्षा के लिए पाकिस्तानी सेना और रेंजर्स की तैनाती की अनुमति दी है। खान (72) कई मामलों में 2023 के मध्य से रावलपिंडी की अडियाला जेल में बंद हैं और फरवरी 2024 में हुए आम चुनावों के बाद से मौजूदा सरकार और खान की पार्टी के बीच टकराव देखा जा रहा है। खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने पहले ही ऐलान कर दिया है कि वह आठ फरवरी को ब्लैक डे के रूप में मनाएगी और इस दिन लाहौर में ऐतिहासिक मीनार-ए-पाकिस्तान पर विरोध रैली निकालेगी। पिछले साल आठ फरवरी को ही पाकिस्तान में आम चुनाव हुए थे और पीटीआई आरोप लगाती रही है कि चुनाव में उनकी पार्टी को मिले जनादेश में गड़बडी की गई।सेना और रेंजर्स के अलावा, पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की पुलिस के जवानों को भी दोनों टीमों की सुरक्षा के लिए तैनात किया जाएगा। प्रवक्ता ने कहा, विदेशी टीमों की सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा। त्रिकोणीय क्रिकेट श्रृंखला के तहत मुकाबले आठ से 10 फरवरी के बीच गद्दाफी स्टेडियम में और 12 से 14 फरवरी के बीच कराची में खेले जाएंगे। हालांकि सरकार ने अभी तक पीटीआई को रैली के लिए अनुमति नहीं दी है, लेकिन पीटीआई ने कहा कि चाहे जो भी हो वह विरोध मार्च निकालेगी।

आर्थिक स्वतंत्रता हासिल करने के लिए श्रीलंका को एकजुट होना होगा : दिसानायके

कोलंबो। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने मंगलवार को कहा कि उनके देश को वैश्विक आर्थिक प्रणाली की कमजोरियो के आगे झुकने के बजाय आर्थिक स्वतंत्रता हासिल करने के लिए एकजुट होकर काम करना चाहिए। दिसानायके ने द्वीपीय राष्ट्र के 77वे स्वतंत्रता दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा, हमे इस मातृभूमि के लिए स्वतंत्रता के अपने संघर्ष को सामूहिक रूप से जारी रखना चाहिए। राष्ट्रपति (56) ने कहा, वैश्विक आर्थिक प्रणाली की कमजोरी के आगे झुकने और इसके उतार-चढ़ाव से प्रभावित होने के बजाय हमे अपनी आर्थिक स्वतंत्रता को सुरक्षित करने के लिए अपनी मातृभूमि की खातिर एकजुट होकर प्रयास करना चाहिए। द्वीप राष्ट्र 2022 के आर्थिक संकट से उभरने के लिए संघर्ष कर रहा है। इसी के मद्देनजर सरकार के व्यय को न्यूनतम करने की नीति के तहत इस वर्ष सादे समारोह आयोजित किए गए।

कांगो के पूर्वी शहर गोमा में लड़ाई में मरने वालों की संख्या कम से कम 900 : संयुक्त राष्ट्र

गोमा। पूर्वी शहर गोमा मे पिछले सप्ताह कांगो सरकार की सेना और रवांडा समर्थित विद्रोहियो के बीच हुई लड़ाई मे कम से कम 900 लोग मारे गए। संयुक्त राष्ट्र स्वास्थ्य एजेंसी ने सोमवार को यह जानकारी दी। इससे पहले मृतको की संख्या 773 बताई गई थी। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा कि पांच दिनो की लड़ाई के बाद (जिसमे विद्रोहियो ने शहर पर नियंत्रण कर लिया था) पिछले शुक्रवार तक गोमा की सड़को से कम से कम 900 शव बरामद किए गए। डब्ल्यूएचओ ने लड़ाई मे लगभग 2,900 लोगो के घायल होने की बात कही है। संयुक्त राष्ट्र और कांगो सरकार ने पहले मृतको की संख्या 773 बताई थी।

दुबई में शांति शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे सत्यार्थी, बाबा रामदेव

दुबई। नोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी और योग गुरु रामदेव उन प्रमुख भारतीय हस्तियो मे शामिल है, जो अगले महीने यहां वैश्विक शांति शिखर सम्मेलन मे भाग लेने वाले है। आई एम पीसफीपर मूवमेंट के अध्यक्ष डॉ. हुजैफा खोराकीवाला ने 12-13 अप्रैल को होने वाले शिखर सम्मेलन की घोषणा करते हुए कहा कि शिखर सम्मेलन कैबिनेट सदस्य और सहिष्णुता व सह-अस्तित्व मंत्री शेख नहयान मबारक अल नहयान की देखरेख मे आयोजित किया जाएगा, जो मुख्य अतिथि भी होंगे। सम्मेलन का विषय एक ग्रह, एक आवाज: वैश्विक न्याय, प्रेम व शांति है और 10 नोबेल पुरस्कार विजेता, वैश्विक विचारक, नीति निर्माता, उद्यमी, सांस्कृतिक हस्तियां, खेल हस्तियां और शांति व न्याय के पैरोकारो समेत 72 वक्ता संबोधित करेंगे। यहां एक बयान मे कहा गया है कि यूएई उन कुछेक देशो मे से एक है, जिसने सहिष्णुता और सौहार्द के लिए समर्पित सरकारी मंत्रालय स्थापित किए है।

तुर्किए युद्धविराम के तहत रिहा किए गए 15 फलस्तीनी बंदियों की मेजबानी करेगा

अंकारा। तुर्किए उन 15 फलस्तीनी बंदियो की मेजबानी करेगा जिन्हे हमास और इजराइल के बीच युद्धविराम समझौते के तहत रिहा किया गया है। देश की सरकारी समाचार एजेंसी अनादोलु ने मंगलवार को कहा कि तुर्किए की खुफिया इकाई एमआईटी मिस के जरिए 15 फलस्तीनियो के आगमन को सुविधाजनक बनाने के लिए कदम उठा रही है। यह सुनिश्चित करने के लिए व्यवस्था की गई है कि फलस्तीनी तुर्किए मे शांतिपूर्वक और सुरक्षित रूप से रह सकें। पश्चिमी सहयोगियों के विपरीत, तुर्किए हमास को आतंकवादी संगठन नही मानता।

गाजा में शांति की गारंटी नहीं होने की चेतावनी के बीच ट्रंप-नेतन्याहू मुलाकात आज

भाषा। वाशिंगटन

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की मंगलवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात होगी। यह मुलाकात ऐसे समय में हो रही है जबकि नेतन्याहू सरकार को समर्थन दे रहे दक्षिणपंथी गंठबंधन द्वारा हमास के साथ युद्धविराम खत्म करने और युद्ध से थके इजराइली भी 15 माह से जारी संघर्ष को समाप्त करने के दबाव का सामना कर रहे हैं। ट्रंप, युद्धविराम की दीर्घकालिक संभावनाओं को लेकर सतर्क हैं। हालांकि वे हमास और इजराइल पर बंधकों को छोड़ने और युद्धविराम समझौते के लिए दबाव डालने का श्रेय लेते हैं, क्योंकि यह पिछले महीने उनके पद ग्रहण करने से पहले लागू हुआ था। ट्रंप ने सोमवार को संवाददाताओं से कहा, मेरे पास इसकी कोई गारंटी नहीं है कि शांति कायम रहेगी। नेताओं की बातचीत में लंबे समय से प्रतीक्षित इजराइल-सउदी अरब के बीच संबंधों के समान्य होने को लेकर समझौते और ईरान के परमाणु कार्यक्रम के बारे में चिंताओं पर चर्चा होने की भी उम्मीद है, लेकिन बंधक समझौते के दूसरे चरण को अंतिम रूप देना एजेंडे में शीर्ष पर होगा। नेतन्याहू का वाशिंगटन दौरा ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में किसी विदेशी नेता की पहली यात्रा है और प्रधानमंत्री (नेतन्याहू) का समर्थन घट रहा है। नेतन्याहू भ्रष्टाचार के एक मुकदमे में हफ्ते भर से जारी गवाही में उलझे हुए हैं जिसमें उन पर मीडिया संस्थानों और धनी सहयोगियों का समर्थन करने का आरोप है। हालांकि नेतन्याहू ने आरोपों की निंदा की है।नेतन्याहू को ट्रंप के साथ से जनता का ध्यान इस मुकदमे से हटाने में मदद मिल सकती है, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति (ट्रंप) इजराइल में बेहद लोकप्रिय हैं। अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय (आईसीसी) द्वारा नवंबर में नेतन्याहू, उनके पूर्व रक्षा मंत्री और हमास के मारे गए सैन्य प्रमुख के खिलाफ गाजा में युद्ध के दौरान मानवता के विरुद्ध अपराध करने के आरोप में गिरफ्तारी वारंट जारी किए जाने के बाद से इजराइली प्रधानमंत्री की देश से बाहर यह पहली यात्रा है। अमेरिका अपने नागरिकों या क्षेत्र पर आईसीसी के अधिकार को मान्यता नहीं देता है। नेतन्याहू और ट्रंप के पश्चिम एशिया के दूत स्टीव विटकॉफ ने सोमवार को युद्धविराम समझौते के अगले चरण की मध्यस्थता का कठिन काम शुरू कर दिया। नेतन्याहू ने एक बयान में कहा कि विटकॉफ और अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइकल वाल्ट्ज के साथ बैठक सकारात्मक एवं मैत्रीपूर्ण रही।

इजराइल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक पर हुए हमले में छह लोग घायल, मारा गया हमलावर

यरुशलम। इजराइल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक मे मंगलवार सुबह एक जांच चौकी पर हुई गोलीबारी मे कम से कम छह लोग घायल हो गए। इजराइली सेना और क्षेत्रीय अस्पतालो ने यह जानकारी दी। इजराइली सेना ने बताया कि एक हमलावर ने उत्तरी वेस्ट बैंक मे स्थित तयासिर गांव मे एक जांच चौकी पर तैनात सैनिको पर गोलीबारी की।सेना ने बताया कि मुठभेड़ मे सैनिको ने जवाबी गोलीबारी की, जिसमे हमलावर मारा गया। इजराइली अस्पतालो ने बताया कि गोलीबारी मे घायल हुए कुल छह लोगो को भर्ती कराया गया है।इजराइली मीडिया की खबर के मुताबिक, घायलो मे सैनिक शामिल है और उनमे से कम से कम दो गंभीर रूप से घायल है। हमास और छोटे इस्लामी जिहाद आतंकवादी समूह ने हमले की प्रशंसा की लेकिन किसी ने भी इसकी जिम्मेदारी नही ली।

अमेरिकी न्यायाधीश ने संघीय अनुदान रोकने के ट्रंप प्रशासन के फैसले पर अस्थाई रोक की अवधि बढ़ाई

वाशिंगटन। अमेरिका की एक न्यायाधीश ने संघीय अनुदान और ऋण रोकने के अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासनिक फैसले पर अस्थाई रूप की अवधि बढ़ा दी है। कुछ गैर-लाभकारी समूहों ने कहा था कि वे अब भी वह अनुदान और ऋण पाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं जिसका उनसे वादा किया गया था। इसके बाद न्यायाधीश ने यह फैसला किया। अमेरिकी जिला न्यायाधीश लोरेन एल. अलीखान ने संघीय अनुदान रोकने के प्रशासन के फैसले के प्रभावी होने से कुछ ही मिनट पहले पिछले सप्ताह इस पर रोक लगा दी थी। ट्रंप प्रशासन के इस फैसले पर सोमवार दोपहर तक रोक लगाई गई थी लेकिन न्यायाधीश ने इसकी अवधि को बढ़ाने का फैसला किया है। रोड आइलैंड के एक अन्य

न्यायाधीश ने भी डेमोक्रेटिक पार्टी द्वारा शासित लगभग दो दर्जन राज्यों की ओर से दायर एक अलग मुकदमे में संघीय अनुदान रोकने के फैसले पर रोक लगा दी है। अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस ने संघीय व्यय की समग्र वैचारिक समीक्षा शुरू करते हुए यह रोक लगाने की योजना बनाई है। इस योजना के कारण वे संगठन चिंतित हो गए हैं जो वित्तीय रूप से संघीय अनुदानों एवं ऋण पर निर्भर हैं। प्रशासन के अधिकारियों ने कहा कि ऋण और अनुदान को रोकने का निर्णय यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है कि खर्च ट्रंप के हालिया कार्यकारी आदेशों के अनुरूप हो। ए अनुदान एवं ऋण स्थानीय सरकारों, विद्यालयों और गैर-लाभकारी संस्थाओं के लिए वित्तीय जीवनरेखा हैं।ट्रंप जीवाश्म ईंधन का उत्पादन बढ़ाना चाहते हैं, ट्रांसजेंडर लोगों के लिए सुरक्षा हटाना चाहते हैं तथा विविधता, समानता और समावेशन के प्रयासों को समाप्त करना चाहते हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं ने ट्रंप प्रशासन के इस फैसले को मनमाना और अवैध बताया है। उन्होंने तर्क दिया कि राष्ट्रपति को कांग्रेस द्वारा विनियोजित खर्च को एकतरफा तरीके से रोकने का कोई अधिकार नहीं है।

अल साल्वाडोर हर राष्ट्रीयता के अमेरिकी निर्वासितों, हिंसक अमेरिकी अपराधियों को स्वीकार करेगा: रुबियो

भाषा। सैन साल्वाडोर

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा है कि अल साल्वाडोर के राष्ट्रपति ने अमेरिका से किसी भी राष्ट्रीयता के निर्वासितों के साथ-साथ हिंसक अमेरिकी अपराधियों को भी स्वीकार करने की पेशकश की है। रुबियो ने बताया कि अल साल्वाडोर के राष्ट्रपति नायब बुकेले ने दुनिया में सबसे अप्रत्याशित, असाधारण प्रवासी समझौते पर सहमति व्यक्त की है। उन्होंने कहा, उन्होंने इस समय कैद और अमेरिका में सजा काट रहे खतरनाक अपराधियों के लिए भी ऐसा ही करने की पेशकश की है, भले ही वे अमेरिकी नागरिक हो या वैध रूप से अमेरिका में रह रहे हों। रुबियो सोमवार को अल साल्वाडोर पहुंचे थे ताकि वह यहां की सरकार पर आव्रजन के खिलाफ कार्वाई करने समेत अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन की मांगों को पूरा करने का दबाव बना सकें। रुबियो 43 प्रवासियों को लेकर पनामा से कोलंबिया के लिए रवाना हुए अमेरिकी-वित्तपोषित निर्वासन विमान की उड़ान के कुछ ही समय बाद सैन साल्वाडोर पहुंचे। इससे पहले, रुबियो ने पनामा के राष्ट्रपति जोस राउल मुलिनो से रविवार को कहा था कि मध्य अमेरिकी सहयोगी को पनामा नहर क्षेत्र पर चीन के प्रभाव को तुरंत कम करना चाहिए, अन्यथा अमेरिकी प्रशासन कार्वाई कर सकता है।

ठंडे कंबल क्या हैं? सचमुच सोने में मदद कर सकते

भाषा। सिडनी

आप एक और गर्म रात में करवटें बदलने तथा बहुत कम नींद के कारण थके हुए उठते हैं। तो सोशल मीडिया पर प्रशंसात्मक समीक्षाएं पढ़ने के बाद आप ठंडा कंबल (कूलिंग ब्लैंकेट) खरीदने के लिए प्रलोभित हो सकते हैं। या आपने इस तरह की टैगलाइन वाले ऑनलाइन लेख पढ़े होंगे: सर्वोत्तम शीतलता प्रदान करने वाले हमारे सर्वोत्तम कंबलों की मदद से पसीने के साथ जागना बंद करें - जिसमें अमेजन का एक टॉप-रेटेड विकल्प भी शामिल है जो वास्तव में काम करता है। लेकिन ठंडे कंबल क्या हैं? और क्या वे आपको एक आरामदायक रात बिताने में मदद कर सकते हैं? हम जानते हैं कि ठंडा शयनकक्ष सर्वोत्तम है- सबसे पहले, आइए देखें कि ठंडा वातावरण हमें रात में बेहतर नींद में मदद क्यों करता है। हमारे शरीर के आंतरिक तापमान में एक ऐसी लय होती है जिसमें पूरे दिन उतार-चढ़ाव होता रहता है। सोने से कुछ घंटे पहले, आपको सो जाने में मदद करने के लिए तापमान लगभग 0.31 डिग्री सेल्सियस गिर जाता है। आपको सोते रहने में मदद करने के लिए रात भर में तापमान लगभग 2 डिग्री सेल्सियस और गिर जाएगा। नींद के दौरान, आपका आंतरिक तापमान और त्वचा गर्मी खोने एवं पैदा करने के बीच संतुलन हासिल करने के लिए मिलकर काम करते हैं। आपकी त्वचा में सेंसर होते हैं जो आपके आसपास के वातावरण में होने वाले बदलावों को पकड़ लेते हैं। यदि यह बहुत अधिक गर्म हो जाता है, तो ए सेंसर आपके शरीर को इसकी सूचना दे देते हैं, जिससे आपको कंबल या कपड़े उतारने पड़ सकते हैं और इसके चलते आपको अधिक नींद की गुणवत्ता नींद के स्वास्थ्य का एक महत्वपूर्ण घटक है जो यह सुनिश्चित करती है कि आपको रात की अच्छी नींद से शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक लाभ मिले। नींद के लिए आदर्श तापमान मौसम और आपके बिस्तर के प्रकार पर निर्भर करता है, लेकिन यह 17 डिग्री सेल्सियस और 28 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है। अपने सोने के माहौल को इस सीमा के भीतर रखने से आपको रात का सबसे अच्छा आराम पाने में मदद मिलेगी।

तो ठंडे कंबल क्या हैं?

ठंडक देने वाले कंबल आपके सोते समय आपके शरीर के तापमान को नियंत्रित करने में मदद करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। इनके डिज़ाइन और निर्माण में विभिन्न तकनीकों और सामग्रियों का उपयोग किया जाता है। हम अस्पताल-श्रेणी वाले ठंडे कंबलों के बारे में बात नहीं कर रहे हैं जिनका उपयोग बुखार को कम करने और तंत्रिका तंत्र को चोट से बचाने के लिए किया जाता है। इनमें किसी के तापमान पर नज़र रखने के लिए स्वचालित थर्मोस्टैट्स से जुड़े पानी, या वायु शीतलन प्रणाली वाले जैल पैड का उपयोग किया जाता है।इसके बजाय, आप जिस प्रकार के उपभोक्ता-श्रेणी के ठंडे कंबलों का विज्ञापन देख सकते हैं, उनमें हल्के, सांस लेने योग्य सामग्रियों के मिश्रण का उपयोग किया जाता है जो त्वचा से नमी खींचते हैं और आपको रात भर ठंडी राहत प्रदान करने एवं शुष्क बनाए रखने में मदद करते हैं। वे सामान्य कंबल की तरह दिखते हैं। ामान्य सामग्रियों में कपास, बांस, रेशम या फाइबर लियोसेल शामिल हैं। ए सभी नमी को अवशोषित करते हैं।

क्या ए काम करते हैं? यदि आप ऑनलाइन समीक्षाओं पर विश्वास करते हैं, तो हां, ठंडे कंबल आपको ठंडक पहुंचा सकते हैं और गर्म मौसम में या यदि आपको सामान्य चादरों और कंबलों का उपयोग करने से बहुत अधिक गर्मी लगती है, तो बेहतर नींद में मदद कर सकते हैं। हालांकि, यह देखने के लिए बहुत कम वैज्ञानिक शोध उपलब्ध हैं कि ए उपभोक्ता-ग्रेड उत्पाद काम करते हैं या नहीं। नींद की गुणवत्ता पर शोध करने वाले 2021 के एक अध्ययन में, 20 प्रतिभागी दो अलग-अलग परिस्थितियों में तीन रात सोए। सबसे पहले, वे एक वातानुकूलित कमरे में सामान्य बिस्तर की चादरों पर सोए, जहां तापमान उनकी पसंद के अनुसार रखा गया था। फिर, उन्होंने एक वातानुकूलित कमरे में ठंडी चादरों का इस्तेमाल किया, जहां तापमान उनकी पसंद से 3 डिग्री सेल्सियस अधिक रखा गया था। प्रतिभागियों ने दोनों स्थितियों में नींद की अच्छी गुणवत्ता बताई, लेकिन उन्हें ठंडी चादरों वाले गर्म कमरे में नींद अधिक पसंद आई। इससे यह संकेत मिलता है कि ठंडे बिस्तर का उपयोग रात में अधिक आरामदायक नींद प्रदान करने में सहायक हो सकता है।

स्वीडन में एक वयस्क शिक्षा केंद्र में पांच लोगों को गोली मारी गई

ऑरेब्रो (स्वीडन)। स्वीडन में मंगलवार को एक वयस्क शिक्षा केंद्र में पांच लोगों को गोली मार दी गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। स्वीडिश समाचार एजेंसी टीटी ने खबर दी कि हमलावर ने खुदकुशी कर ली। हालांकि, उसने इस खबर के सिलसिले में अपने स्रोत का खुलासा नहीं किया। पुलिस ने तत्काल इस खबर की पुष्टि नहीं की है, लेकिन वह प्रेसवार्ता करने वाली है। जिस वयस्क शिक्षा केंद्र में यह हमला हुआ, वह स्टॉकहोम से करीब 200 किलोमीटर दूर ऑरेब्रो शहर में है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि जिन पांच लोगों को गोली लगी, उनमें पुलिस हमलावर को भी गिन रही है या नहीं। यह भी तत्काल साफ नहीं है कि जो लोग घायल हुए हैं, उनके घाव कितने गंभीर हैं। पुलिस ने कहा कि इस हिंसा में किसी अधिकारी को गोली नहीं लगी। घटनास्थल के वीडियो में मौके पर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी और आपात वाहन नजर आ रहे हैं। इस घटनास्थल के समीप के भवनों में विद्यार्थी रहते हैं। गोलीबारी के बाद इस शिक्षा केंद्र के अन्य हिस्सों से लोगों को निकाल लिया गया। न्याय मंत्री गुन्नार स्ट्रॉमर ने बताया, ऑरेब्रो में हिंसा की खबरें बहुत गंभीर हैं। पुलिस मौके पर है और अभियान तेजी से चल रहा है। सरकार पुलिस के साथ निकट संपर्क में है और घटनाक्रम पर करीब से नज़र रख रही है।

बांग्लादेश पुलिस ने अवामी लीग के पर्चे बांटने पर दो कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया

ढाका। बांग्लादेश पुलिस ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग पार्टी के पर्चे बांटने पर दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने अंतरिम सरकार द्वारा इस तरह के अभियान में शामिल लोगों के खिलाफ दंडात्मक कार्वाई करने की चेतावनी दिए जाने के एक दिन बाद यह कदम उठाया। ढाका ट्रिब्यून अखबार ने मंगलवार को खबर दी कि अवामी लीग के फेसबुक पेज पर पर्चे बांटने का वीडियो प्रसारित होने के बाद पुलिस ने सोमवार रात दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया। अखबार ने एक पुलिस अधिकारी के हवाले से कहा, उन्हें सोमवार रात नारायणगंज के बांदर उपजिला के सोनाकांडा इलाके में एक ऑटो-रिक्शा गैराज से गिरफ्तार किया गया। खबर में कहा गया है कि वे अवामी लीग के शीर्ष नेतृत्व के निर्देश पर पिछले दो दिनों से पर्चे बांट रहे थे। पुलिस ने कहा कि दोनों कार्यकर्ता उसकी हिरासत में हैं और उनके खिलाफ उचित कानूनी कार्वाई की जाएगी, क्योंकि पर्चों में ऐसी सामग्री थी, जो कानून-व्यवस्था में व्यवधान डाल सकती थी। ए गिरफ्तारियां मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के प्रेस सचिव शफीक आलम के उस बयान के कुछ घंटों बाद हुईं, जिसमें उन्होंने कहा था कि फासीवादी अवामी लीग के समर्थन में पर्चे बांटने वाले किसी भी व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। लगभग 16 साल पुरानी अवामी लीग सरकार को पिछले वर्ष पांच अगस्त को छात्रों के नेतृत्व में बड़े पैमाने पर हुए विरोध-प्रदर्शन के बाद अपदस्थ कर दिया गया था। तीन दिन बाद यूनुस और उनके सलाहकारों की परिषद ने अंतरिम सरकार के रूप में शपथ ली थी।

पाकिस्तान पंजीकृत अफगान शरणार्थियों को वापस भेजेगा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान सरकार ने पंजीकृत अफगान शरणार्थियों को इस्लामाबाद और रावलपिंडी से हटाने तथा चरणबद्ध तरीके से वापस उनके देश भेजने की योजना बनाई है। डॉन अखबार ने सूत्रों के हवाले से प्रकाशित खबर में बताया कि प्राधिकारियों को बिना किसी सार्वजनिक घोषणा के इस योजना को लागू करने का निर्देश दिया गया है। खबर के मुताबिक, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की अध्यक्षता में पिछले हफ्ते हुई बैठकों में इस योजना को अंतिम रूप दिया गया। प्रधानमंत्री कार्यालय के एक सूत्र ने पुष्टि की कि इनमें से एक बैठक में सेना प्रमुख जनरल सैयद असीम मुनीर भी शामिल हुए थे। खबर के अनुसार, अफगान शरणार्थियों को स्वदेश भेजे जाने की योजना के पहले चरण के तहत अफगान नागरिक कार्ड (एसीसी) धारी अफगान नागरिकों को इस्लामाबाद और रावलपिंडी से तत्काल दूसरे स्थान पर स्थानांतरित किया जाएगा। खबर में कहा गया है कि एसीसी धारी अफगान नागरिकों को अवैध और बिना दस्तावेज वाले अफगान नागरिकों के साथ वापस अफगानिस्तान भेज दिया जाएगा। एसीसी एनएडीआरए (राष्ट्रीय दत्तनिधि एवं पंजीकरण प्राधिकरण) की ओर से पंजीकृत अफगान नागरिकों को जारी किया जाने वाला एक पहचान दस्तावेज है। संयुक्त राष्ट्र के अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) के अनुसार, एसीसी अफगान नागरिकों को पाकिस्तान में रहने के दौरान अस्थाई कानूनी दर्जा प्रदान करता है। हालांकि, यह तय करना संघीय सरकार के हाथों में होता है कि एसीसी कितने दिनों के लिए वैध होगा।

अमेरिकी सीनेट समिति ने स्वास्थ्य मंत्री पद के लिए रॉबर्ट एफ कैनेडी जूनियर के नामांकन को आगे बढ़ाया

वाशिंगटन। विवादास्पद पर्यावरण अधिवक्ता से सार्वजनिक स्वास्थ्य आलोचक बने रॉबर्ट एफ कैनेडी जूनियर ने मंगलवार को देश का शीर्ष स्वास्थ्य पदाधिकारी बनने के मार्ग में अपनी पहली बाधा तब पार कर ली जब सीनेट की वित्त समिति ने सदन में मतदान के लिए उनके नामांकन को आगे बढ़ाने का फैसला किया। रिपब्लिकन सांसदों ने उनके नामांकन को आगे बढ़ाने के लिए मतदान किया, जबकि सभी डेमोक्रेट ने विरोध में वोट डाला। उनके नामांकन को अब पूर्ण सीनेट में मतदान से गुजरना होगा। वित्त समिति में शामिल लुइसियाना से रिपब्लिकन सीनेटर एवं चिकित्सक बिल कैसिडी ने कैनेडी के नामांकन को आगे बढ़ाने के लिए मतदान किया। पिछले हफ्ते, प्रक्रियागत सुनवाई के दौरान कैसिडी ने कैनेडी से बार-बार इस अप्रमाणित सिद्धांत को खारिज करने का आग्रह किया कि टीके ऑटिज्म का कारण बनते हैं, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। कैसिडी ने कैनेडी से कहा, आपका अतीत, निराधार या भ्रामक तर्कों के साथ टीकों में विश्वास को कम करना, मुझे चिंतित करता है। मेन से रिपब्लिकन सीनेटर सुसान कोलिन्स, अलास्का से लिसा मुर्कोव्स्की और केंटकी से मिच मैककोनेल को संभावित तौर पर मतदान करने वाले के रूप में नहीं देखा जाता।

चक्रवर्ती भारतीय वनडे टीम में शामिल

● चैंपियन्स ट्रॉफी के लिये लिया गया फैसला

भाषा। नागपुर

फॉर्म में चल रहे रहस्यमई स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई टी20 श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के बाद भारत की एकदिवसीय टीम में शामिल किया गया है क्योंकि टीम प्रबंधन चाहता है कि कोलकाता नाइट राइडर्स का यह गेंदबाज अपनी लय बनाए रखे। इस बात की पूरी संभावना है कि चक्रवर्ती चैंपियंस ट्रॉफी टीम में चार विशेषज्ञ स्पिनरों में से किसी एक की जगह ले सकते हैं। उन्हें कुलदीप यादव या वाशिंगटन सुंदर में से किसी एक की जगह शामिल किया जा सकता। इन दोनों में से किसी एक को अंतिम टीम की घोषणा से पूर्व चक्रवर्ती को शामिल करने के लिए टीम से बाहर किया जा सकता है। बहुत कुछ इस बात पर निर्भर करेगा कि चक्रवर्ती वनडे में कैसा प्रदर्शन करते हैं इंग्लैंड के खिलाफ पांच टी20 मैच की

श्रृंखला में बल्लेबाजी की अनुकूल पिचों पर 9.85 के प्रभावशाली औसत से 14 विकेट लेने के लिए श्रृंखला के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए चक्रवर्ती को इसी टीम के खिलाफ तीन एकदिवसीय और इसी महीने शुरू होने वाले चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम में जगह नहीं मिली थी चक्रवर्ती को मंगलवार को भारतीय टीम के नेट सत्र के दौरान ट्रेनिंग और गेंदबाजी करते देखा गया। भारतीय उप कप्तान शुभमन गिल ने टीम के ट्रेनिंग सत्र के बाद मीडिया से कहा, हां, वरूण चक्रवर्ती भारतीय टीम का हिस्सा हैं। शाम को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने भी कहा कि फॉर्म में चल रहे इस स्पिनर को टीम में शामिल किया गया है। बीसीसीआई ने बयान में कहा, पुरुष चयन समिति ने वरुण चक्रवर्ती को इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैच की आगामी एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए भारतीय टीम में शामिल किया है। ऐसा माना जा रहा है कि मुख्य कोच गौतम गंभीर चाहते हैं कि चक्रवर्ती लय में रहें और विराट कोहली, रोहित शर्मा और ऋषभ पंत जैसे खिलाड़ियों को गेंदबाजी करें। चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम में बदलाव की समयसीमा 12 फरवरी तक है और ऐसे में वह चयन के लिए मजबूत दावेदार बने हुए हैं। भारतीय टीम में अंगुली के तीन स्पिनर हैं जिसमें से दो बाएं हाथ के गेंदबाज (रविंद्र जडेजा और अक्षर पटेल) और एक दाएं हाथ का ऑफ स्पिनर वाशिंगटन सुंदर हैं।

इंग्लैंड के बल्लेबाज चक्रवर्ती के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन करेंगे: पीटरसन

मुंबई। पूर्व दिग्गज खिलाड़ी केविन पीटरसन ने इंग्लैंड के खिलाफ तीन एकदिवसीय मैच की श्रृंखला के लिए भारतीय टीम में वरुण चक्रवर्ती को शामिल किए जाने को शानदार फैसला करार दिया लेकिन साथ ही कहा कि मेहमान टीम लंबे प्रारूप में दाएं हाथ के स्पिनर के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन करेगी। चक्रवर्ती ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच टी20 मैच की श्रृंखला में 14 विकेट चटकाए और भारत की 4-1 की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके बाद उन्हें बृहस्पतिवार से नागपुर में शुरू हो रही श्रृंखला के लिए भारत की एकदिवसीय टीम में शामिल किया गया।पीटरसन ने यहां एक कार्यक्रम के दौरान मीडिया से कहा, इंग्लैंड के बल्लेबाज एकदिवसीय मैचों में उनके (चक्रवर्ती के) खिलाफ बेहतर प्रदर्शन करेंगे क्योंकि वे क्रीज पर अधिक समय बिता सकते हैं।

सूर्यकुमार और दुबे रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल के लिए मुंबई की टीम में

भाषा। मुंबई

भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव और ऑलराउंडर शिवम दुबे को हरियाणा के खिलाफ आठ फरवरी से शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल मुकाबले के लिए मुंबई की 18 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। सूर्यकुमार और दुबे दोनों ही इंग्लैंड के खिलाफ हाल में समाप्त हुई पांच मैच की टी20 श्रृंखला में भारतीय टीम का हिस्सा थे। इन दोनों ने रणजी ट्रॉफी के मौजूदा सत्र में 42 बार के चैंपियन मुंबई की तरफ से एक-एक मैच खेला है। मुंबई ने मेघालय को पारी और 456 रन से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। जम्मू कश्मीर एलीट ग्रुप ए से नॉकआउट चरण में जगह बनाने वाली दूसरी टीम थी (सूर्यकुमार पिछले साल अक्टूबर में मुंबई की तरफ से महाराष्ट्र के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मैच में खेले थे जबकि दुबे जम्मू कश्मीर के खिलाफ खेले गए उस मैच का हिस्सा थे जिसमें भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान रोहित शर्मा तथा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल भी शामिल थे।

सैमसन ऐसे ही आउट होते रहे तो उनका दिमाग उनके साथ चालें चलने लग जाएगा : अश्विन

भाषा। नई दिल्ली

भारत के पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने टी20 के स्टार बल्लेबाज संजू सैमसन की खराब फॉर्म पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि अगर उन्हें मौजूदा मुश्किल स्थिति से बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं मिला तो उनके दिमाग पर नकारात्मक पक्ष हावी हो जाएगा और वह उनके साथ चालें चलना शुरू कर देगा। अपनी दाहिनी तर्जनी में फ्रैक्चर के कारण एक महीने के लिए बाहर होने वाले 30 वर्षीय सैमसन इंग्लैंड के खिलाफ हाल में संपन्न हुई पांच मैच की श्रृंखला में केवल 51 रन ही बना सके। इस दौरान वह इंग्लैंड की तेज गति और शॉर्ट पिच गेंदों के सामने संघर्ष करते हुए नजर आए। अश्विन ने कहा, अगर एक बल्लेबाज के तौर पर संजू इसी तरह आउट होते रहे तो उनका दिमाग ही उनके साथ चालें चलना शुरू कर देगा। उन्होंने कहा, आपका दिमाग आपको यह सोचने के लिए मजबूर कर देगा कि गेंदबाज एक निश्चित तरीके से गेंदबाजी कर रहा है और मैं इस तरह से आउट हो रहा हूं। क्या गेंदबाज अच्छी गेंदबाजी कर रहा है या क्या मुझमें कोई कमी है? क्या मैं इससे सामंजस्य बिठा पाऊंगा? एक बार जब मन में इतने सारे सवाल उठने लग जाते हैं तो मुश्किलें बढ़ जाती हैं। अश्विन ने वन डे टीम से बाहर चल रहे टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव की खराब फॉर्म पर भी चिंता व्यक्त की और उन्हें अपना दृष्टिकोण बदलने की सलाह दी। सूर्यकुमार इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैच में केवल 28 रन ही बना सके।अश्विन ने अपने हिंदी यूट्यूब चैनल पर कहा, मैं समझ सकता हूं कि यह एक या दो मैचों में ऐसा हो रहा है, लेकिन यह काफी आश्चर्यजनक है। आपको स्वच्छंद होकर खेलना चाहिए लेकिन जब आपको पता होगा कि आप पर एक निश्चित तरीके से आक्रमण किया जा रहा है तो इस तरह की गेंदों को खेलने के लिए आपका एक अलग दृष्टिकोण होना चाहिए, या बस उससे बचना चाहिए। आपको गेंदबाज को आपके मजबूत पक्ष के अनुसार गेंदबाजी करने के लिए मजबूर करना चाहिए। अश्विन ने कहा, सूर्यकुमार यादव बेहद अनुभवी खिलाड़ी है। वह बेहद क्षमतावान खिलाड़ी है और कोई भी कह सकता है कि वह भारतीय बल्लेबाजी में बदलाव लेकर आए और उन्होंने एक रास्ता दिखाया। लेकिन अब समय आ गया है कि वह कुछ समय निकालें और अपना दृष्टिकोण बदलें। अश्विन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लगातार संघर्ष करने वाले सैमसन को यह सुनिश्चित करने की सलाह दी जिससे कि उनके अवचेतन मन में किसी तरह का संदेह अपनी पैठ नहीं बना सके। उन्होंने इस संदर्भ में हाल में बीसीसीआई पुरस्कार समारोह के दौरान सचिन तेंदुलकर की सलाह का जिक्र किया।

अनमोल ने राष्ट्रीय खेलों में स्वर्ण पदक जीता

देहरादून। भारत की उदीयमान बैडमिंटन खिलाड़ी अनमोल खरब ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए मंगलवार को यहां 38वें राष्ट्रीय खेलो मे महिला एकल फाइनल मे शीर्ष वरीय अनुपमा उपाध्याय को सीधे गेम मे हराकर स्वर्ण पदक जीता। एशिया टीम चैंपियनशिप मे स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम की सदस्य रही हरियाणा की 18 वर्षीय खिलाड़ी अनमोल ने दुनिया की 43वें नंबर की खिलाड़ी अनुपमा को 21-16, 22-20 से हराकर स्वर्ण पदक हासिल किया। अनमोल ने पिछले साल से लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। वह दिसंबर मे गुवाहाटी मास्टर्स सुपर 100 टूर्नामेंट मे उपविजेता रही थी। उन्होंने पिछले साल बेल्जियम और पोलिश इंटरनेशनल मे खिताब जीते थे।

सुमित रोसारियो चैलेंजर के प्री-क्वार्टर फाइनल में

नई दिल्ली। भारतीय टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल अर्जेंटीना के रोसारियो में चल रहे 2025 रोसारियो चैलेंजर मे स्थानीय खिलाड़ी रेनजो ओलिवो की कड़ी चुनौती से पार पाकर प्री-क्वार्टर फाइनल मे पहुंच गए है। टूर्नामेंट मे आठवी वरीयता प्राप्त नागल ने अपनी दृढ़ता और धैर्य का शानदार नमूना पेश करते हुए सोमवार को ओलिवो पर 5-7, 6-1, 6-0 से जीत हासिल की। इस 27 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी का अगला मुकाबला चीनी ताइपे के त्सेंग चुन-हसिन और बोलिविया के ह्यूगो डेलिएन के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा।

मध्य प्रदेश और तेलंगाना चैम्पियन बनें

देहरादून। मध्य प्रदेश और तेलंगाना ने मंगलवार को यहां 38वे राष्ट्रीय खेलो के दोनो वर्गो के फाइनल मे केरल को हराकर क्रमशः पुरुष और महिला बास्केटबॉल तीन गुणा तीन स्पर्धा मे स्वर्ण पदक जीते।मध्य प्रदेश ने केरल के खिलाफ पुरुष वर्ग के कड़े मुकाबले मे 22-20 से जीत हासिल की, जबकि तमिलनाडु ने तेलंगाना को 21-16 से हराकर कांस्य पदक जीता।महिलाओ के फाइनल मे तेलंगाना ने शानदार प्रदर्शन करते हुए केरल पर 21-11 की जीत के साथ अपने खिताब का बचाव किया। तेलंगाना ने गोवा मे 202 के राष्ट्रीय खेलो मे भी जीत दर्ज की थी।

चेल्सी की शानदार वापसी, वेस्ट हैम को 2-1 से हराया

लंदन। चेल्सी ने शुरू मे पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी करते हुए वेस्ट हैम को 2-1 से हराकर इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबाल टूर्नामेंट मे अपनी उम्मीदो को जीवंत रखा। चेल्सी की यह आठ मैचो मे दूसरी जीत है जिससे वह अंक तालिका मे चौथे स्थान पर पहुंच गया है। वह अब मैनचेस्टर सिटी से दो अंक ऊपर और तीसरे स्थान पर मौजूद नॉटिंघम फॉरेस्ट से चार अंक पीछे है। वेस्ट हैम 15वे स्थान पर है। पैर की चोट के कारण पिछले छह मैच मे नही खेल पाने वाले इंग्लैंड के फारवर्ड जारोड बोवेन ने मध्यांतर से तीन मिनट पहले गोल करके वेस्ट हैम को बढ़त दिला दी। जब लग रहा था कि वेस्ट हैम मैच पर नियंत्रण बना रहा है तब चेल्सी ने 64वे मिनट मे पलटवार किया।

बिहार में खेलो के आयोजन के लिए 21.57 करोड़ की मंजूरी

पटना। बिहार कैबिनेट ने महिला विश्व कप कबड्डी चैम्पियनशिप और सेपकटकरा विश्व कप (महिला एवं पुरुष) 2025 के आयोजन के लिए 21.57 करोड़ रुपए से अधिक की राशि को मंगलवार को मंजूरी प्रदान कर दी। मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग के अपर मुख्य सचिव एस सिद्धार्थ ने पत्रकारो को संबोधित करते हुए कहा, बिहार मे पहली बार महिला विश्व कप कबड्डी चैम्पियनशिप 2025 का आयोजन सात से 12 मार्च तक बिहार राज्य खेल अकादमी, राजगीर मे प्रस्तावित है।

एक श्रृंखला पूरी टीम की लय को परिभाषित नहीं करती: गिल

भाषा। नागपुर

भारतीय एकदिवसीय टीम के उपकप्तान शुभमन गिल ने ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट श्रृंखला में हार को लेकर टीम के प्रदर्शन का बचाव करते हुए कहा कि एक खराब श्रृंखला टीम को परिभाषित नहीं करती है और लंबे अंतराल के बाद इस तरह के खराब प्रदर्शन के बाद किसी टीम की आलोचना करना अनुचित है। भारत को ऑस्ट्रेलिया में पांच मैचों की श्रृंखला में 1-3 से हार का सामना करना पड़ा। टीम का इस परिणाम से बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में एक दशक पुराना दबदबा खत्म हो गया। रोहित शर्मा, विराट कोहली, लोकेश राहुल, ऋषभ पंत और खुद गिल जैसे प्रमुख खिलाड़ी आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए दुबई जाने से पहले अब इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के लिए टीम में लौटने के लिए तैयार हैं। गिल ने यहां इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे श्रृंखला के शुरुआती मुकाबले से पहले पत्रकारों से कहा, एक श्रृंखला पूरी टीम की लय को परिभाषित नहीं करती है। ऐसे कई खिलाड़ी हैं, जिन्होंने अतीत में कई श्रृंखलाओं और टूर्नामेंटों में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा, इसमें कोई शक नहीं कि हम ऑस्ट्रेलिया में अपनी उम्मीदों के मुताबिक खेलने में विफल रहे। हमने हालांकि कुछ अच्छा क्रिकेट भी खेला। टीम को उस दौरे के आखिरी दिन किस्मत का साथ नहीं मिला क्योंकि बुमराह चोटिल थे। हम अगर वह मैच जीतते तो श्रृंखला बराबरी पर छूटती और हम ट्रॉफी को अपने पास बरकरार रखते। ऐसे में अभी इस तरह की बातें नहीं हो रही होती। दाएं हाथ के इस सलामी बल्लेबाज ने कहा, एक मैच एक दिन किसी को परिभाषित नहीं करते है। हम वहां (ऑस्ट्रेलिया) दो बार जीते है। हम पिछले कुछ समय में एक विश्व कप जीते है और एक अन्य विश्व कप के फाइनल में पहुंचे है। हम इस तरह के परिणाम को दिमाग में रखना चाहते हैं। ऑस्ट्रेलिया में निराशाजनक हार से पहले भारतीय टीम को न्यूजीलैंड ने घरेलू श्रृंखला में 3-0 से करारी शिकस्त दी थी। यह पहली बार था जब किसी टीम ने भारत का उसके घरेलू मैदान पर 3-0 से सूपड़ा साफ किया था। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर खराब बल्लेबाजी के कारण अनुभवी रोहित शर्मा और विराट कोहली को आलोचना का सामना करना पड़ा था। गिल ने हालांकि भारतीय कप्तान का बचाव करते हुए कहा कि एकदिवसीय प्रारूप में वह शानदार लय में रहे हैं। रोहित ने भारत में एकदिवसीय विश्व कप में शानदार बल्लेबाजी करने के बाद श्रीलंका दौरे पर भी दो अर्धशतक लगाए थे। गिल ने कहा, रोहित एकदिवसीय में पिछले डेढ़ साल से जैसी बल्लेबाजी कर रहे है वह हमारे लिए मैच का रुख बदलने वाला रहा है।

चैंपियन्स ट्रॉफी में भारत की सफलता के लिए कोहली और रोहित की फॉर्म महत्वपूर्ण: रैना

नई दिल्ली। पूर्व बल्लेबाज सुरेश रैना ने मंगलवार को कहा कि कप्तान रोहित शर्मा और लंबे समय से टीम के उनके साथी विराट कोहली भले ही पिछले कुछ समय से रन बनाने के लिए जूझ रहे हो लेकिन उनका फॉर्म आगामी आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में भारत की सफलता की कुंजी होगा। चैंपियंस ट्रॉफी 19 फरवरी से पाकिस्तान मे शुरू होगी और नौ मार्च तक चलेगी। भारत हाइब्रिड मॉडल समझौते के अनुसार अपने सभी मैच दुबई मे खेलेगा। रैना ने प्रसारणकर्ता स्टार स्पोर्ट्स से कहा, रोहित शर्मा का स्ट्राइक रेट 2023 में एकदिवसीय विश्व कप के बाद काफी सुधरा है। तब से उन्होंने 119-120 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए है जिससे वह भारत के सर्वश्रेष्ठ एकदिवसीय बल्लेबाजों में से एक बन गए है। उन्होंने कहा, रोहित और विराट के लिए मै कहूंगा कि जब आपके पास पिछले अच्छे प्रदर्शनों का मजबूत रिकॉर्ड होता है तो यह आपको बहुत आत्मविश्वास देता है। वे एक-दूसरे का अच्छा साथ देते है और दोनो मे बड़ी पारियां खेलने का कौशल है। अगर वे अच्छा प्रदर्शन करते है तो चैंपियंस ट्रॉफी मे भारत के अभियान को बहुत फायदा होगा। टूर्नामेंट के ग्रुप चरण मे भारत को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान, न्यूजीलैंड और बांग्लादेश के साथ रखा गया है। स्पिन विभाग और टीम संयोजन के बारे मे रैना ने कहा, मुझे लगता है कि (रविंद्र) जडेजा निश्चित रूप से खेलेंगे क्योंकि वनडे मे वह काफी प्रभावी है।

क्विक न्यूज

कार्लसन ने फिडे प्रमुख पर वादा खिलाफी का आरोप लगाते हुए इस्तीफे की मांग की

नई दिल्ली। विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज मैगनस कार्लसन ने अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ के अध्यक्ष अरकडी ड्वोरकोविच पर खिलाड़ियों के साथ जबरदस्ती करने, सत्ता के दुरुपयोग और वादों को तोड़ने का आरोप लगाते हुए इस्तीफे की मांग की है। कार्लसन की यह मांग इस वैश्विक खेल निकाय और उनके द्वारा सह-स्थापित फ्रीस्टाइल टूर के बीच एक समझौते की बातचीत विफल होने के बाद आई है। फिडे ने सोमवार को बताया था कि कार्लसन और जर्मनी के उद्यमी जान हेनरिक ब्यूटनर द्वारा सह-स्थापित फ्रीस्टाइल शतरंज टूर के बीच विश्व चैम्पियनशिप शब्द को लेकर आम सहमति बनाने के प्रयास विफल हो गए हैं। फिडे ने इस टूर के आयोजनों में भाग लेने के इच्छुक खिलाड़ियों से आधिकारिक विश्व चैम्पियनशिप चक्र के लिए पात्र बने रहने के लिए हस्ताक्षर करने के लिए भी कहा था।

वर्ल्ड कराटे जयपुरिया स्कूल ओवरऑल चैंपियन

लखनऊ। चौथी वर्ल्ड मॉडर्न शोतोकान कराटे कप प्रतियोगिता में सेठ एमआर जयपुरिया स्कूल बंसल कैंपस ने 20 स्वर्णए 8 रजतए 5 कांस्य सहित कुल 33 पदक जीतते हुए ओवरऑल चैंपियनशिप में ट्रॉफी जीती। चौक स्टेडियम के लालजी टंडन बहुउद्देश्यीय हाल में सोमवार को आयोजित प्रतियोगिता में जीडी गोयनका पब्लिक स्कूलए महानगर कैंपस ने 17 स्वर्ण, 5 रजत व 1 कांस्य सहित 23 पदक जीतते हुए दूसरे एवं सिटी मांटेसरी स्कूल स्कूलए राजाजीपुरम कैंपस 16 स्वर्ण, 4 रजत व 2 कांस्य सहित 22 पदक जीतते हुए तीसरे स्थान पर रहा। समापन समारोह में मुख्य अतिथि प्रोफेसर रवि शंकर कुलपति माँ पाटेश्वरी राज्य विश्वविद्यालय, बलरामपुर व विशिष्ट अतिथि वर्ल्ड मॉडर्न शोतोकान कराटे फेडरेशन इंडिया के अध्यक्ष क्योशी जसपाल सिंह ने पुरस्कार वितरित किए। समारोह की अध्यक्षता एबीवीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो राज शरण शाही ने की। इस अवसर पर मीडिया विशेषज्ञ पंकज सिंह और प्रणय विक्रम सिंह, एमिटी विश्वविद्यालयए लखनऊ की निदेशक डॉशालिनी सिंह विसेनए अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश कन्नौज लोकेश वरुण, कीर्ति विक्रम सिंह इग्नू लखनऊ सहायक क्षेत्रीय निदेशक इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी लखनऊ शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास की प्रांत संयोजक डा. बिंदु सिंह तथा उत्तर प्रदेश सवात एसोसिएशन के सचिव केबी पंत भी मौजूद रहे।

टी20 विश्व कप में जैसे अफगानिस्तान की कप्तानी की थी, वैसे ही कप्तानी करना चाहता था : राशिद खान

गक्बेरहा। एसए 20 के तीसरे सत्र में एमआई केपटाउन के बेहतरीन प्रदर्शन के बाद आत्मविश्वास से ओतप्रोत कप्तान राशिद खान ने कहा कि वह उसी तरह से कप्तानी करना चाहते थे जैसी पिछले साल टी20 विश्व कप मे अफगानिस्तान की थी।पिछले दो सत्र मे खराब प्रदर्शन और प्लेआफ मे जगह नही बना पाने के बाद एमआई केपटाउन एसए20 के तीसरे सत्र मे नौ मैचो मे छह जीत दर्ज करके तीस अंक के साथ शीर्ष पर है।राशिद की कप्तानी मे पिछले साल टी20 विश्व कप मे अफगानिस्तान की टीम ने सभी को चौकाते हुए सुपर आठ चरण मे आस्ट्रेलिया को हराया और फिर अंतिम चार मे पहुंची थी। राशिद ने पार्ल रॉयल्स के खिलाफ पहले क्वालीफायर की पूर्व संध्या पर मीडिया से कहा , मै एमआई केपटाउन की कप्तानी उसी तरह से करना चाहता था जैसे विश्व कप मे अफगानिस्तान के लिए की थी। कोच रॉबी पीटरसन ने भी मुझसे यही कहा। इस साल मै खिलाड़ियों को बेहतर समझता था और उनके साथ काफी समय बिताया था जिससे मुझे पता था कि किस गेंदबाज का इस्तेमाल कब करना है। उन्होंने कहा , सबसे अहम बात खिलाड़ियों से स्पष्ट संवाद रखना था। उन्हे पता होना चाहिए कि कप्तान के दिमाग मे क्या चल रहा है और मुझे पता होना चाहिए कि वे क्या सोच रहे है।

सिरोस देगा रफ्तार का रोमांच

नई दिल्ली। किआ इंडिया,गाड़ियां बनाने वाली एक प्रमुख कंपनी, ने अपनी नई किआ सिरोस को लॉन्च किया है। यह मिड और कॉम्पैक्ट एसयूवी कैटेगरी के बीच एक नया सेगमेंट है। ये सभी वर्ग के उपभेक्ताओं को रफ्तार का रोमांच देगा। इसकी कीमत 8.99 लाख रुपये रखी गई है। किआ सिरोस का डिज़ाइन अपने प्रीमियम मॉडल्स ईवी-9 और कार्निवल से प्रेरित है, जिसमें अत्याधुनिक तकनीक, प्रीमियम कम्फर्ट और बोल्ड डिज़ाइन का बेहतरीन संयोजन देखने को मिलता है। यह भारतीय उपभोक्ताओं के लिए एक बेहतरीन विकल्प साबित हो सकता है। जूनसू चो, चीफ सेल्स ऑफिसर, किआ इंडिया ने कहा, कि भारत में एसयूवी की मांग लगातार बढ़ रही है, खासकर उन युवाओं में जो टेक्नोलॉजी के शौक़ीन और रोमांच पसंद करते हैं। ऐसे लोग अपनी गाड़ियों से बहुत कुछ उम्मीद करते हैं। किआ इंडिया ग्राहकों की बदलती जरूरतों के हिसाब से नई और बेहतरीन डिज़ाइन वाली गाड़ियाँ बना रहा है, जो ऑटोमोटिव इंडस्ट्री की सीमाओं को आगे बढ़ा रही हैं। किआ सिरोस हमारी नई एसयूवी है, जिसमें आधुनिक तकनीक, बेहतरीन आराम और आकर्षक डिज़ाइन का बेहतरीन संयोजन है। इस गाड़ी में उपयोग किए गए इंटीरियर्स में ऐसे सामग्री का चयन किया गया है जो पर्यावरण के अनुकूल है, जिससे यह साबित होता है कि कंपनी भविष्य में पर्यावरण की रक्षा करने के प्रति पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

कई क्रिकेट दिग्गज यूजेनिक्स से जुड़े

नई दिल्ली। यूजेनिक्स हेयर साइंसेज ने अपनी स्थिति को मजबूत किया है और यह क्रिकेट के दिग्गजों, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों और बॉलीवुड हस्तियों के एक प्रतिष्ठित सर्कल द्वारा विश्वसनीय है। दिल्ली एन सी आर ,मुंबई, हैदराबाद और भुवनेश्वर में अत्याधुनिक क्लिनिक के साथएयूजेनिक्स हेयर ट्रांसप्लांट सॉल्यूशन्स के लिए एक प्रमुख गंतव्य बन चुका हैए जो वैज्ञानिक विशेषज्ञता को कला के साथ सहजता से जोड़ता है। क्रिकेट के आइकॉन मोहम्मद शमी, रवि शास्त्री, मोहम्मद अजहरुद्दीन और माइकल बेवेन ने यूजेनिक्स पर भरोसा जताया है, और उन्होंने इसके उन्नत हेयर ट्रांसप्लांट तकनीकों की ट्रांसफरमेटिव शक्ति का अनुभव किया है। प्राकृतिक सहज और दीर्घकालिक परिणाम देने के लिए प्रसिद्ध यूजेनिक्स अब क्रिकेट की दुनिया और उसके बाहर के प्रमुख चेहरों का निर्विवाद विकल्प बन चुका है। 4500 ग्राफ्ट ट्रांसप्लांट करवा चुके शमी की सफलता की कहानी इस क्लिनिक की क्षमता को उजागर करती हैए जो न्यूनतम असुविधा के साथ असाधारण परिणाम प्राप्त करता है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और मुख्य कोच रवि शास्त्री ने यूजेनिक्स पर अपने विश्वास की पुष्टि करते हुए कहा जब बात हेयर ट्रांसप्लांट की होए तो सभी रास्ते यूजेनिक्स की ओर जाते हैंकृकहीं और नहीं! पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन ने यूजेनिक्स की सराहना की और कहा कि मैं शुरुआत में संकोच कर रहा था लेकिन यूजेनिक्स ने प्रक्रिया को बेहद सहज बना दियाए और परिणामों से मैं बहुत खुश हूं। रोहन गवस्कर पूर्व भारतीय क्रिकेटर, सरेद अहमद अफगानिस्तान के पेसर निखिल चोपड़ा पूर्व भारतीय क्रिकेटरए मोर्ने वैन वाईक पूर्व दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर निक कॉम्पटन दृ पूर्व इंग्लिश क्रिकेटर आर श्रीधर पूर्व फील्डिंग कोच भारतीय क्रिकेट टीम। विश्व प्रसिद्ध विशेषज्ञ डॉ. प्रदीप सेठी और डॉ अरिका बंसल की अगुवाई में यूजेनिक्स अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी और सटीक कला का संगम है जो न केवल रूप को बेहतर बनाता है बल्कि आत्मविश्वास को भी पुनः स्थापित करता है।

38वें राष्ट्रीय खेल : योगासन में यूपी को आर्टिस्टिक महिला ग्रुप टीम इवेंट में कांस्य

लखनऊ। उत्तराखंड में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेल में मंगलवार को योगासन में उत्तर प्रदेश ने आर्टिस्टिक महिला ग्रुप टीम इवेंट में कांस्य पदक जीता। अल्मोड़ा में आयोजित योगासन की स्पर्धा में उत्तर प्रदेश की ओर से सिमरन, आर्यांशी, इंदु, साक्षी व कनिका ने अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से उत्तर प्रदेश को यह सफलता दिलाई। इसी के साथ राष्ट्रीय खेल में योगासन की स्पर्धा में उत्तर प्रदेश एक स्वणै, एक रजत व एक कांस्य पदक के साथ पांचवें स्थान पर रहा। उत्तर प्रदेश योगासन टीम की कोच मालविका बाजपेई व मैनेजर नेहा शेरोन थी। उत्तर प्रदेश की योगासन टीम के इस प्रदर्शन पर उत्तर प्रदेश ओलंपिक एसोसिएशन के महासचिव डा.आनन्देश्वर पाण्डेय ने पदक विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष ऋषिपाल सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष आचार्यश्री डॉ यश पाराशर, महासचिव रोहित कौशिक ने भी खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना की। कार्यकारी अध्यक्ष आचार्यश्री डॉ यश पाराशर ने बताया कि योगासन खेल में उत्तर प्रदेश का यह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है और भविष्य में हमें और बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। इसी के साथ उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय खेल में अब तक 6 स्वर्णए 5 रजत व 6 कांस्य पदक सहित कुल 17 पदक के साथ तालिका में 11वें स्थान पर पहुंच गया है।

देसिंघु ने नौ-नौ स्वर्ण पदक के साथ खत्म किया अभियान

तैराकी में कर्नाटक का दबदबा

भाषा। हलद्वानी

कर्नाटक के स्टार तैराक श्रीहरि नटराज और धीनिधि देसिंघु ने 38वें राष्ट्रीय खेलों में अपने अभियान को मंगलवार को नौ-नौ स्वर्ण के साथ समाप्त किया जिससे इस खेल में कर्नाटक का दबदबा बरकरार रहा। कर्नाटक ने राष्ट्रीय खेलों की तैराकी स्पर्धा से 22 पदक हासिल किए।चौदह साल की देसिंघु ने महिलाओं की 100 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में 57.34 सेकंड के इन खेलों के रिकॉर्ड समय के साथ पीला तमगा हासिल किया। उन्होंने 2023 गोवा में दर्ज 57.87 सेकंड के अपने पिछले राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार किया। नटराज ने पुरुषों की 100 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा को 50.65 सेकंड के समय के अपने नाम किया।पेरिस ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व कर चुके देसिंघु और नटराज ने इसके बाद मिश्रित 4 गुणा 100 मीटर मेडले में चार मिनट और 3.91 सेकंड के समय के साथ कर्नाटक को स्वर्ण जीतने में मदद की। देसिंघु ने हालांकि पदकों की कुल संख्या के मामले में राज्य के अपने अनुभवी साथी को पीछे छोड़ दिया। उन्होंने इन खेलों में नौ स्वर्ण सहित कुल 11 पदक जीते। इससे पहले उन्होंने सात स्वर्ण (400 मीटर फ्रीस्टाइल, मिश्रित चार गुणा 100 मीटर फ्रीस्टाइल, 200 मीटर फ्रीस्टाइल, 100 मीटर बटरफ्लाई, चार गुणा 100 मीटर फ्रीस्टाइल रिले और 50 मीटर फ्रीस्टाइल और चार गुणा 200 मीटर फ्रीस्टाइल रिले), एक रजत (50 मीटर बटरफ्लाई) और एक कांस्य (चार गुणा 100 मीटर रिले मेडले) जीता था।

वैष्णवी, जोया, वंशिका, अलंकृता व मानवी के स्वर्णिम पंच

समन्वय लखनऊ जिला बॉक्सिंग चैंपियनशिप

लखनऊ। समन्वय लखनऊ जिला बॉक्सिंग चैंपियनशिप के पहले दिन मुक्केबाजों ने दमदार प्रदर्शन किया। जहां बालिका वर्ग में वैष्णवी मिश्रा, जोया, वंशिका सिंह लोधी, अलंकृता सिंह और मानवी मिश्रा ने स्वर्ण पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। केडी सिंह बाबू स्टेडियम के बॉक्सिंग एरिना में बॉक्सिंग एसोसिएशन लखनऊ और क्षेत्रीय खेल कार्यालयए लखनऊ के समन्वय से आयोजित इस चैंपियनशिप का उद्घाटन सेंट जोसेफ इंटर कॉलेज के एमडी अनिल अग्रवाल ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करके किया। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता बॉक्सिंग एसोसिएशन लखनऊ के चेयरमैन दीपक शर्मा ने की। जबकि एसोसिएशन के अध्यक्ष अतुल अग्निहोत्री ने मुख्य अतिथि का

स्वागत किया। इस अवसर पर बॉक्सिंग एसोसिएशन लखनऊ के सचिव सहदेव सिंह कोषाध्यक्ष विशाल राज और अन्य खेल प्रेमी भी मौजूद रहे। पहले दिन खेले गए फाइनल मुकाबलों में मिनी बालक आयु वर्ग के 30-32 किग्रा वर्ग में मॉडर्न अकादमी के शौर्य पी. सिंह ने कॉम्बैट फाइट क्लब सीएफसी के अशर अहमद को पराजित किया। 36.38 किग्रा भारवर्ग में सेंट जोसेफ के विवांश अवस्थी ने मॉडर्न अकादमी के मोण् शाद को हरायाए जबकि 40.42 किग्रा वर्ग में एलपीएस.विनम्र खंड के रितेश ने किड फिट स्पोर्ट्स फिटनेस जोन के श्रेयांश थापा को हराकर स्वर्ण पदक जीता। इसी वर्ग के अन्य मुकाबलों में 22.24 किग्रा भारवर्ग में केडी सिंह बाबू स्टेडियम के वरुण ने जोश बॉक्सिंग अकादमी के रक्षन खान को मात दीए जबकि 26.28 किग्रा में चैंपियंस बॉक्सिंग अकादमी के जोहान अग्रहरि ने केएफएसएफजेड के रेवांश यादव को हराया। मिनी बालिका वर्ग के फाइनल में 30.32 किग्रा भारवर्ग में सेंट जोसेफ की वैष्णवी मिश्रा ने सेंट जोसेफ की ही आराध्या को हराकर स्वर्ण पदक जीता। 32.34 किग्रा वर्ग में सेंट मैरी की जोया ने सेंट जोसेफ की अदिति शुक्ला को हराया, जबकि 38.40 किग्रा वर्ग में सीएमएस स्टेशन रोड की वंशिका सिंह लोधी ने केडी सिंह बाबू स्टेडियम की श्रद्धा गोस्वामी को और 22.24 किग्रा भार वर्ग में केडी सिंह बाबू स्टेडियम की आराध्या गोस्वामी ने केडी सिंह बाबू स्टेडियम की अनुष्का को पराजित कर स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया।सीनियर महिला वर्ग के 44.46 किग्रा भार वर्ग में सेंट जोसेफ की मानवी मिश्रा ने सेंट जोसेफ की ही देवांगी चंद्रा को मात देकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। सब जूनियर बालिका वर्ग के 48.51 किग्रा भार वर्ग में सीएमएस आनंद नगर की अलंकृता सिंह ने सेंट जोसेफ की सारा खान को हराकर स्वर्ण पदक जीता।

अपना 100वां टेस्ट मैच खेल कर संन्यास ले लेंगे श्रीलंका के बल्लेबाज करुणारत्ने

गॉल। श्रीलंका के पूर्व कप्तान दिमुथ करुणारत्ने अपना 100वां टेस्ट खेलने के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लेंगे। श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के बीच गुरुवार से यहां शुरू होने वाला दूसरा और अंतिम टेस्ट मैच उनका 100वां टेस्ट मैच होगा। श्रीलंका के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक 36 वर्षीय करुणारत्ने ने अपने लगभग 14 वर्षों के अंतरराष्ट्रीय करियर में अभी तक 99 टेस्ट मैचों में 40 से थोड़ा कम की औसत से 7,172 रन बनाए हैं, जिसमें 16 शतक और 34 अर्धशतक शामिल हैं। उन्होंने 50 एकदिवसीय मैचों में भी एक शतक और 11 अर्द्धशतक के साथ 1,316 रन बनाए हैं। डेली एफटी के अनुसार 2012 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाले करुणारत्ने ने कहा, एक टेस्ट खिलाड़ी के लिए एक साल में केवल चार टेस्ट खेलने और अपनी फॉर्म बनाए रखने के लिए खुद को प्रेरित रखना बहुत मुश्किल होता है।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा द इंडियन एक्सप्रेस प्रा.लि. सी-26 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ (फोन: 0522-4036600) से प्रकाशित। प्रधान सम्पादक: शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादक: विजय प्रकाश सिंह। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।